THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 132 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.13 2082 गुरुवार, 7 अगस्त-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम मोदी गलवान झड़प के बाद पहली बार चीन जाएंगे

एससीओ समिट में शामिल होंगे-मोदी 11 साल में 5 बार चीन जा चुके हैं

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एससीओ समिट में शामिल होने के लिए चीन जाएंगे। यह दौरा 31 अगस्त और 1 सितंबर को होगा। यह 2020 में गलवान घाटी में भारत-चीन सैन्य झड़प के बाद मोदी की पहली चीन यात्रा होगी। मोदी इससे पहले 2018 में वहां गए थे। प्रधानमंत्री के तौर पर पीएम मोदी का यह छठा चीन दौरा होगा, जो 70 सालों में किसी भी भारतीय पीएम की सबसे ज्यादा चीन यात्रा है। चीन से पहले पीएम मोदी 30 अगस्त को जापान पहुंचेंगे। यहां वो भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

सत्ता का नया केंद्र कर्तव्य भवन

✻ इसमें गृह-विदेश समेत 7 मंत्रालयों के ऑफिस ✻ 24 कॉन्फ्रेंस रूम के साथ 600 कारों की पार्किंग सुविधा

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली में कर्तव्य पथ पर कर्तव्य भवन-03 बिल्डिंग का उद्घाटन किया। यह 2019 में शुरू हुई सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट का हिस्सा है और कॉमन सेंट्रल सेक्रेटरिएट (सीएसएस) की 10 में से पहली बिल्डिंग है। कर्तव्य भवन-03 का उद्घाटन सबसे पहले किया गया है। इसे दिल्ली के अलग-अलग जगहों पर स्थित विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाकर उनके बीच बेहतर कोआर्डिनेशन और कामों में तेजी लाने के लिए डिजाइन किया गया है।

इसमें ग्राउंड फ्लोर सहित 7 फ्लोर हैं। यहां गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) और इंटेलिजेंस ब्यूरो के ऑफिस होंगे। कर्तव्य भवन 1.5 लाख वर्ग मीटर में फैला है। यहां एक साथ 600 कारें खड़ी हो सकती हैं। इसमें क्रेच (शिशुगृह), योग रूम, मेडिकल रूम, कैफे, किचन और हॉल है। कर्तव्य भवन में 24 कॉन्फ्रेंस रूम भी हैं। हर रूम 45 लोगों के बैठने की क्षमता है। सरकार के अनुसार, अभी कई मंत्रालय 1950 और 1970 के दशक के बीच बने शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन और निर्माण भवन जैसी पुरानी इमारतों में काम कर रहे हैं, जो अब संरचनात्मक रूप से जर्जर हो चुकी हैं।

अगले महीने पूरा होगा कर्तव्य भवन-1 और 2 का काम

केंद्र ने सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट (सीएसएस) की शुरुआत की है। इसके तहत दस बिल्डिंग और एक एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव बनाने की योजना है। इनमें कर्तव्य भवन-1 और कर्तव्य भवन-2 अंडर कंस्ट्रक्शन हैं। यह अगले महीने तक पूरी हो जाएंगी। वहीं, अगले 22 महीनों में बचे हुए 7 भवन भी बन जाएंगे। कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट में एक नया प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), कैबिनेट सचिवालय, इंडिया हाउस और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय होगा। एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव के दूसरे चरण में, प्रधानमंत्री आवास का निर्माण होगा।

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत नया संसद भवन बना

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट मोदी सरकार की एक महत्वाकांक्षी री-डेवलपमेंट प्रोजेक्ट है, जिसका मकसद दिल्ली स्थित सेंट्रल विस्टा एरिया का पुनर्निर्माण और आधुनिकीकरण करना है।

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत, सरकार ने नया संसद भवन और उपराष्ट्रपति एन्क्लेव का निर्माण किया है और विजय चौक से इंडिया गेट तक फैले कर्तव्य पथ का पुनर्विकास किया है।

भारत पर 50% टैरिफ

✻ 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान ✻ 27 अगस्त से लागू होगा

वॉशिंगटन, 6 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भारत 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने बुधवार को इससे जुड़े एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए। यह आदेश 21 दिन बाद यानी 27 अगस्त से लागू होगा। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में कहा गया है कि रूसी तेल खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन लिया गया है। इससे पहले उन्होंने 30 जुलाई को भारत पर 25% टैरिफ का ऐलान किया था।

अब भारत पर कुल 50% टैरिफ लगेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कल कहा था कि भारत, रूस के साथ व्यापार करके यूक्रेन के खिलाफ रूसी वॉर मशीन को ईंधन देने का काम कर रहा है। इस वजह से अमेरिका को सख्त कदम उठाने की जरूरत है। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में लिखा है-'भारत सरकार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तरीके से रूस से तेल आयात कर रही है। ऐसे में अमेरिका में दाखिल होने वाले भारत के सामानों पर 25% का एक्स्ट्रा टैरिफ लागू होगा। हालांकि कुछ खास परिस्थितियों में इस टैरिफ से छूट भी दी जाएगी जैसे कि यदि कोई सामान पहले ही समुद्र में लद चुका है और रास्ते में है, या यदि वह कुछ खास तारीख से पहले अमेरिका में पहुंच चुका है।

इससे पहले मार्च 2022 में अमेरिका ने एक आदेश जारी कर रूसी तेल और उससे जुड़े उत्पादों के अपने देश में आयात पर पूरी तरह रोक लगा दी थी। अब ट्रम्प प्रशासन ने यह पाया कि भारत उस रूसी तेल को खरीद रहा है, जिससे रूस को आर्थिक मदद मिल रही है। इस वजह से अब अमेरिका ने भारत पर यह नया टैरिफ लगाने का फैसला किया है।' अप्रैल 2025 में जारी एक और आदेश में कुछ खास उत्पादों को पहले ही टैरिफ से छूट दे दी गई थी वे छूट अब भी जारी रहेंगी। इन सामानों में सेमी-कंडक्टर्स, स्मार्टफोन, कंप्यूटर, फार्मास्युटिकल्स, ऑटोमोटिव पार्ट्स, तांबा और अन्य धातु व खनिज शामिल हैं।

इसका मतलब है कि भारत से होने वाले इन सामानों के भेजे जाने पर अब भी एक्स्ट्रा टैरिफ लागू नहीं होगा। इस आदेश में यह भी बताया गया है कि अगर भविष्य में जरूरत पड़ी तो राष्ट्रपति इसमें संशोधन कर सकते हैं, यानी टैरिफ की दर बदल सकते हैं या और नए प्रावधान जोड़ सकते हैं।

सेना के 11 जवान अब भी लापता

उत्तरकाशी, 6 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड में उत्तरकाशी जिले के बाढ़ग्रस्त धराली में भारी बारिश के बीच आपदा पीड़ितों की तलाश के लिए बचाव और राहत अभियान जारी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का हवाई सर्वे कर स्थिति का जायजा लिया।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि उत्तराखंड के उत्तरकाशी में एक दिन पहले अचानक आयी बाढ़ में फंसे करीब 150 को बचा लिया गया है लेकिन सेना के 11 जवान अब भी लापता हैं। उप महानिरीक्षक (संचालन) मोहसिन शाहेदी ने संवाददाताओं को बताया कि तीन टीम धराली गांव के लिए रवाना हो चुकी थीं लेकिन भूस्खलन के कारण ऋषिकेश-उत्तरकाशी राजमार्ग अवरुद्ध होने के कारण उसे पहुंचने में देरी हुई। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फोन पर उनसे बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली।

मंगलवार दोपहर बाद बादल फटने से खीरगंगा नदी में आयी भीषण बाढ़ में करीब आधा गांव तबाह हो गया था। उत्तराखंड सरकार द्वारा जारी एक प्रेस रिलीज के अनुसार, विनाशकारी बाढ़ में चार लोगों की मृत्यु हो गयी जबकि विभिन्न एजेंसियों द्वारा चलाए जा रहे बचाव अभियान में 150 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

राहुल को मिली जमानत

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने 2018 में एक रैली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस मामले में बीजेपी के एक नेता ने झारखंड में मानहानि केस दर्ज किया गया था।

आज राहुल गांधी इस मामले में चाईबासा एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए और कोर्ट ने शर्तों के साथ राहुल गांधी को जमानत दे दी। अमित शाह पर राहुल गांधी ने कांग्रेस के अधिवेशन के दौरान टिप्पणी की थी।

ट्रम्प धमका रहे, मोदी सामना नहीं कर पा रहे : राहुल

> अडाणी के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच से उनके हाथ बंधे हैं

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी, ट्रम्प की धमकियों के सामने खड़े नहीं हो पा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि अडाणी के खिलाफ अमेरिकी जांच चल रही है। ऐसे में मोदी के हाथ बंधे हुए हैं। मोदी का एए (अडाणी-अंबानी) के साथ क्या संबंध है, यह उजागर हो चुका है।

पिछले साल अमेरिका में अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगे थे। अमेरिकी अटॉर्नी ऑफिस आरोप पत्र के मुताबिक, अडाणी की कंपनी ने भारत में रिन्यूएबल एनर्जी के प्रोजेक्ट गलत तरीके से हासिल किए थे। इसके लिए सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी गई थी। इसकी जांच जारी है।

राहुल ने कहा-अगर पीएम मोदी में इंदिरा गांधी की तरह 50 प्रतिशत भी दम है तो कह दीजिए कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत का एक भी फाइटर जेट नहीं गिरा। प्रधानमंत्री अपनी छवि बचाने के लिए जिस तरह से सशस्त्र बलों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह देश के लिए खतरनाक है। ट्रम्प आज भारत पर और ज्यादा टैरिफ का ऐलान कर सकते हैं। उन्होंने कल (5 अगस्त) को कहा था कि वे 24 घंटे में भारत पर भारी टैरिफ लगाने जा रहे हैं। ट्रम्प ने 30 जुलाई को भारत पर 25% टैरिफ का ऐलान किया था।

बिहार में हटाए गए 65 लाख मतदाताओं के नाम

शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से शनिवार तक मांगी जानकारी

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनाव आयोग (ईसी) को निर्देश दिया है कि वह बिहार के ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटाए गए करीब 65 लाख मतदाताओं की पूरी जानकारी 9 अगस्त तक पेश करे। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह जानकारी उन राजनीतिक दलों के साथ-साथ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) नाम की एनजीओ को भी दी जाए, जिसने इस मुद्दे पर याचिका दाखिल की है। चुनाव आयोग ने बिहार में 24 जून को 'विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर)' शुरू किया था।

इसके तहत 1 अगस्त को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की गई, जिसमें 7.24 करोड़ मतदाता दिखाए गए। लेकिन इसमें से 65 लाख से अधिक वोटरों के नाम हटा दिए गए। चुनाव आयोग का कहना है कि ये लोग या तो मर चुके हैं, दूसरी जगह स्थायी रूप से चले गए हैं, या दो जगहों पर नाम था। जस्टिस सूर्यकांत, उज्जल भुयान और एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने चुनाव आयोग से कहा, 'हमें हर उस वोटर की जानकारी चाहिए जिसका नाम हटाया गया है।

फर्जी उपस्थिति के लिए 42 पंचायत सचिवों को कारण बताओ नोटिस

कोत्तागुडेम, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर जितेश वी पाटिल ने 42 ग्राम पंचायत सचिवों को शारीरिक रूप से उपस्थित होने के बजाय अपनी तस्वीरों का उपयोग करके कथित रूप से फर्जी उपस्थिति दर्ज करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया। बताया गया कि ये अनियमितताएं तब सामने आईं जब अधिकारियों ने फर्जी उपस्थिति रिकॉर्ड की राज्यव्यापी जांच के तहत चेहरे की पहचान वाले अटेंडेंस ऐप की जांच की। पता चला कि सचिवों ने ग्राम पंचायत कार्यालय में किसी व्यक्ति को ड्यूटी पर न होने के बावजूद फोटो के ज़रिए अपनी उपस्थिति दर्ज करवा ली थी। कलेक्टर ने सभी पंचायत सचिवों को निर्देश दिया कि वे निर्धारित समय के भीतर लाइव फेस रिकग्निशन ऐप के ज़रिए अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा न करने या फ़ज़ी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इस बीच, कथित तौर पर ग्राम पंचायत सचिवों ने अपना बचाव करते हुए कहा कि उन्हें उपस्थिति दर्ज करने के लिए अपनी तस्वीरों का उपयोग करना पड़ा क्योंकि हाल ही में तकनीकी और सर्वर समस्याओं के कारण ऐप में खराबी आ गई थी।

संगारेड्डी में लापता युवक संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिला

संगारेड्डी, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मनूर मंडल के उसिरिकेपल्ली गांव में एक नाले के पास कृषि क्षेत्र में एक लापता युवक संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया। मृतक की पहचान वटपल्ली मंडल के गौतमपुर निवासी बोइनी तेजा (32) के रूप में हुई है। वह रविवार को अपने घर से लापता हो गया था। उसका पता न चलने पर, उसके परिवार ने सोमवार को वटपल्ली थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। मंगलवार को उसिरिकेपल्ली में उनका शव मिला। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। तेजा के परिवार वालों ने सिकंदर नाम के एक व्यक्ति पर उनकी मौत में शामिल होने का आरोप लगाया है। जांच जारी है।

ट्रक बाइक के टक्कर में व्यक्ति की मौत

मंचेरियल, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंडमरी मंडल के मेदाराम गांव में एक तेज रफ्तार लॉरी ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे महबूबनगर निवासी 32 वर्षीय एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। दोर्नाकल निवासी कुनरापु वामशी नामक पीड़ित को दोपहिया वाहन की टक्कर लगने से गंभीर चोटें आईं और उसकी तुरंत मौत हो गई। वह अपने ससुराल थंडूर जा रहा था, तभी यह दुर्घटना हुई। घटना के बाद, उनकी पत्नी स्वाति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। ट्रक चालक के खिलाफ हिट एंड रन का मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच जारी है।

अपर कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार संभाला

आसिफाबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी ने मंगलवार को जिला शिक्षा अधिकारी का पूर्ण कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला अपर कलेक्टर ने कहा कि जिले में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ मेनू के अनुसार पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब से कक्षा 10 की वार्षिक परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।शिक्षा अधिकारियों ने उन्हें जिला शिक्षा अधिकारी का कार्यभार संभालने पर बधाई दी। कार्यक्रम में जिला शिक्षा कार्यालय के कर्मचारियों ने भाग लिया।

मुसलमानों के पास एक दिन का मौका है.. सरकार मुफ्त में 1 लाख रुपये दे रही है

विजयवाड़ा, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में हज यात्रा पर जाने के इच्छुक लोगों के लिए, ज़रूरी सूचना... राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री एनएमडी फारूक ने कहा है कि हज-2026 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। आवेदन बुधवार (इस महीने की 7 तारीख) तक जमा किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि सरकार विजयवाड़ा एम्बार्केशन सेंटर के ज़रिए जाने वालों को 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगी। जो लोग हज यात्रा पर जाना चाहते हैं, वे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। मंत्री ने हज यात्रा के लिए आवेदन करने वालों को सलाह दी है कि वे विजयवाड़ा एम्बार्केशन सेंटर को अपनी पहली प्राथमिकता बनाएँ।

फोन टैपिंग मामले में तेजी

8 अगस्त को एसआईटी के समक्ष पेश होंगे बंडी

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दो तेलुगु राज्यों में चर्चा का विषय बने फ़ोन टैपिंग मामले की एसआईटी जांच तेज़ी से जारी है। एसआईटी अधिकारी इस मामले में आरोपियों से पूछताछ कर रहे हैं। जांच के दौरान, एसआईटी अधिकारियों ने उन नेताओं को नोटिस जारी किए हैं जिन्होंने पहले शिकायत की थी कि उनके फोन टैप किए जा रहे हैं और उनके बयान दर्ज किए जा रहे हैं। दर्जनों नेताओं ने, चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल के हों, एसआईटी अधिकारियों को अपने बयान दिए हैं। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय, जिन्हें पहली बार 1% जुलाई को एसआईटी से नोटिस मिला था, को 24 जुलाई को सुनवाई में पेश होना था।

हालांकि, उन्होंने जांच अधिकारियों को सूचित किया कि वे निर्धारित आधिकारिक कार्यक्रमों के कारण सुनवाई में शामिल नहीं हो पाएंगे।

इसके साथ ही, एसआईटी ने एक बार फिर बंडी संजय को नोटिस जारी कर उन्हें इस महीने की 8 तारीख को सुनवाई में पेश होने को कहा है। इस संदर्भ में, एसआईटी नोटिस प्राप्त करने वाले बंडी संजय ने घोषणा की है कि वह सुनवाई में उपस्थित होंगे। उनके निजी कर्मचारी भी उसी दिन सुनवाई में शामिल होंगे।

इसी तरह, बंडी संजय ने फोन टैपिंग मुद्दे पर पुलिस प्रमुखों को एक पत्र लिखा है। वह केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से प्राप्त जानकारी के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी एसआईटी को सौंपने वाले हैं। दूसरी ओर, भाजपा नेतृत्व पति-पत्नी की बेडरूम की बातचीत की फोन टैपिंग को पहले से ही गंभीरता से ले रहा है। भाजपा लीगल सेल ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। खुफिया ब्यूरो के सूत्र फोन टैपिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर और केटीआर की भूमिका के सबूत जुटा रहे हैं।

पूर्व डीसीपी राधाकिशन ने एसआईटी के सामने स्वीकार किया कि फोन टैपिंग केवल केसीआर के आदेश पर की गई थी, और पूर्व खुफिया प्रमुख प्रभाकर राव ने बयान दिया कि फोन टैपिंग केवल डीजीपी के आदेश पर की गई थी, ऐसा लगता है कि भाजपा नेतृत्व फोन टैपिंग मुद्दे पर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा की तैयारी कर रहा है।

बिजली वितरण में व्यवधान जल्द दूर करें : सीएमडी

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना लिमिटेड की दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मुशर्रफ फारुकी, आईएएस ने कहा कि उनका संगठन शून्य व्यवधान के लक्ष्य की दिशा में काम कर रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, उन्होंने पहले ही अधीक्षण अभियंताओं को एलटी नेटवर्क में वितरण ट्रांसफार्मर स्तर तक निरीक्षण करने और किसी भी पहचानी गई खराबी को ठीक करने के लिए एक विशेष अभियान चलाने के निर्देश जारी किए हैं। इस विशेष अभियान के तहत, सीएमडी मुशर्रफ फारुकी, आईएएस ने निदेशक संचालन डॉ. नरसिम्हुलु के साथ सिकंदराबाद सर्कल के जिमखाना सेक्शन की विभिन्न बस्तियों और संकरी गलियों में लगभग पांच किलोमीटर पैदल यात्रा करके निरीक्षण किया। वहां उपभोक्ताओं से बातचीत करते हुए, उन्होंने एलटी नेटवर्क का निरीक्षण किया।

सीएमडी ने लटकते तारों, जोड़ों वाली केबलों और उचित इन्सुलेशन के बिना एचजी फ्यूज सेट जैसी समस्याओं की पहचान की और बिजली अधिकारियों को शाम तक इन सभी समस्याओं को ठीक करने और सबूत के तौर पर तस्वीरें भेजने का निर्देश दिया।

सीएमडी ने अनुभाग अधिकारियों (सहायक अभियंताओं) को सुबह 8 बजे से अपना काम शुरू करने और एलटी नेटवर्क में क्षेत्रवार पोल-टू-पोल निरीक्षण करने और पहचानी गई किसी भी खराबी को ठीक करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि बिजली इंजीनियरों और कर्मचारियों के निरंतर प्रयासों से 33 केवी और 11 केवी नेटवर्क में समस्याओं में काफी कमी आई है। हालांकि, तेज हवा या बारिश के कारण पेड़ों या शाखाओं के खंभों पर गिरने से बिजली आपूर्ति की समस्याएं उत्पन्न होती हैं,

और इनका जल्द से जल्द समाधान किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि जब तक यह विशेष अभियान पूरा नहीं हो जाता, वे व्यक्तिगत रूप से प्रतिदिन या हर दूसरे दिन औचक क्षेत्र निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण में सीएमडी मुशर्रफ फारुकी के साथ कंपनी के निदेशक डॉ. नरसिम्हुलु, मुख्य अभियंता (मेट्रो) प्रभाकर, सिकंदराबाद एसई गोपैया, डीई सुब्बा रेड्डी और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

फार्मा इकाई में गैस रिसाव से श्रमिक अस्पताल में भर्ती

पीसीबी ने उत्पादन रोकने का आदेश जारी किया

मेदक, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मनोहराबाद मंडल के कुचारम गांव के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित श्रीयांश लैब्स प्राइवेट लिमिटेड के कई कर्मचारी मशीनरी संचालन के दौरान संदिग्ध हानिकारक गैसों के रिसाव के बाद बीमार पड़ गए। खांसते और हांफते हुए कर्मचारी प्लांट से बाहर भागे। उनका आरोप था कि पाइप क्षतिग्रस्त होने के कारण पिछले कुछ दिनों से गैस लीक हो रही थी, लेकिन प्रबंधन ने सूचना देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की। गैस रिसाव की तीव्रता कथित तौर पर इतनी ज़्यादा थी कि आस-पास के पेड़ सूख गए। सभी प्रभावित मजदूरों को एम्बुलेंस से स्थानीय अस्पताल ले जाया गया।

उत्पादन रोकने का आदेश :

गैस रिसाव की घटना के बाद, तेलंगाना राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने श्रीयांश लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, यूनिट-2 को उत्पादन रोकने का आदेश जारी किया है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बोर्ड को आसपास के उद्योगों से क्लोरीन रिसाव के कारण वायु प्रदूषण की शिकायत मिली थी। निरीक्षण करने वाले अधिकारियों ने बताया कि सुबह लगभग 9.30 बजे एक सिलेंडर से क्लोरीन गैस का रिसाव हुआ और लगभग 30 मिनट में इस पर काबू पा लिया गया। निरीक्षण के दौरान, लीक हुए सिलेंडर के आसपास के क्षेत्र में क्लोरीन की तेज गंध देखी गई और उद्योग ने पानी और मिट्टी का उपयोग करके रिसाव को नियंत्रित किया। क्लोरीन के अंश रेत में मौजूद थे और आसपास के वातावरण में फैल गए थे। पीसीबी ने कहा कि उद्योग प्रतिनिधि ने उन्हें बताया कि क्लोरीन गैस रिसाव के समय बिजली गुल थी और डीजी सेट सिलेंडर भंडारण क्षेत्र के पास ही स्थित था। इसलिए, वे नियंत्रण उपाय करने के लिए डीजी सेट को तुरंत चालू नहीं कर सके। पीसीबी ने कहा कि इससे पता चलता है कि डीजी सेट का स्थान सुरक्षा की दृष्टि से उपयुक्त नहीं था। उद्योग ने क्लोरीन गैस रिसाव को नियंत्रित करने के लिए एहतियाती और पर्याप्त उपाय नहीं किए, जिससे आसपास के उद्योगों के कर्मचारियों में असुविधा और दहशत फैल गई।

सुहागरात से पहले दूल्हा गया मिठाई खरीदने

दुल्हन थी कमरे में अकेली, ससुरालियों ने दी आवाज, दरवाजा तो वह पंखे से लटकी मिली

सोमंडेपल्ली, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साईं जिले के से हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां एक दुल्हन ने शादी की पहली रात को कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी. दुल्हन के सुसाइड के बाद पूरा परिवार गहरे सदमे में है. दुल्हन का नाम हर्षिता था, उसकी उम्र 22 साल बताई जा रही है. मामला सोमंडेपल्ली मणिकांठा कॉलोनी का है. हर्षिता अपने माता-पिता की इकलौती बेटी थी. 4 अगस्त को उसकी शादी कर्नाटक के बागेपल्ली के नागेंद्र से हुई थी. इसके लिए भव्य आयोजन भी हुआ था. इन दोनों की शादी को लेकर परिवार के सभी सदस्य खुश थे, लेकिन शादी की पहली जो हुआ उसने हर किसी को हैरान कर दिया.

क्या है पूरा मामला?

सुबह-सवेरे धूमधाम से शादी हुई. फिर शादी की सारी रस्में पूरी की गईं. दुल्हन का धूमधाम से सोमंडेपल्ली स्थित ससुराल में स्वागत हुआ. यहां भी दूल्हा पक्ष ने सारे रस्म रिवाजों को पूरा किया. उसके बाद बारी आई सुहागरात की. सुहागरात से पहले दूल्हा नागेंद्र मिठाई खरीदने के लिए बाहर गया था. इस बीच दुल्हन अकेली थी. शादी का घर होने के नाते लोग अपने-अपने काम व्यस्त थे. इसकी वजह से किसी ने दुल्हन पर ध्यान नहीं दिया कि वह क्या कर रही है. जब दुल्हन काफी देर तक बाहर नहीं आई तो, परिवार के सदस्यों को कुछ अटपटा सा लगा. वो दुल्हन को बुलाने के लिए उसके कमरे में गए. काफी बुलाने पर भी दुल्हन ने दरवाजा नहीं खोला. इसके बाद दरवाजा तोड़ा गया.

अंदर का नजारा देख सभी की चीख निकल गई. दरअसल, दुल्हन पंखे से लटकी हुई थी. यह देख परिवार के सदस्यों के पैरों तले जमीन खिसक गई. नवविवाहिता हर्षिता, जिसे तब तक उनकी आंखों के सामने देखा गया था, अचानक फंदे से लटकी हुई देखी गई. परिवार के लोगों ने दुल्हन को पंखे से उतारा. आनन-फानन में उसे सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे. मगर तब तक काफी देर हो चुकी थी. जांच के बाद डॉक्टर ने दुल्हन को मृत घोषित कर दिया.

दुल्हन की मौत से परिवार सदमे में

स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर दुल्हन ने शादी वाले घर में इतने लोगों के मौजूद रहते ऐसा कदम उठाया है तो इसके पीछे जरूर कोई न कोई ठोस वजह होगी. फिलहाल, पुलिस नवविवाहिता हर्षिता की आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है. हर्षिता के इस कदम से परिवार सदमे में है, उनका रो-रो कर बुरा हाल है.

लंबित समस्याओं का समाधान किया जाए

आसिफाबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षकों एवं शिक्षा क्षेत्र की समस्याओं के समाधान हेतु शिक्षक संघ संघर्ष समिति (यूएसपीसी) के तत्वावधान में कुमुराम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्ट्रेट के समक्ष धरना आयोजित किया गया। इस अवसर पर यूएसपीसी के राज्य नेता मेदी चरणदास, वैद्य शांतिकुमारी और सैमुअल गारू ने कहा कि पीआरसी घोषित कर लागू किया जाए, लंबित डीए का तुरंत भुगतान किया जाए, सीपीएस को समाप्त कर ओपीएस लागू किया जाए, 317 जीओ के कारण खोए सभी शिक्षकों को अपने जिलों में भेजा जाए, सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों को लंबित बकाया का तुरंत भुगतान किया जाए, शिक्षकों का समायोजन जीओ 25 संशोधित किया जाए, समग्र शिक्षा कर्मचारियों को 29 दिनों की हड़ताल अवधि का वेतन तुरंत भुगतान किया जाए, समयमान वेतन दिया जाए, विभिन्न गुरुकुलों में कार्यरत अतिथि और अंशकालिक आउटसोर्सिंग शिक्षकों को न्यूनतम वेतन दिया जाए, डीईओ के पद स्वीकृत किए जाएं, डिप्टी ईओ और नए मंडलों के लिए एमईओ, शिक्षकों के लिए एकीकृत सेवा नियम बनाए जाएं और रिक्त पदों को तुरंत भरा जाए, शिक्षकों, पेंशनरों और विभिन्न प्रकार के बिल जारी किए जाएं।

तिरुमाला श्रीवारी दर्शन टिकट.. विशाखापत्तनम निवासियों की एक नई मांग

विशाखापत्तनम, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीवारी के दर्शन के लिए प्रतिदिन हजारों भक्त तिरुमाला आते हैं। ज्ञात हो कि टीटीडी भक्तों को श्रीवाणी के नाम से दर्शन टिकट जारी कर रहा है। हालांकि, विशाखापत्तनम के भक्तों को एक समस्या है। उन्हें तटीय शहर से आने वाली उड़ान के समय को लेकर परेशानी हो रही है। श्रीवाणी के टिकट तिरुपति हवाई अड्डे पर उपलब्ध हैं। इन्हें एक विशेष टीटीडी काउंटर के माध्यम से बेचा जा रहा है। हर दिन केवल 200 टिकट ही दिए जाते हैं। काउंटर सुबह 8 बजे खुलता है। ये टिकट केवल हवाई जहाज से आने वाले यात्रियों को ही दिए जाते हैं। दर्शन टिकट के लिए, किसी को अपना बोर्डिंग पास और पहचान पत्र दिखाना होगा। श्रीवाणी ट्रस्ट को 10,000 रुपये के दान के साथ, 500 रुपये का टिकट मूल्य देना होगा। तिरुमाला में एक कमरा भी आवंटित किया गया है। ऐसा कहा जाता है कि तिरुमाला श्रीवारी श्रीवाणी दर्शन के टिकट सुबह 9 बजे तक बिक जा रहे हैं

हैदराबाद से रोज़ाना सुबह 8.30 बजे से पहले पाँच उड़ानें आ रही हैं। इनमें से एक दिल्ली से और एक मुंबई से सुबह 10 बजे से पहले पहुँचती है। इसके साथ ही टीटीडी द्वारा जारी 200 श्रीवाणी टिकटों का कोटा पूरा हो रहा है। हालाँकि, श्रद्धालुओं का कहना है कि विशाखापत्तनम से उड़ान के शेड्यूल के कारण उन्हें टिकट नहीं मिल पा रहे हैं। विशाखापत्तनम से दोपहर में रवाना होने वाली उड़ान तीन बजे तिरुपति पहुँचती है। लेकिन श्रीवाणी टिकट काउंटर पहले ही बंद किया जा रहा है। विशाखापत्तनम से आने वाले भक्तों को टिकट नहीं मिल रहे हैं। एपी एयर पैसेंजर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि मांग कर रहे हैं कि इन उड़ानों के समय में बदलाव किया जाए। अन्यथा, विशाखापत्तनम के यात्रियों को श्रीवाणी के टिकट आवंटित किए जाने चाहिए। उनका कहना है कि विशाखापत्तनम हवाई अड्डे पर दर्शन टिकट आवंटित करने की योजना बनाई जानी चाहिए। एपी एयर पैसेंजर्स एसोसिएशन के भक्त और प्रतिनिधि श्रीवाणी टिकटों की आवंटन प्रणाली पर कुछ सुझाव दे रहे हैं। वे मांग कर रहे हैं कि पहले आओ, पहले पाओ प्रणाली के बजाय उड़ान के लिए टिकट आवंटित किए जाएँ। उनका कहना है कि देश के हर हवाई अड्डे पर श्रीवाणी के टिकट आवंटित किए जाने चाहिए और स्थानीय स्तर पर वितरित किए जाने चाहिए।

पीड़ितों को मुआवज़ा दिलाने के लिए कदम उठाए जाएंगे : कलेक्टर

आसिफाबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा है कि अत्याचार पीड़ितों को तत्काल मुआवज़ा दिलाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। मंगलवार को जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल सुभाष, कागजनगर उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चित्तरंजन, आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव ने जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के सभाकक्ष में अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा आयोजित अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार मामलों की बैठक में भाग लिया। जिला स्तरीय सतर्कता निगरानी समिति के सदस्यों एवं अधिकारियों के साथ समीक्षा की।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि अत्याचार पीड़ितों को तत्काल कानूनी सहायता प्रदान करने और पीड़ितों को आश्वस्त करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं, साथ ही पीड़ितों को मुआवज़ा दिलाने के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर महीने की 30 तारीख को प्रत्येक मंडल के एक गांव में नागरिक अधिकार दिवस आयोजित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे और अत्याचार कानूनों के बारे में जागरूकता पैदा की जाएगी। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान के तहत गांवों और कॉलेजों में महिलाओं की तस्करी, जिले में नशीली दवाओं पर नियंत्रण और गांजा जैसे प्रतिबंधित पदार्थों पर नियंत्रण के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले में अब तक 21 मामले दर्ज किए गए हैं और 2025 तक पीड़ितों को मुआवजा देने और मामले में शामिल लोगों को दंडित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। इस कार्यक्रम में अनुसूचित जाति विकास अधिकारी सजीवन, कागजनगर डीएसपी रामानुजम, समिति सदस्य रेगुंटा केशव राव, सिदाम आरजू, कोबरागड़े गंगूबाई, इगुरापु गणेश, महालकर अशोक, पी. वेंकट, डीसीआरबी इंस्पेक्टर, संबंधित अधिकारी और अन्य लोग शामिल हुए।

रोचक प्रवचनों से गूंज उठा आर्यसमाज

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह एवं यजुर्वेद पारायण महायज्ञ एवं आर्य समाज, महर्षि दयानंद मार्ग, सुल्तान बाजार का 133 वां वार्षिक उत्सव 8 अगस्त तक मनाया जा रहा है। यज्ञ ब्रह्मा सुश्री माता निर्मला योग भारती एवं ऋत्विज डॉ मैत्रेयी शास्त्री के मार्गदर्शन में चल रहा है। हरिद्वार से आए आचार्य शैलेश मुनि सत्यार्थी ने देश भक्ति, आत्मा, परमात्मा, राम, कृष्ण पर प्रवचन कर लोगों का मन मोह लिया।

पंडित सुमित्र अंगिरस (सहारनपुर) के भजनों को सुन धर्म प्रेमी सज्जनों में भक्ति रस का संचार हो रहा है। आचार्य शैलेश मुनि सत्यार्थी ने अपने प्रवचनों के माध्यम से बताया परमात्मा इस संसार में पांच कार्य करता है, पहला संसार को बनाता है। दूसरा संसार का पालन करता है। तीसरा संसार का संहार करता है। चौथा सबके कार्यों का फल देता है। पांचवा सृष्टि के आदि में वेद का ज्ञान देता है परमात्मा। आर्य भजनोपदेशक सुमित्र अंगिरस ने संदेश दिया, जैसे खाए अन्न वैसा बनता है मन। अपने मन को ठीक रखने के लिए सात्विक शुद्ध अन्न का ही उपयोग करना चाहिए। यजुर्वेद पारायण यज्ञ की पूर्णाहुति 8 अगस्त को होगी।

मांग को देखते हुए यूरिया की आपूर्ति ज्यादा की जाएगी : कृषि मंत्री

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने केंद्र से राज्य को पर्याप्त यूरिया की आपूर्ति करने की अपील की है। मंत्री ने कहा कि इस महीने धान, कपास और मक्का जैसी फसलों के लिए यूरिया का इस्तेमाल अतिरिक्त आपूर्ति के तौर पर किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी परिस्थितियों में यूरिया की आपूर्ति में किसी भी तरह की देरी से फसलों की पैदावार पर गंभीर असर पड़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य में केवल 1.09 लाख मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। हालांकि, अगस्त महीने में फसलों द्वारा यूरिया की अधिकतम खपत को ध्यान में रखते हुए, यह अनुमान लगाया गया है कि कम से कम 3 लाख मीट्रिक टन यूरिया की आवश्यकता है। 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक राज्य को 6.60 लाख मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति की जानी थी, लेकिन अब तक केवल 4.51 लाख मीट्रिक टन की आपूर्ति की गई है।

वहीं, अप्रैल की शुरूआत से स्टॉक का उपयोग करके किसानों को 5.%0 लाख मीट्रिक टन यूरिया बेचा गया है। केंद्र सरकार ने अगस्त महीने के लिए राज्य को 1.%0 लाख मीट्रिक टन यूरिया आवंटित किया है, जिसमें से 1.31 लाख मीट्रिक टन घरेलू स्तर पर और 0.39 लाख मीट्रिक टन आयात के माध्यम से आपूर्ति की जाएगी। मंत्री ने कहा कि आयात किए जाने वाले यूरिया के बारे में शिपमेंट का विवरण अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि अगस्त में घरेलू कंपनियों पीपीएल से 11,000 मीट्रिक टन और एमसीएफएल से %,000 मीट्रिक टन की आपूर्ति की जानी थी कि वे आपूर्ति नहीं कर पाएंगे। पत्र में केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा से इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध करते हुए कहा गया है कि अप्रैल से जुलाई तक राज्य को 2.10 लाख मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति की कमी है।

इसी प्रकार, पीपीएल और एमसीएफएल द्वारा अगस्त में आपूर्ति न कर पाने के कारण हुई 18,000 मीट्रिक टन की कमी की पूर्ति आरएफसीएल द्वारा की जानी चाहिए और अगस्त माह में आवंटित 39,600 मीट्रिक टन यूरिया को इस महीने की 20 तारीख से पहले राज्य में पहुंच रहे जहाजों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाना चाहिए, साथ ही अप्रैल से जुलाई के बीच उत्पन्न हुई 2.10 लाख मीट्रिक टन यूरिया की कमी की भी पूर्ति की जानी चाहिए। मंत्री ने स्पष्ट किया कि केंद्र को राज्य में वर्तमान में उगाई जा रही फसलों के लिए अनिश्चित काल तक यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 7 अगस्त, 2025 3

सुविचार: लक्ष्य ऐसा होना चाहिए कि रास्ते में, कितने भी काटें क्यों न हो आपका ध्यान नहीं भटकना चाहिए।

पिछड़ा वर्ग विधेयक पारित नहीं हुआ तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हटा देंगे : रेवंत रेड्डी

तेलंगाना कांग्रेस ने 42 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण के लिए दिल्ली में धरना दिया

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस ने बुधवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक विशाल धरना दिया और राज्य में पिछड़ा वर्ग (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग की। यह धरना मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के नेतृत्व में, राज्य कांग्रेस नेतृत्व के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

इसमें तेलंगाना के मंत्री, सांसद, विधायक, विधान पार्षद, निगम अध्यक्ष, जिला कांग्रेस अध्यक्ष और विभिन्न जिलों के प्रमुख पिछड़ा वर्ग नेता शामिल हुए। इसके अलावा, अन्य राजनीतिक समूहों, विशेष रूप से इंडिया ब्लॉक गठबंधन के नेताओं ने भी इस पहल के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करने के लिए धरने में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण की वकालत करने की अपनी प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया और कहा कि वह इस लड़ाई को सड़कों से लेकर दिल्ली तक ले जाएँगे। उन्होंने बताया कि पिछड़ा वर्ग आरक्षण संबंधी विधेयक विधानसभा में स्वीकृत हो चुका है और राष्ट्रपति के पास अनुमोदन के लिए भेज दिया गया है। मुख्यमंत्री ने विधेयक को मंजूरी देने में राष्ट्रपति की देरी पर निराशा व्यक्त की।

रेवंत रेड्डी ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक पर चर्चा के लिए राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगे जाने पर अपनी निराशा व्यक्त की, लेकिन उन्हें समय नहीं मिला। उन्होंने पिछड़ा वर्ग आरक्षण स्थापित करने में केंद्र सरकार की तत्परता की कमी की आलोचना की और तेलंगाना की तरह पूरे देश में जाति जनगणना कराने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने यह भी चिंता व्यक्त की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रपति को उन्हें मिलने का समय न देने की सलाह दी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पिछड़ा वर्ग आरक्षण लागू होने तक उनके प्रयास जारी रहेंगे। रेवंत रेड्डी ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर पिछड़ा वर्ग विधेयक पारित नहीं हुआ तो वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हटा देंगे। उन्होंने केंद्र सरकार पर पिछड़ा वर्ग आरक्षण की स्थापना की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। वे इस बात से नाराज़ थे कि विधेयक को केंद्र को सौंपे हुए चार महीने बीत चुके हैं और कोई प्रगति नहीं हुई है। रेवंत रेड्डी ने मुसलमानों को लाभ पहुंचाने के बहाने पिछड़े वर्ग के आरक्षण में बाधा डालने के लिए भाजपा की भी निंदा की।

मैंने राजनीति से किनारा कर लिया है: चिरंजीवी

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और लोकप्रिय अभिनेता चिरंजीवी ने स्पष्ट कर दिया है कि उन्होंने राजनीति पूरी तरह छोड़ दी है। उन्होंने कहा कि भले ही वे राजनीति से दूर हैं, फिर भी कुछ नेता सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना और मज़ाक उड़ाते रहते हैं। उन्होंने सनसनीखेज टिप्पणी की कि वे राजनीतिक आलोचनाओं का ज़्यादा जवाब नहीं देते। चिरंजीवी हैदराबाद में फीनिक्स फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित रक्तदान अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि हाल ही में एक नेता ने उनके बारे में कुछ अनुचित कहा। चिरंजीवी ने कहा कि जो लोग उनके बारे में बुरा लिखते और बोलते हैं, उन्हें सबसे अच्छा जवाब यही है कि वे अच्छा काम करें। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि अच्छा काम करने का मतलब अपने भाइयों के साथ सहयोग करना है, जो अच्छा काम करते हैं। उन्होंने कहा कि एक पत्रकार द्वारा लिखे गए लेख को पढ़ने के बाद उन्हें ब्लड बैंक स्थापित करने का विचार आया और वे हमेशा उनके ऋणी रहेंगे। चिरंजीवी का राजनीति से दूर रहने का बयान तेलंगाना की राजनीति में एक गर्म विषय बन गया है। हाल ही में, चिरंजीवी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और कहा कि इस बात की खूब चर्चा थी कि दोनों की मुलाकात उस अभियान के तहत हुई थी जिसके तहत रेवंत रेड्डी आगामी जुबली हिल्स उपचुनाव में चिरंजीवी को मैदान में उतारने की कोशिश कर रहे थे। इससे पहले, चिरंजीवी ने अपनी प्रजा राज्यम पार्टी का कांग्रेस पार्टी में विलय कर दिया था और यूपीए सरकार में केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य किया था।

भट्टी ने जंतर-मंतर पर पिछड़ा वर्ग आरक्षण के बारे में बताया

नई दिल्ली, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने आज उम्मीद जताई कि पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक को कल समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा किया गया सर्वेक्षण पूरे देश के लिए एक आदर्श बन गया है जो राष्ट्र की दिशा और दृष्टि का मार्गदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार आरक्षण विधेयक का पूरा समर्थन करती है और कांग्रेस सांसदों ने अन्य राज्यों के सांसदों के साथ मिलकर अपनी एकजुटता व्यक्त करने के लिए विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने अपनी ओर से सभी आवश्यक वैधानिक औपचारिकताएँ पूरी कर ली हैं और तेलंगाना के सांसदों ने संसद में बहस के लिए स्थगन प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा, "राज्य ने अपना काम कर दिया है, अब केंद्र को इसे मंज़ूरी देनी है।" उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह पिछड़ा वर्ग का दशकों पुराना सपना है और उन्हें उम्मीद है कि विधानसभा में इस विधेयक का समर्थन करने वाली भाजपा संसद में भी इसका समर्थन करेगी। विधेयक से पहले लाए गए अध्यादेश पर सवाल उठाने वाले कुछ नेताओं की आलोचनाओं का जवाब देते हुए, भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि बीआरएस शासन के दौरान स्थानीय निकायों में लगाई गई 50% आरक्षण सीमा को हटाने के लिए यह अध्यादेश ज़रूरी था। अगर केंद्र इस पर ध्यान दिए बिना विधेयक पारित कर देता है, तो पुरानी सीमा लागू रहेगी। इसलिए, तेलंगाना सरकार ने सक्रियता दिखाते हुए अध्यादेश लाया। उन्होंने जंतर-मंतर पर धरने को एक ऐतिहासिक आंदोलन बताया जो भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित होने का हकदार है। यह कोई प्रतीकात्मक विरोध नहीं है, बल्कि स्थानीय निकायों में 42% आरक्षण सुनिश्चित करने और शिक्षा एवं रोज़गार के क्षेत्रों में कोटा सुनिश्चित करने के लिए एक निर्णायक कार्रवाई है। इसका उद्देश्य राष्ट्रपति पर राज्य द्वारा भेजे गए विधेयक को मंज़ूरी दिलाने के लिए दबाव बनाना भी है। उन्होंने सर्वेक्षण का नेतृत्व करने की ज़िम्मेदारी सौंपने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और पूरे मंत्रिमंडल का आभार व्यक्त किया। सर्वेक्षण पूरा होने के बाद, सर्वेक्षण के निष्कर्ष मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के नेतृत्व वाली कैबिनेट उप-समिति को सौंपे गए, जिन्होंने उन्हें कैबिनेट को भेज दिया।

तेलंगाना-फिलीपींस चावल और धान के व्यापार विस्तार की योजना बना रहे हैं : उत्तम

मंत्री ने फिलीपींस के कृषि मंत्री से मुलाकात की

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और फिलीपींस ने अपने-अपने क्षेत्रों के बीच कृषि व्यापार को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है। नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने बुधवार को नई दिल्ली में फिलीपींस के कृषि मंत्री फ्रांसिस्को पी तियु लॉरेल जूनियर से मुलाकात की और दोनों क्षेत्रों के बीच चावल और धान के व्यापार के विस्तार पर चर्चा की। अपनी बैठक में, फिलीपींस के मंत्री ने तेलंगाना के चावल की उत्कृष्ट गुणवत्ता की सराहना की और आगामी वर्ष के लिए देश की लगभग 20 लाख मीट्रिक टन (एमएमटी) की अनुमानित आवश्यकता को पूरा करने के लिए चावल और धान के आयात को बढ़ाने में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने तेलंगाना से चावल और धान के निर्यात को बढ़ाने में भी रुचि व्यक्त की, विशेष रूप से तेलंगाना की सोना (आरएनआर 15048) चावल किस्म के आयात की इच्छा पर प्रकाश डाला और मक्का के आयात की संभावनाओं पर भी विचार किया। बैठक के दौरान, उत्तम कुमार रेड्डी ने तेलंगाना और फिलीपींस के बीच व्यापार संबंधों को मजबूत करने और बढ़ाने के लिए पूर्ण समर्थन और प्रतिबद्धता का वादा किया। उत्तम कुमार रेड्डी ने फिलीपींस के मंत्री को इस वर्ष के अंत में तेलंगाना आने का निमंत्रण दिया, जिसे स्वीकार कर लिया गया। बैठक में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि फिलीपींस के मंत्री ने तेलंगाना के चावल के अलावा धान के निर्यात के प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। फिलीपींस के कृषि मंत्री फ्रांसिस्को पी. तियु लॉरेल जूनियर ने भी तेलंगाना से धान आयात करने में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने यह भी बताया कि वे जल्द ही नागरिक आपूर्ति मंत्री को फिलीपींस आने का निमंत्रण देंगे। बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने व्यापार संबंधों और सहयोग को और गहरा करने की तीव्र इच्छा व्यक्त की।

मंत्री तुम्माला ने संसद में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और निर्मला सीतारमण से मुलाकात की

नई दिल्ली , 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्य मंत्री तुम्माला, जो आज दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछड़ी जातियों को 42 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग को लेकर आयोजित धरने में शामिल हुए थे, ने संसद में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और राज्य को आवंटन के अनुसार यूरिया की तत्काल आपूर्ति की मांग की। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का अनुरोध किया कि अप्रैल से अब तक यूरिया की आपूर्ति में हुई कमी की पूर्ति अगस्त महीने के आवंटन के साथ ही की जाए। उन्होंने केंद्रीय मंत्री नड्डा के ध्यान में लाया कि वर्तमान में राज्य में केवल 1.09 लाख मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है और कहा कि आपूर्ति में देरी होने पर किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने अगस्त महीने के लिए राज्य को 1.70 लाख मीट्रिक टन यूरिया आवंटित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि अप्रैल से जुलाई तक राज्य में 2.10 लाख मीट्रिक टन यूरिया की कमी रही है और अगस्त माह के आवंटन के साथ ही यूरिया की आपूर्ति भी तुरंत की जानी चाहिए।

इसी प्रकार, उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और उनसे कच्चे पाम तेल पर आयात शुल्क को मार्च 2018 की तरह 44 प्रतिशत करने का अनुरोध किया। मंत्री महोदय के ध्यान में लाया गया कि कच्चे पाम तेल पर आयात शुल्क को 2%.5 प्रतिशत से घटाकर 16.5 प्रतिशत करने से न केवल पाम तेल की गुठली की कीमत कम होगी, बल्कि पाम तेल की खेती को बढ़ावा देने में भी बाधा उत्पन्न होगी। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य सरकार ने पहले भी आयात शुल्क को 27.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 44 प्रतिशत करने का अनुरोध किया था। राज्य मंत्री ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि वह वर्तमान में शुरू हो रहे खेती के मौसम के संदर्भ में इस निर्णय की एक बार फिर समीक्षा करे, राज्यों और किसानों को उचित प्रोत्साहन प्रदान करे और इस फसल की खेती को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित एनएमईओ-ओपी योजना के तहत तेलंगाना राज्य देश में तेल उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को बताया कि आयात शुल्क कम करने के केंद्र सरकार के फैसले से राज्य सरकार द्वारा पाम ऑयल की खेती के विस्तार के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों में बाधा आ सकती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए, मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से कच्चे पाम तेल पर कम किए गए आयात शुल्क को पुनः 44 प्रतिशत करने का आग्रह किया। मंत्री के साथ सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी भी थे

कालेश्वरम परियोजना पर घोष आयोग की रिपोर्ट राजनीति से प्रेरित : बीआरएस

आयोग की रिपोर्ट पर सिंचाई मंत्री के दावों पर उठाया सवाल

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कालेश्वरम परियोजना पर घोष आयोग की रिपोर्ट को लेकर बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस सरकार पर पलटवार करते हुए उस पर राजनीतिक लाभ के लिए संस्थाओं का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। उन्होंने आयोग की रिपोर्ट पर सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी के दावों पर सवाल उठाते हुए उनके कानूनी ज्ञान पर सवाल उठाया है। पूर्व मंत्री एस निरंजन रेड्डी ने कहा कि जांच आयोग अधिनियम, 1952 के तहत नियुक्त जांच आयोग न्यायिक निकाय नहीं हैं और वे अदालतों की तरह फैसले नहीं दे सकते।

उन्होंने कहा, 'ये तथ्य-खोजी पैनल हैं जो सिर्फ़ सिफ़ारिशें करते हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस राजनीतिक फ़ायदे के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़ रही है। उन्होंने सरकार पर 665 पन्नों की रिपोर्ट के चुनिंदा हिस्सों को लीक करने और बीआरएस और उसके नेता के चंद्रशेखर राव को निशाना बनाने के लिए उसे घटाकर 60 पन्नों का करने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल उठाया कि आयोग, जिसने चंद्रशेखर राव, पूर्व मंत्रियों टी हरीश राव और एटाला राजेंद्र तथा कुछ अधिकारियों को दोषी पाया, ने परियोजना निर्माण में विभिन्न चरणों में शामिल अन्य लोगों को क्यों छोड़ दिया। विधान परिषद में विपक्ष के नेता एस मधुसूदन चारी ने कहा कि कांग्रेस में संस्थागत ईमानदारी की बात करने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि आपातकाल से लेकर चुनी हुई सरकारों को कमज़ोर करने तक, कांग्रेस ने संस्थाओं के साथ छेड़छाड़ की और अब घोष आयोग की रिपोर्ट का राजनीतिकरण कर रही है। बीआरएस नेता जी देवी प्रसाद ने रिपोर्ट से मनमाने ढंग से विषयवस्तु चुनने के लिए कांग्रेस की आलोचना की और उन्हें हरीश राव के हालिया विस्तृत खंडन का जवाब अपनी प्रस्तुति से देने की चुनौती दी। उन्होंने दलबदल विरोधी फैसलों पर रेवंत रेड्डी की पिछली टिप्पणियों का हवाला देते हुए, लोकतांत्रिक व्यवस्था में उनकी आस्था पर सवाल उठाया। उन्होंने कांग्रेस सरकार के दोहरे मापदंड की आलोचना की, जिसमें उन्होंने बीआरएस को निशाना बनाया, जबकि उसी रिपोर्ट में नामित अपने ही मंत्रियों और अधिकारियों को बचाया।

पिछड़ा वर्ग कांग्रेस पार्टी के कुकृत्यों को देख रहा है: भाजपा पायल शंकर

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद से भाजपा विधायक पायल शंकर ने आज कहा कि राज्य के पिछड़े वर्ग के लोग दिल्ली में 42 प्रतिशत पिछड़े वर्ग आरक्षण को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचार को देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का कामारेड्डी घोषणापत्र को लागू करने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, "हमने यह बात तब स्पष्ट कर दी थी जब विधानसभा में पिछड़ा वर्ग विधेयक पेश किया गया था। वे पिछड़ा वर्ग आरक्षण में मुसलमानों को शामिल करके पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक का समर्थन करने से बच रहे हैं। हमने तब कहा था कि विधेयक यहीं पेश किया जाएगा और भविष्य में दिल्ली में धरना दिया जाएगा। हमारी यही बात आज कांग्रेस द्वारा किए जा रहे नाटकों के रूप में सच हो रही है। कांग्रेस ने अभी तक इस सवाल का जवाब नहीं दिया है कि क्या वे 42 प्रतिशत पिछड़े वर्गों को आरक्षण देंगे, मानो विधानसभा में मुसलमान ही न हों। कांग्रेस ने अभी तक हमारे द्वारा उठाए गए मुद्दों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। दिल्ली में मौजूदा विरोध प्रदर्शन को 42 प्रतिशत पिछड़े वर्गों के लिए बताया जा रहा है। लेकिन वास्तव में, यह मुसलमानों को 10 प्रतिशत देने के इरादे से किया जा रहा है।" उन्होंने यह भी कहा कि 2014 में जब तेलंगाना बना था, तब पिछड़े वर्गों के लिए 34 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया था और कहा कि 42 प्रतिशत के नाम पर आरक्षण बढ़ा दिया गया है और मुसलमानों को 10 प्रतिशत आवंटित करके पिछड़े वर्गों के लिए केवल 32 प्रतिशत ही बचा है। "2014 में जो 34 प्रतिशत आरक्षण था, उसे अब घटाकर 32 प्रतिशत किया जा रहा है। आज राज्य के पिछड़े वर्ग के लोग समझ रहे हैं कि यह कैसा सौदा है। कामारेड्डी घोषणापत्र में कहा गया था कि पिछड़े वर्ग के लिए प्रतिवर्ष 20,000 करोड़ रुपये की उप-योजना निधि आवंटित की जाएगी। दो बजट पूरे होने के बाद भी एक पैसा भी जारी नहीं किया गया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कांग्रेस पार्टी को इसका जवाब देना चाहिए। संयुक्त आंध्र प्रदेश राज्य में पिछड़े वर्ग निगमों के माध्यम से हजारों लोगों को रोजगार के अवसर मिलते थे। तेलंगाना राज्य बनने के बाद, टीआरएस शासन में पिछड़े वर्ग के लोगों को एक दशक तक ठगा गया।"

महाप्रबंधक ने तुनी-राजमुंदरी-रायनपाडु खंड का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे संजय कुमार श्रीवास्तव ने बुधवार को विजयवाड़ा मंडल के तुनी-राजमुंदरी-रायनपाडु खंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मोहित सोनकिया और मुख्यालय एवं मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

संजय कुमार श्रीवास्तव ने विजयवाड़ा मंडल के तुनी-राजमुंदरी-गोदावरी-कोव्वुर-निदादावोलु-एलुरु-रायनपाडु खंड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खंड में रेलवे पटरियों के रखरखाव और पुलों एवं सिग्नलिंग प्रणालियों के सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा की। महाप्रबंधक ने राजमुंदरी और गोदावरी रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने 2027 में आयोजित होने वाले गोदावरी पुष्करालु की चल रही तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को इस आयोजन के पैमाने और महत्व को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक योजना और निर्बाध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की सलाह दी। इसके अलावा, संजय कुमार श्रीवास्तव ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तुनी, निदादावोलु, एलुरु और रायनपाडु रेलवे स्टेशनों पर चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने प्रत्येक स्टेशन पर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और निर्माण स्थलों पर लागू की जा रही सुरक्षा सावधानियों का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने कार्यों की प्रगति की सराहना की और मंडल अधिकारियों को कार्यों में और तेजी लाने की सलाह दी ताकि परियोजनाओं को निर्धारित तिथियों तक पूरा किया जा सके। महाप्रबंधक ने कोव्वुर रेलवे स्टेशन का भी विस्तृत निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने स्टेशन के यात्री सुविधाओं, सुविधाओं और परिचालित क्षेत्र की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक ने मीडिया कर्मियों से बातचीत की और उन्हें विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। कई प्रतिनिधियों ने भी महाप्रबंधक से मुलाकात की और क्षेत्र से संबंधित रेल विकास योजनाओं के बारे में अभ्यावेदन प्रस्तुत किए।

तेलंगाना में अनोखे ढंग से साइबर जागरूकता दिवस का हुआ आयोजन

एक ही दिन में 577 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित रचा इतिहास

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने तेलंगाना की सभी पुलिस इकाइयों के सहयोग से बुधवार को एक अभिनव और सहभागी तरीके से साइबर जागरूकता दिवस का आयोजन किया। इसके तहत, राज्य भर के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में 577 साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें हज़ारों छात्रों और शिक्षाविदों ने साइबर सुरक्षा पर सार्थक चर्चा की। साइबर सुरक्षा पर प्रमुख विषयों पर जागरूकता के लिए प्रत्येक पुलिस इकाई ने अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से महत्वपूर्ण विषयों पर इंटरैक्टिव जागरूकता सत्र आयोजित किए। इनमें व्यावसायिक और निवेश धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, ऋण धोखाधड़ी, विज्ञापन धोखाधड़ी ऑनलाइन सुरक्षा तकनीकें शामिल थी।

छात्रों द्वारा रचनात्मक गतिविधियों में छात्रों को साइबर सुरक्षा ज्ञान सिखाने को और अधिक रोचक बनाने के लिए साइबर सुरक्षा प्रश्नोत्तरी, साइबर अपराध विषयों पर लघु नाटक, 2 मिनट की जागरूकता रील पोस्टर और नारा लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इन गतिविधियों ने छात्रों को साइबर अपराध को समझने और रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से जागरूकता फैलाने के लिए प्रोत्साहित किया। सीसीपीएस और स्थानीय पुलिस थानों के अधिकारियों ने अतिथि वक्ता और निर्णायक के रूप में भाग लिया और टीजीसीएसबी द्वारा तैयार सामग्री पर आधारित जागरूकता सत्र दिए। भाग लेने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र देने के बाद, प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान ने एक "साइबर मुक्त दीवार" स्थापित की।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, LAKKAVVA , M/O: HAV NAGAPPA MALYAGOL R/O: HOUSE NO. 147, GOKAK, SANGANAKERI, BELGAUM, KARNATAKA - 591224have changed my name from LAKKAVVA to LAKKAWWA KEMPANNA MALYAGOL vide Affidavit dt.06-08-2025.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.WAT-TRS-OT-09-2025-26

स्थान सहित कार्य का नाम : RDSO रूपान्तरण शीट नं.RDSO/2016/EL/MS/0454 Rev '0' दिनांक : 29.04.2016 के अनुसार लोको (Locos) में नीचे से ऊपर तक संचालित CBC कपलर के अन-कपलिंग प्रावधान का रूपान्तरण/परिवर्तन।

निविदा मूल्य (रुपये में) : 7,71,502.61, EMD (रुपये में) : 15,400/-, कार्य पुरा होने की अवधि : 06 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 25.08.2025 को 1500 बजे।

निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (TRS), वाल्टियर

PR-434/Q/25-26

भाकृ अनुप - केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान
ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद-500059, Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059
Ph : 040-24530161, 24530163, 24530167 Fax : 040-24531802, 24535336
www.icar-crida.res.in E-mail : hoa.crida@icar.gov.in

विज्ञापन सं. 13/2025/सीआरपी-एफएमपीएफ

साक्षात्कार के माध्यम से दि. 14-08-2025 के 10.00 बजे सीनियर रीसर्च फेलो (1 पद) के अस्थायी पद को भरा जायेगा।

आवश्यक शैक्षिक अर्हताए: बी.टेक.- एआयसीटीइ से अनुमोदित संस्थानों द्वारा (इलेक्ट्रानिक्स/इसीइ/इइइ) सहित एम. टेक. (इलेक्ट्रानिक्स/ इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्युनिकेशन/इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रानिक्स इंजिनियरिंग/मेकाट्रोनिक्स)। अधिक जानकारी हेतु http://www.icar-crida.res.in/ पर जाएं।

हस्ता./- सहायक प्रशासकीय अधिकारी

बिहार में 65 लाख लोगों के हटे नाम

एडीआर ने चुनाव आयोग से मांगी जानकारी, सुप्रीम कोर्ट में मामला

पटना, 6 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के वोटर लिस्ट रीविजन (एसआईआर) को लेकर पूरे देश में घमासान मचा हुआ है। संसद में विपक्ष विरोध प्रदर्शन कर रहा है और इसके खिलाफ आवाज उठा रही है। वहीं, दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट भी इस मामले से अछूता नहीं है। कोर्ट में एसआईआर से जुड़ी याचिका दायर की गई है। कोर्ट में इन याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने याचिका दायर कर निर्वाचन आयोग ने ड्राफ्ट लिस्ट में जो 65 लाख लोगों के नाम हटाए हैं उनकी जानकारी प्रकाशित करने के लिए आयोग को निर्देश देने की मांग सुप्रीम कोर्ट से की है। एडीआर की ओर से सुप्रीम कोर्ट में वकील प्रशांत भूषण ने मामला मेंशन किया।

65 लाख लोगों को मसौदा सूची से हटाए जाने के संबंध में दाखिल आवेदन का मेंशन किया। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि हम ने राजनीतिक दलों को हटाए गए लोगों

की सूची दी है। सुप्रीम कोर्ट ने आवेदन पर चुनाव आयोग से हलफनामा दाखिल करने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या-क्या कहा?

वकील भूषण ने कहा जिन लोगों के फॉर्म प्राप्त हुए हैं, उनमें से ज्यादातर ने इनमें से कोई भी फॉर्म नहीं दिया है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रभावित होने वाले प्रत्येक वोटर को आवश्यक जानकारी मिले। शनिवार तक जवाब दाखिल करें और भूषण को उस पर विचार करने दें, फिर हम देख पाएंगे कि क्या खुलासा हुआ है और क्या नहीं। वकील भूषण ने कहा कि ड्राफ्ट लिस्ट में 65 लाख नाम छूटे हुए बताए गए हैं। लेकिन उन 65 लाख नामों की कोई सूची नहीं दी गई है और कहा गया है कि 32 लाख लोग पलायन कर गए हैं और कोई अन्य विवरण नहीं दिया गया है। उन्हें यह बताना चाहिए कि 65 लाख लोग कौन हैं, कौन पलायन कर गया है और कौन मर चुका है। जाहिर है कि बीएलओ ने उस व्यक्ति को हटाने या न हटाने की सिफारिश की है। उन्होंने दो निर्वाचन क्षेत्रों के लिए यह प्रकाशित किया है, लेकिन अन्य क्षेत्रों का क्या? हम इन दो आवेदनों में इसका खुलासा चाहते हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि चुनाव आयोग के एसओपी के अनुसार हर एक राजनीतिक दल के हर एक प्रतिनिधि को सूचित किया जाएगा। मामले पर अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी।

वकील ने क्या कहा?

वकील भूषण ने कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार 75 प्रतिशत से ज्यादा लोगों ने 11 में से कोई भी दस्तावेज नहीं दिया। अब उनमें से कुछ कहते हैं कि बीएलओ ने शामिल करने की सिफारिश की थी, लेकिन उन्होंने शामिल करने की सिफारिश नहीं की। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि आयोग अपने जवाब में यह स्पष्ट करेगा। 12 अगस्त को आवेदन को मुख्य मामले के साथ सुनेंगे।

65 लाख लोगों के हटाए गए नाम

बिहार में एसआईआर प्रक्रिया के तहत, चुनाव आयोग ने आदेश दिया था कि सिर्फ उन्हीं वोटर्स को ड्राफ्ट रोल में शामिल किया जाएगा जो 25 जुलाई तक गणना फॉर्म जमा करेंगे। चुनाव आयोग ने कहा कि राज्य के 7.89 करोड़ पंजीकृत वोटर्स में से 7.24 करोड़ से फॉर्म हासिल हो चुके हैं, यानी बाकी 65 लाख को हटा दिया गया है। आयोग ने 25 जुलाई को बताया, 22 लाख वोटर्स की मृत्यु हो चुकी है, जबकि 35 लाख या तो स्थायी रूप से पलायन कर गए हैं या फिर उनका पता नहीं चल पाया है, 7 लाख वोटर्स एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत हैं।

महिला अधिकारी से यौन शोषण के आरोप में मथुरा के उपायुक्त सहित सात अधिकारी सस्पेंड

लखनऊ, 6 अगस्त (एजेंसियां)। यौन शोषण के आरोप में राज्य कर विभाग में मथुरा में तैनात डिप्टी कमिश्नर कमलेश कुमार पांडेय सहित सात अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। शेष छह सदस्य आंतरिक परिवाद समिति (विशाखा) के सदस्य हैं, जिन पर आरोपी डिप्टी कमिश्नर को बचाने के आरोप है। मंगलवार देर शाम सभी का निलंबन आदेश संयुक्त सचिव रघुबीर प्रसाद ने जारी कर दिया। राज्यकर विभाग में यौन उत्पीड़न के आरोप में ये बड़ी कार्रवाई है। कमलेश कुमार पांडेय राज्य कर विभाग मथुरा खंड एक में तैनात हैं। उनकी अधीनस्थ महिला अधिकारी ने यौन शोषण का आरोप लगाया था। ये भी आरोप लगाए कि कई अवसरों पर उन्होंने अनैतिक व्यवहार किया। शिकायत की जांच में प्रथम दृष्ट्या आरोप सही पाए गए। इस पर उन्हें उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली के अंतर्गत निलंबित करके संयुक्त आयुक्त बांदा कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया है।

मिर्जापुर में लाल निशान के पार हुई गंगा, 14 की मौत

मिर्जापुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ का कहर बढ़ता जा रहा है। सिंचाई विभाग के आंकड़ों के मुताबिक मिर्जापुर जिला बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित है। यहां उफनाई गंगा वर्ष 2021 के अपने उच्चतम जलस्तर से चुनार में सात और नरायणपुर में 18 सेमी ऊपर बह रही है। सिंचाई विभाग की ओर से संबंधित अधिकारियों को इसके लिए अलर्ट कर दिया गया है। उधर, बारिश से हुए हादसों में 14 की जान चली गई। चुनार क्षेत्र में गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। 2021 में यहां का जलस्तर खतरे के निशान यानी लाल निशान 75.28 मीटर से ऊपर पहुंच गया था। मंगलवार को इससे भी सात सेमी ज्यादा हो गया। इससे 36 गांव प्रभावित हैं। यहीं के नरायणपुर में स्थिति और भी खराब है।

बदमाशों को पकड़ने से कैसे मशहूर हो गई रेलवे पुलिस

गाजियाबाद, 6 अगस्त (एजेंसियां)। रामपुर का चाकू देश-दुनिया में मशहूर है, लेकिन गाजियाबाद जीआरपी चाकू के साथ बदमाशों को पकड़ने में मशहूर हो गई है। जीआरपी ने पिछले सात माह में चाकू के साथ 59 बदमाशों को गिरफ्तार किया। इसमें चौंकाने वाली बात ये है कि इनमें से 58 बदमाशों से बरामद 58 चाकुओं का साइज, आकार, लंबाई व चौड़ाई सब एक समान है। गाजियाबाद जीआरपी ने जनवरी से जुलाई तक 319 एफआईआर दर्ज की हैं। इनमें 205 एफआईआर यात्रियों ने चोरी सहित अन्य धारा में दर्ज कराई है। जबकि विभिन्न आरोपों में पकड़े गए 114 लोगों के खिलाफ जीआरपी की ओर एफआईआर दर्ज की गई हैं। जीआरपी की ओर से दर्ज 114 में से 59 एफआईआर चाकू के साथ गिरफ्तार बदमाशों के खिलाफ हैं। इस वर्ष जीआरपी ने रिकॉर्ड चाकू बरामद किए हैं। सूत्रों के मुताबिक जीआरपी के मालखाने में बरामद 200 से अधिक चाकू एकत्रित हो गए हैं।

पति के सामने पत्नी ने जान दी

कानपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। कानपुर में पति के सामने पत्नी ने फंदे से लटक कर जान दे दी। पत्नी मायके जाने की जिद कर रही थी। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हुआ। पत्नी गुस्से से कमरे में चली गई और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। पति बाहर से दरवाजा खटखटाता रहा। जब अंदर से कोई आवाज नहीं आई तो पति घबरा गया। उसने खिड़की से देखा तो पत्नी पंखे से फंदा लगा रही थी। वह चीखने लगा। दरवाजा तोड़ने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा नहीं तोड़ा पाया। वह करीब 20 मिनट तक खिड़की पर हाथ-पैर मारता रहा। पत्नी को सुसाइड न करने की दुहाई देता रहा। लेकिन गुस्से में उसने पति की बात नहीं मानी और फंदे से लटक गई। पति के सामने ही उसने दम तोड़ दिया। घटना के समय घर पर पति अकेला था। उसने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

दो बच्चों को गंगा में फेंकने वाले दुर्गा सोनकर ने कबूला जुर्म

वाराणसी, 6 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पिता ने अपने दो नाबालिक बच्चों को गंगा में फेंककर खुद भी गंगा में कूद गया। मामला चौबेपुर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि हत्या की नियत से ही दुर्गा दो दिन पहले अपने दोनों बच्चों के साथ रिंग रोड फेज 3 के गंगा पुल पर पहुंचा था। पहले उसने छोटे बेटे आशीष जिसकी उम्र 5 साल थी और फिर बड़े बेटे संदीप जिसकी उम्र 7 साल थी को गंगा में फेंककर खुद भी पुल से कूद गया। दुर्गा सोनकर को लोगों ने बचा लिया और उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। तबियत ठीक होते ही वह जिला अस्पताल से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी पिता को गिलट बाजार में फिर से उसकी गिरफ्तार कर लिया है।

बाढ़ प्रभावितों के बीच पहुंचे मंत्री रविन्द्र जायसवाल, राहत सामग्री वितरित

गाजीपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। जनपद में गंगा का जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी जारी है, जिसके वजह से गाजीपुर में कुल 143 राजस्व गांव बाढ़ से पूरी तरह से प्रभावित है। अब जिला प्रशासन भी ऐसे पीड़ित ग्रामीणों को राहत सामग्री उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है। गाजीपुर के प्रभारी मंत्री रविंद्र जायसवाल ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर राहत सामग्री का वितरण किया। उन्होंने राहत सामग्री बांटने के कार्यक्रम का शुभारंभ करंडा ब्लॉक के दीनापुर गांव से किया। उन्होंने जहां लोगों को एक सप्ताह का राशन सामग्री उपलब्ध कराया, वहीं बहुत सारे लोगों को पका हुआ भोजन भी उपलब्ध कराया। इस दौरान मंत्री नाव के माध्यम से बाढ़ प्रभावित इलाकों का भ्रमण भी किया।

साथ ही नुकसान के आकलन के लिए विभाग को निर्देश दिया, ताकि बाढ़ खत्म होने के बाद उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए। प्रभारी मंत्री ने बताया कि, गाजीपुर जनपद में आज राहत सामग्री का वितरण किया गया है, साथ ही बाढ़ प्रभावित इलाकों का नाव से उन्होंने दौरा भी किया है। मंत्री ने बताया कि गाजीपुर में कुल 143 राजस्व गांव बाढ़ से प्रभावित हैं, इस इलाके में करीब 40 सड़कें भी पूरी तरह से गंगा के जद में आ गई हैं जिसकी वजह से आवागमन भी प्रभावित हो गया है।

अचानक मुख्यमंत्री पर उमड़ा चिराग पासवान का प्यार

पटना, 6 अगस्त (एजेंसियां)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार में विपक्षी दलों पर राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर उनके पिछले बयानों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करके एनडीए में दरार डालने की कोशिश करने का आरोप लगाया। जुलाई में चिराग पासवान ने कहा था कि उन्हें बिहार में उस सरकार का समर्थन करने पर दुख हो रहा है, जो कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर इस तरह विफल हो रही है।

उनका यह बयान 24 जुलाई को बोधगया में बिहार सैन्य पुलिस की एक अभ्यर्थी के साथ सामूहिक बलात्कार और बिहार में हाल ही में हुए, हिंसक अपराधों के मद्देनजर आया था। चिराग पासवान ने स्पष्ट

किया कि उनकी टिप्पणी एक जनप्रतिनिधि और सत्तारूढ़ गठबंधन में एक सहयोगी के रूप में थी। मैं जनता के मुद्दों को जनता के सामने रखने की कोशिश करता हूँ। चिराग पासवान ने दावा किया कि इस बार चुनाव में भी एनडीए की सरकार बनेगी। हम 225 से अधिक सीटें जीतेंगे और सरकार बनाएंगे। हम साथ-साथ हैं। उन्होंने कहा कि मैं सरकार का हिस्सा हूं और मुझे अपने विचार रखने के लिए वह मंच मिला है। चिराग ने कहा कि मैं सरकार का समर्थन कर रहा हूं, इसलिए जब मुझे ऐसे उदाहरण मिलते हैं जो बिहारियों की समस्याओं को बढ़ाते हैं, जैसे कानून और व्यवस्था का मुद्दा, तो मैं इसे सरकार के सामने मजबूती से रखने की कोशिश करता हूं ताकि कार्रवाई की जा सके।

उन्होंने कहा, मुझे नीतीश कुमार और उनके शासन पर भरोसा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्ष मेरे शब्दों के बारे में लोगों को गुमराह करने की कोशिश करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष जानबूझकर जनता में भ्रम पैदा करने के लिए उनके बयानों की गलत व्याख्या कर रहा है। विपक्ष मेरे शब्दों को बढ़ा-चढ़ाकर हमारे बीच दरार दिखाने की पूरी कोशिश करता है।

'हमारी विदेश नीति ही विदेश चली गई'

ट्रंप की धमकी पर अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर कसा तंज

लखनऊ, 6 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है, जिस पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मोदी सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि सरकार को अपने हित में अमेरिका पर दबाव बनाना चाहिए। इस मुद्दे पर सरकार के साथ पूरा विपक्ष साथ खड़ा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अमेरिकी राष्ट्रपति के टैरिफ बढ़ाने की धमकी को लेकर केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि हमारी विदेश नीति ही विदेश चली गई है। सरकार को अपने हित में दबाव बनाना चाहिए। सरकार के साथ इस संबंध में हम सब साथ खड़े दिखाई देंगे। दरअसल अमेरिका अगर टैरिफ बढ़ाता है तो इससे भारतीय कंपनियों को खासा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

यूपी में बाढ़ को लेकर भी साधा निशाना

सपा अध्यक्ष ने इस दौरान यूपी में बाढ़ से बिगड़े हालात को लेकर भी योगी सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि यूपी में बाढ़ से हालात खराब है। लोगों की जान जा रही है लेकिन, सरकार को कोई चिंता नहीं है। यूपी में कोई किसी की नहीं सुन रहा है, पता नहीं कैसे सरकार चल रही है? बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पत्रकारों से बात करते हुए अमेरिका के फार्मास्यूटिकल आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। ट्रंप ने कहा कि पहले हम छोटा सा टैरिफ लगाएंगे, जिसके बाद एक से दो साल में ये 150% से 250% तक हो जाएगा।

उन्होंने कहा है कि हम चाहते हैं दवाओं का निर्माण हमारे देश में ही हो। ट्रंप ने अगले हफ्ते से सेमीकंडक्टर और चिप्स पर भी टैरिफ लगाने का संकेत दिया है। हालांकि अभी तक इसे लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। अमेरिका अगर टैरिफ बढ़ाता है तो इससे भारतीय फ़ार्मास्यूटिकल्स इंडस्ट्री को काफी नुकसान होगा। इसका असर बाजार पर भी दिखने लगा है। इन कंपनियों के शेयरों में आज गिरावट देखने को मिली है।

'4-4 बॉयफ्रेंड रखने वाली लड़कियां घर नहीं बसा सकतीं', साध्वी प्राची बोलीं

मुजफ्फरनगर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। प्रेमानंद जी महाराज और दीदी मां ऋतंभरा ने जो कहा, वह सही है। इसमें विरोध करने जैसी कोई बात नहीं है। अगर कोई लड़की चार-पांच बॉयफ्रेंड रखेगी, तो आगे चलकर उसका वैवाहिक जीवन सही नहीं चल पाएगा। हमारी संस्कृति में पति को परमेश्वर के समान माना गया है। मेरठ की घटना सबने देखी, जिसमें एक महिला ने अपने पति के टुकड़े करके ड्रम में छुपा दिया। गैर मर्दों के चक्कर में पत्नियों ने अपने ही पति को मौत के घाट उतारा। मुस्कान और रघुवंशी जैसे मामलों में भी यही दिखता है कि कई बॉयफ्रेंड रखने की सोच का बुरा नतीजा होता है। ये बातें साध्वी प्राची ने मुजफ्फरनगर में कहीं। मुजफ्फरनगर में शिवमूर्ति मंदिर में दर्शन के बाद साध्वी प्राची ने आजकल की लड़कियों के चरित्र, सोशल मीडिया और तथाकथित धर्मांतरण मामलों पर बात की। उन्होंने कहा,सावन में कांवड़ यात्रा के दौरान कुछ लड़कियों ने इंस्टाग्राम पर अश्लील वीडियो बनाकर अपलोड किए, ताकि वे पैसा कमा सकें। हाईवे पर बनाई गई इन रील्स पूरी दुनिया ने देखी। यह हमारी संस्कृति और आस्था दोनों का अपमान है। ऐसी हरकतें शर्मनाक हैं और यह खुलेआम अश्लीलता फैलाने जैसा है। सोशल मीडिया, खासकर इंस्टाग्राम पर इस तरह की अश्लील चीजें तेजी से बढ़ रही हैं। कुछ लड़कियां सिर्फ पैसे के लालच में ऐसा कंटेंट बना रही हैं, जो समाज पर बुरा असर डाल रहा है।

45 साल के फिरोज से अपनी 16 साल की लड़की की शादी करानी चाहती थी मां

मेरठ, 6 अगस्त (एजेंसियां)। मेरठ में अपनी बहन के साथ एसएसपी ऑफिस पहुंची 16 साल की एक नाबालिग किशोरी ने अपनी ही मां पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नाबालिग किशोरी का आरोप है कि उसकी मां जबरन उसकी शादी 45 साल के एक अधेड़ से कराना चाहती है। किशोरी का आरोप है कि विरोध करने पर मां ने उसे तीन दिन तक एक कमरे में बंधक बनाकर रखा। इसी दौरान आरोपी ने उसके साथ रेप किया। किशोरी ने बताया कि वह किसी तरह अपनी जान बचाकर अपनी बहन के घर पहुंची और पुलिस से शिकायत की।

यह पूरा मामला मेरठ के बहसूमा थाना क्षेत्र का है। यहां की रहने वाली 16 साल की नाबालिग किशोरी अपनी बहन के साथ मंगलवार को एसएसपी ऑफिस पहुंची। शिकायत पत्र देते हुए उस ने आरोप लगाया कि उसकी मां 45 साल के फिरोज नाम के व्यक्ति से उसकी शादी कराना चाहती है। मना करने पर उसके साथ मारपीट करती है। 2010 में उसके पिता की मौत हो गई थी।

उसके बाद से ही फिरोज का वहां आना जाना है। किशोरी का आरोप है कि उसको फिरोज के साथ कमरे में भी बंद कर दिया गया था। किशोरी का कहना है कि उसने सब बात अपनी बहन को बताई और अब शिकायत करने यहां आई है। किशोरी ने बताया कि वह आठवीं तक ही पढ़ी है। हालांकि अभी इस मामले में कोई पुलिस का कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। मगर पुलिस ने पीड़िता से जांच की बात कही है।

'कार्यालय से बाहर जाइए': सांसद इकरा हसन से अभद्रता मामले की जांच पूरी

सहारनपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। कैराना सांसद इकरा हसन की तरफ से फरवरी माह में की गई सदर तहसील के तत्कालीन एसडीएम की शिकायत के मामले में जांच पूरी हो गई है। जांच में एसडीएम की तरफ से अवैध कब्जे की कार्रवाई को निष्पक्ष बताते हुए उन्हें क्लीन चिट दी गई। अभद्रता का मामला भी साबित नहीं हो सका। हालांकि इस रिपोर्ट के बाद मंडलायुक्त की तरफ से सभी अधिकारियों को आदेश जारी किए गए हैं कि जनप्रतिनिधियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें। वहीं, सांसद इकरा हसन ने पिछले दिनों एडीएम प्रशासन की तरफ से किए गए अभद्र व्यवहार का मामला संसद में उठाया है।

उन्होंने मांग करते हुए कहा कि उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया था और कार्यालय से बाहर जाने के लिए कहा था। इस मामले में अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। बता दें, कि सांसद इकरा हसन ने मंडलायुक्त को शिकायत भेजी थी, जिसमें बताया था कि वह छुटमलपुर चेयरपर्सन के साथ एडीएम कार्यालय पहुंचीं थीं। वहां पर एडीएम का व्यवहार अशोभनीय था।

मंडलायुक्त ने इस मामले में डीएम को जांच के आदेश दिए। डीएम के आदेश पर एडीएम वित्त एवं राजस्व ने मामले की जांच की। जांच पूरी होने के बाद मंडलायुक्त के पास पूरे मामले की रिपोर्ट पहुंची। इसमें बताया गया कि तालाब पर अवैध कब्जे की शिकायत पर कार्रवाई की गई थी। जांच में आया कि मकान नहीं गिराया गया, बल्कि तालाब की जगह दीवार बनाकर अस्थाई अवैध कब्जा किया गया था, जिसमें गेहूं व चारा काटने की मशीन खड़ी थी। उन्हें बाहर निकलवाकर अतिक्रमण हटवाया गया। जांच में आया कि तालाब की भूमि से नियमानुसार व निष्पक्ष रूप से कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जा हटवाया गया। इसके साथ ही सांसद के साथ फोन पर उनकी गरिमा के अनुरूप मर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया। उधर, मंडलायुक्त अटल कुमार राय ने बताया कि सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जनप्रतिनिधियों के मर्यादित एवं सम्मानजनक व्यवहार करें।

कैराना सांसद इकरा हसन की तरफ से फरवरी में मंडलायुक्त के यहां पर उस समय सदर एसडीएम रहे अंकुर वर्मा को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि गांव बरथा कायस्थ में तालाब पर अतिक्रमण हटाने के दौरान प्रभावित परिवार ने दो दिन की मोहलत मांगी थी, लेकिन एसडीएम ने दो घंटे की मोहलत दी और फिर मकान को गिरवा दिया।

एआईएमआईएम के इस नेता की जब्त होगी संपत्ति

पटना, 6 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के नेता रहीमुद्दीन उर्फ हैबर की अवैध संपत्ति को पुलिस जब्त करेगी। अभी तक रहीमुद्दीन किशनगंज के जिलाध्यक्ष थे, लेकिन मामला सामने आने के बाद उन्हें विधानसभा चुनाव (2025) से पहले पार्टी से बाहर निकाल दिया गया है। दरअसल पुलिस ने अवैध रूप से संपत्ति अर्जित करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। जिले के ऐसे पांच लोगों को चिन्हित भी किया गया जिन्होंने अवैध रूप से करोड़ों की संपत्ति को बना लिया है। पांच नामों की सूची को पुलिस मुख्यालय को पूर्व में ही भेजा गया था। अब अपराध से अर्जित की गई संपत्ति जब्त करने के लिए न्यायालय में प्रस्ताव समर्पित करने की कार्रवाई की जा रही है। प्रस्ताव में नशे के सौदागर, देह व्यापार के दलाल और सरकारी रुपयों का गबन करने वाले व्यक्तियों का नाम शामिल है।

संभल हिंसा के आरोपी जफर अली समेत 60 समर्थकों पर केस दर्ज

संभल, 6 अगस्त (एजेंसियां)। हिंसा के आरोपी और जामा मस्जिद के सदर जफर अली एक बार फिर फंस गए हैं। दरअसल हाल ही में जफर अली को कोर्ट ने जमानत दी थी, जिसके बाद वह जेल से बाहर आए थे। जेल से बाहर आने के बाद जिस तरह का जुलूस उनके समर्थकों ने निकाला, उससे सभी हैरान रह गए। दरअसल 1 अगस्त के दिन जफर अली जेल से रिहा हुए। इसके बाद वह कार का सनरूफ खोलकर खड़े हो गए और फिर काफिले के साथ उनका जुलूस निकाला गया। वह जुलूस के साथ ही संभल पहुंचे। इस दौरान सड़कों पर जमकर नारेबाजी की गई और आतिशबाजी भी की गई। अब पुलिस ने इस मामले में सख्त एक्शन लिया है। बता दें कि संभल पुलिस ने जामा मस्जिद के सदर जफर अली समेत 4 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इसी के साथ पुलिस ने 50 से 60 अज्ञात के खिलाफ भी केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने इन सभी को निषेधाज्ञा उल्लंघन का आरोपी बनाया है।

2 बच्चों की मां ने भांजे से रचाई शादी, पति को छोड़कर हुई फरार

बांका, 6 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के बांका से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। बांका जिले के अमरपुर थाना क्षेत्र में 2 बच्चों की मां ने अपने भांजे से शादी रचाई है और पति को छोड़कर फरार हो गई। इस मामले के सामने आने के बाद इलाके में चर्चाओं का बाजार गरम है। रघुनाथपुर गांव निवासी शिवम कुमार की पत्नी पूनम कुमारी ने अपने ही भांजे से प्रेम संबंध बनाकर पति और दो बच्चों को छोड़ दिया। मिली जानकारी के अनुसार, शिवम की शादी वर्ष 2014 में अमरपुर के दिग्घी पोखर निवासी भागीरथ साह की पुत्री पूनम कुमारी से हुई थी। विवाह के बाद दोनों को दो बेटे हुए, जिसमें एक की उम्र 10 साल और दूसरे की उम्र 8 साल है। कुछ समय पहले से पूनम के दूर के रिश्ते में लगने वाले अंकित कुमार, जो गोगरी जमालपुर थाना क्षेत्र के भुरिया दियारा गांव का निवासी है, का उनके घर आना-जाना शुरू हुआ। धीरे-धीरे दोनों के बीच संबंध गहरे हो गए। दो दिन पहले पूनम अपने दोनों बच्चों के साथ घर छोड़ कर चली गई। रात पूनम ने पति को फोन कर बताया कि उसने अंकित कुमार से मंदिर में शादी कर ली है और उसकी तस्वीरें भी भेज दीं। इस घटना से आहत पति शिवम कुमार ने अमरपुर थाने में आवेदन देकर अपने बच्चों की बरामदगी की गुहार लगाई है।

प्रतापगढ़ में फिर मुठभेड़ तीन बदमाश गिरफ्तार

प्रतापगढ़, 6 अगस्त (एजेंसियां)। जिले में एक बार फिर पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हुई। रात संग्रामगढ़ के बाद बुधवार भोर फतनपुर पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में चोरी और लूट के तीन अंतर्जनपदीय आरोपित पकड़े गए। इनमें से एक के पैर में गोली लगी है। फतनपुर के छानापार नहर पुलिया के पास फतनपुर पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में सुरेन्द्र गुप्ता उर्फ खुद्दी सराय दली कोतवाली नगर के पैर में पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में चलाई गई गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। इसके अलावा उसके दो और साथी भी पकड़े गए। घायल को सीएचसी गौरा के बाद राजा प्रताप बहादुर अस्पताल भेजा गया है।

7 अगस्त को रात 9 बजे पटना लैंड करेंगे अमित शाह

सीतामढ़ी, 6 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की गहमागहमी के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पटना आ रहे हैं। बीजेपी की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक अमित शाह 7 अगस्त यानी गुरुवार को पटना आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि गृहमंत्री रात करीब 9 बजे पटना एयरपोर्ट पर लैंड करेंगे। रात में ही बीजेपी के कुछ नेताओं के साथ पटना में बैठक करेंगे।

उसके बाद अगले दिन 8 अगस्त को यानी शुक्रवार को सीतामढ़ी में आयोजित होने वाले कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। अमित शाह माता जानकी मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने बिहार आ रहे हैं। इस ऐतिहासिक अवसर को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। गृह मंत्री के आगमन और मंदिर निर्माण के भूमि पूजन के भव्य कार्यक्रम को लेकर विधायक मिथिलेश कुमार ने लोगों को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित करने के लिए पूरे शहर में भ्रमण किया और अक्षत (चावल) प्रदान किए। रथों को रवाना करने के बाद, विधायक की माता ने भी श्रद्धालुओं को अक्षत प्रदान कर कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की। माता सीता के मंदिर के निर्माण को लेकर जिलेभर में भक्तों के बीच भारी उत्साह और भक्ति का माहौल देखा जा रहा है। यह भूमि पूजन कार्यक्रम सीतामढ़ी के लिए एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

ऑक्सीजन सिलेंडर प्लांट में जोरदार धमाका, दो लोगों की मौत

मोहाली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के मोहाली ज़िले में बुधवार सुबह एक ऑक्सीजन सिलेंडर प्लांट में हुए भीषण विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, मोहाल के औद्योगिक क्षेत्र, फेज़-9 स्थित एक प्लांट में हुए विस्फोट की आवाज दूर तक सुनाई दी। इससे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के बाद उप-मंडल मजिस्ट्रेट सहित पुलिस और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी स्थिति का आकलन करने और बचाव कार्यों का निरीक्षण करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। घायलों को इलाज के लिए मोहाली के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि तीनों गंभीर रूप से घायल हैं और उनकी स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही है। विस्फोट के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और आगे की जांच जारी है।

मुंबई में कबूतरखाना कवर हटाने पर हिंसा

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के दादर इलाके में बुधवार को शहर की म्युनिसिपल कॉरपोरेशन द्वारा कबूतरखाना (कबूतरों को खाना खिलाने की जगह) को ढकने के लिए लगाई गई टारपॉलिन को कुछ विरोधी हटाने लगे। यह कार्रवाई तब हुई जब बॉम्बे हाई कोर्ट ने ऐसे कबूतरखानों को बंद करने का आदेश दिया था। यहां मुख्य रूप से जैन समुदाय के नाराज प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई, क्योंकि पुलिस ने टारपॉलिन हटाने से रोकने की कोशिश की। बाद में मुंबई के उपनगरीय जिले के संरक्षक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा मौके पर पहुंचे और इस घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि पुलिस इस मामले में उचित कार्रवाई करेगी।

निजी आई अस्पताल में गैरकानूनी ऑपरेशन

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के वाशी इलाके में एक नामी आई अस्पताल में बिना लाइसेंस के ऑपरेशन करने के कारण पांच मरीजों को गंभीर आंखों का संक्रमण हुआ है। पुलिस ने इस मामले में ऑपरेशन करने वाले दो नेत्र चिकित्सकों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, ये ऑपरेशन दिसंबर 2024 से मार्च 2025 के बीच हुए थे। पुलिस के अनुसार, आरोपित डॉक्टरों ने जल्दबाजी और लापरवाही से ऑपरेशन किए, जिससे पांच मरीजों की आंखों में गंभीर चोट लगी। इनमें 65 साल से ऊपर की एक दंपती भी शामिल हैं। ऑपरेशन के बाद मरीजों को स्यूडोमोनास नामक वायरस से संक्रमण हुआ। पुलिस ने बताया कि इन डॉक्टरों ने महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल से अपने लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं कराया था, फिर भी उन्होंने ऑपरेशन किए। सिविल सर्जन की जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने सोमवार को दोनों डॉक्टरों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 125(ए), 125(बी) और 3(5) के तहत और नेशनल मेडिकल कमीशन एक्ट के प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज की है।

बंदूक की नोंक पर व्यापारी से लूट

शहडोल, 6 अगस्त (एजेंसियां)। शहडोल। जिले में अपराधियों के हौसले बुलंद होते जा रहे है। खनौधी बाजार कर लौट रहे व्यापारी के साथ रास्ते में बंदूक की नोक पर लूट की वारदात को अज्ञात चार बदमाशों ने अंजाम देकर मौके से फरार हो गए है।घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बंदूक से चली गोली की पांच खोखे मौके से बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि गोहपारू थाना क्षेत्र के रतहर गांव के रहने वाले अनिल कुमार सोनी अपने पुत्र के साथ खनौधी बाजार कर अपनी बाइक से वापस घर लौट रहे थे, तभी रात तकरीबन 8 बजे वह जैसे ही मलदा गांव के पास स्थित क्रेशर के पास पहुंचे, तभी एक बिना नंबर की पल्सर बाइक में सवार चार बदमाश, जो पीड़ित की बाईक के पीछे से आ कर व्यापारी की बाइक के आगे अपनी बाइक लगा दी।और बंदूक की नोक पर लूट की घटना को अंजाम देते हुए भाग गए।

टमाटर बना लाल सोना 3 दिन में दाम दोगुने

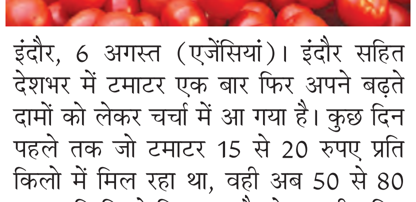

इंदौर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर सहित देशभर में टमाटर एक बार फिर अपने बढ़ते दामों को लेकर चर्चा में आ गया है। कुछ दिन पहले तक जो टमाटर 15 से 20 रुपए प्रति किलो में मिल रहा था, वही अब 50 से 80 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। केवल तीन दिन में दामों में इतनी तेजी आने से आम नागरिक हैरान हैं। मंडी व्यापारी बंटी शर्मा ने बताया कि बेंगलुरु, महाराष्ट्र के संगमनेर और नारायण गांव से देशभर में टमाटर की सप्लाई हो रही है। फसल कमजोर होने, बारिश व बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मांग बढ़ने और आवक घटने के चलते यह अचानक मूल्यवृद्धि हुई है। इंदौर की मंडी में जहां रोज 18 से 20 गाड़ियां टमाटर की आ रहीं थीं, वहीं अब यह संख्या घटकर सिर्फ 12 से 15 रह गई है। इससे थोक बाजार में टमाटर का भाव 35 से 40 रुपए किलो तक पहुंच गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि सितंबर में नई फसल आने तक टमाटर के दामों में गिरावट के आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

हवाईअड्डों पर आतंकी हमले का खतरा

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। देश के हवाई अड्डों पर संभावित आतंकी खतरे को लेकर अलर्ट जारी करते हुए सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने 22 सितंबर से दो अक्टूबर की अवधि के दौरान एक आतंकवादी समूह से संभावित खतरे के मद्देनजर हवाई अड्डों पर सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया है। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) की ओर से इस संबंध में एक एडवाइजरी जारी की गई है। इस एडवाइजरी में कहा गया है- ''केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी से हाल ही में प्राप्त जानकारी के मद्देनजर सभी हवाई अड्डों पर सभी संबंधित पक्षों को निर्देशित किया गया है कि वे हवाई अड्डों, हवाई पट्टियों, हवाई क्षेत्रों, वायुसेना के स्टेशन, और हेलीपेड पर सुरक्षा उपायों को बढ़ाएं। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी से प्राप्त जानकारी में 22 सितंबर से दो अक्टूबर 2025 के बीच आतंकवादी समूहों से संभावित खतरे का संकेत दिया गया है।'' केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी से प्राप्त जानकारी में 22 सितंबर से दो अक्टूबर 2025 के बीच आतंकवादी समूहों से संभावित खतरे का संकेत दिया गया है।

पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद पर हमला

हमलावर बोला- सनातन को अपमानित करते हैं

रायबरेली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य का शहर के साथस मोटल चौराहा पर स्वागत हो रहा था। इस दौरान दो युवकों ने उनके साथ मारपीट की। इसके बाद समर्थकों ने दोनों युवकों को पीटा। पुलिस ने पिटाई करने वाले दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया है। सीओ सदर अमित सिंह ने कहा पकड़े गए युवकों की अभी पहचान नहीं हुई है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज होगा। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए स्वामी प्रसाद ने कहा कि ये करणी सेना के नाम पर कीड़े-मकोड़े हैं। ये लोग खुलेआम कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ये बताता है कि योगी सरकार में गुंडे-माफियाओं के हौंसले कितने बढ़े हुए हैं। वहीं, पुलिस की गिरफ्त में आए हमलावर ने कहा कि स्वामी लगातार सनातन का विरोध करते हैं इसलिए उन पर हमला किया। स्वामी प्रसाद लगातार विवादित टिप्पणियां करने के कारण चर्चा में रहते हैं। बुधवार को जब वह रायबरेली पहुंचे तो उनके कार्यकर्ताओं ने मोटल चौराहे पर उनका स्वागत किया। इसी दौरान दो युवकों ने उन पर हमला कर दिया जिस पर वहां मौजूद उनके समर्थकों ने दोनों हमलावरों को पकड़ लिया और उनके साथ मारपीट की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुश्किल में बीजेपी विधायक संजय पाठक

443 करोड़ की वसूली का शिकंजा अवैध खनन का है मामला

कटनी, 6 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश स्थित कटनी जिले के विजयराघवगढ़ से बीजेपी विधायक संजय पाठक इन दिनों एक बार फिर विवादों में आ गए हैं। जबलपुर जिले की सिहोरा तहसील में स्थित उनकी खनन कंपनियों आनंद माइनिंग, निर्मला मिनरल्स और पेसिफिक एक्सपोर्ट पर अवैध खनन का आरोप लगा है। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने 5 अगस्त को विधानसभा सत्र में लिखित जवाब में स्पष्ट किया कि इन कंपनियों से सरकार 443 करोड़ रुपये की राशि वसूलेगी। इस कार्रवाई का आधार भारतीय खनन ब्यूरो की रिपोर्ट है, जिसमें स्वीकृत मात्रा से अधिक ब्लू डस्ट का उत्खनन सामने आया है। इस मुद्दे को कांग्रेस विधायक अभिजीत शाह ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान उठाया था। उन्होंने पूछा था कि क्या आनंद माइनिंग निर्मला मिनरल्स और पेसिफिक एक्सपोर्ट द्वारा तय मात्रा से अधिक खनन कर शासन को लगभग 1000 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया गया है? इसी के जवाब में बताया गया कि शिकायतकर्ता आशुतोष मनु दीक्षित की शिकायत के आधार पर 23 अप्रैल 2025 को एक जांच दल गठित किया गया था। इसके बाद 6 जून को सौंपे गए जांच प्रतिवेदन में 443 करोड़ की राशि वसूलने की सिफारिश भी की गई, जिसमें जीएसटी भी शामिल किया गया है।

महिला सांसद से चैन छीनने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिणी जिला पुलिस ने महिला सांसद सुधा आर की चैन छीने वाले आरोपी रावत को रात को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर 20 से ज्यादा मामले दर्ज हैं और वह दक्षिणी दिल्ली के हरकेश नगर का रहने वाला है। आरोपी ने अकेले ही वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार वह ज्यादातर अकेली चेन झपटमरी की वारदातों को अंजाम देता था।

आरोपी रावत ने महिला सांसद की करीबन 4 तोले की सोने की चेन उस समय छीन ली थी जब वह महिला साथी के साथ पोलैंड एंबेसी के पास सुबह की सैर के लिए निकली थी । इस मामले में चाणक्यपुरी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया था। देर रात तक आरोपी सफदरजंग हॉस्पिटल के सामने से जाते हुए ट्रैक हुआ था। जब मामला दक्षिण दिल्ली में पहुंचा तो दक्षिण जिला पुलिस सक्रिय हो गई। इसके बाद दक्षिण जिले के वाहन चोरी निरोधक दस्ते ने आरोपी रावत को हरकेश नगर से गिरफ्तार कर लिया।

ईडी की बड़ी कार्रवाई, दिल्ली, नोएडा समेत 11 जगहों पर छापेमारी

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस या जांच अधिकारी बनकर लोगों से ठगी करने वालों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने बुधवार नोएडा, दिल्ली, गुरुग्राम, देहरादून समेत देशभर में 11 जगहों पर छापेमारी की तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी खुद को पुलिय या जांच अधिकारी बताते थे। आरोपी लोगों को गिरफ्तार करने की धमकी देकर ठगी करते थे। बताया गया कि सीबीआई और पुलिस की दर्ज एफआईआर पर जांच शुरू की गई है। ईडी की जांच में खुलासा हुआ है कि जांच अधिकारी और पुलिस के अलावा ठग कई तरीकों का

उपयोग करते थे। इसमें वह खुद को मल्टी नेशनल कंपनी का एजेंट भी बताते थे। धोखेबाज ठगी के लिए खुद को माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन के तकनीकी सहायता सेवा एजेंट बताते थे। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों की ठगी का जाल केवल भारत तक सीमित नहीं था।

इन पहुंच विदेश तक में थी। पुलिस बनकर कई बार इन्होंने विदेशी नागरिकों को भी ठगा है। ईडी मामले में अभी जांच कर रही है। जांच में और भी कई बड़े खुलासे होने की उम्मीद है। ईडी ने खुलासा किया है कि आरोपी ठगी से कमाया पैसा कहीं जमा नहीं करते थे। नकदी को वह क्रिप्टों करेंसी में बदल देते थे। माना जाता है कि इससे इस रकम के जांच में आने की संभावना बेहद कम होती है।

'अब उनका पार्टी से कोई संबंध नहीं'

जज बनीं आरती साठे पर मचा सियासी घमासान बीजेपी से आया जवाब

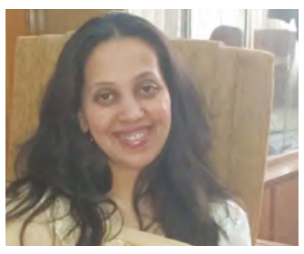

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट में पूर्व बीजेपी प्रवक्ता आरती साठे की बतौर न्यायाधीश नियुक्ति को लेकर सियासी विवाद खड़ा जारी है। कांग्रेस, एनसीपी (एसपी) और टीएमसी नेताओं ने न्याय प्रणाली की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं।वहीं बीजेपी ने भी इस विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि साठे अब पार्टी से पूरी तरह अलग हो चुकी हैं। दरअसल पूर्व बीजेपी प्रवक्ता रही आरती साठे को बॉम्बे हाई कोर्ट में बतौर न्यायाधीश नियुक्ति किया गया। इस पर कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि अगर किसी पूर्व प्रवक्ता को जज बना दिया जाए, तो आम जनता को निष्पक्ष न्याय कैसे मिलेगा? उन्होंने पूछा कि क्या संविधान की रक्षा इस तरह संभव है। वहीं एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार ने भी आरती साठे की नियुक्ति पर आपत्ति जताई और फरवरी 2023 में महाराष्ट्र बीजेपी द्वारा जारी प्रवक्ता नियुक्ति पत्र का स्क्रीनशॉट साझा किया। उनका दावा है कि यह नियुक्ति न्यायपालिका की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकती है। बीजेपी की ओर से राज्य के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने विपक्ष के आरोपों को नकारते हुए कहा कि साठे ने डेढ़ साल पहले पार्टी से इस्तीफा दे दिया था और अब उनका भाजपा से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और रोहित पवार को कोलेजियम के निर्णय पर उंगली उठाने का कोई अधिकार नहीं है। उपाध्ये ने यह भी जोड़ा कि यह पूरी तरह राजनीतिक हमला है जो न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचा सकता है।

शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस अकाल तख्त पर पेश, धार्मिक सजा का एलान

अमृतसर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने आज सुबह सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश होकर श्रीनगर में आयोजित गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के विवादास्पद कार्यक्रम को लेकर अपना स्पष्टीकरण दिया। इस कार्यक्रम में नृत्य और गीतों के आयोजन से सिख संगत की भावनाएं आहत हुई थीं, जिसके चलते अकाल तख्त के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने उन्हें तलब किया था। अकाल तख्त की ओर से हरजोत सिंह बैंस को धार्मिक सजा सुनाई गई है। सजा के तहत, मंत्री बैंस आज श्री हरमंदिर साहिब से गुरुद्वारा गुरु का महल तक पैदल जाएंगे और रास्ते की स्थिति का जायजा लेंगे। साथ ही, वे गुरुद्वारा गुरु का महल, गुरुद्वारा बाबा बकाला साहिब, और गुरुद्वारा वर्क को जाने वाले 100 मीटर के रास्तों को ठीक करवाएंगे। ये सभी गुरुद्वारे श्री गुरु तेग बहादुर जी से संबंधित हैं।

'सभी कार्यस्थलों पर पॉश ऑडिट अनिवार्य किया जाए'

महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग ने जताई चिंता

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग ने कार्यस्थलों पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून पॉश एक्ट की कमजोर अमलवारी पर चिंता जताई है। आयोग ने सभी दफ्तरों में पॉश ऑडिट को अनिवार्य करने की मांग की है। आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो संदेश में कहा कि उन्होंने हाल ही में राज्य के कई हिस्सों का दौरा किया और पाया कि कई दफ्तरों में आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) तो बनी है, लेकिन वो सिर्फ कागजों पर ही मौजूद है। उन्होंने कहा, 'कई बार समिति के सदस्यों को यह तक नहीं पता होता कि उनके अधिकार और जिम्मेदारियां क्या हैं। ऐसे में महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं, भले ही कमेटी हो भी।' इस स्थिति को सुधारने के लिए महिला आयोग ने महिला और बाल विकास मंत्री को एक प्रस्ताव सौंपा है। इस प्रस्ताव में मांग की गई है कि पॉश कानून के अनुपालन की नियमित जांच के लिए सरकार एक सरकारी निर्णय (जीआर) जारी करे। रूपाली चाकणकर ने कहा, 'पॉश ऑडिट को वित्तीय ऑडिट या अग्नि सुरक्षा ऑडिट जितना ही जरूरी माना जाना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा कि ऐसे ऑडिट से सुनिश्चित होगा कि कार्यस्थल सिर्फ कानूनन सुरक्षित नहीं, बल्कि वास्तव में महिलाओं के लिए सुरक्षित और सहायक वातावरण वाले हों। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण एक्ट 2013 में लागू हुआ था।

सीएम पुष्कर सिंह धामी उत्तरकाशी पहुंचे

देवभूमि, 6 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में धराली क्षेत्र में आई भीषण प्राकृतिक आपदा को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी स्थित आपदा नियंत्रण कक्ष से राहत एवं बचाव कार्यों की गहन समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों एवं सेना के प्रतिनिधियों से स्थिति की वस्तुनिष्ठ जानकारी प्राप्त की और उन्हें राहत कार्यों को तीव्र गति से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। प्रदेश सरकार राहत कार्यों को प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक प्रभावित नागरिक तक सहायता पहुंचाने हेतु कटिबद्ध है। सीएम धामी ने बताया कि उन्होंने बताया कि क्षेत्र में रेस्क्यू एवं मेडिकल कैंप्स की स्थापना कर दी गई है तथा प्रभावितों के लिए भोजन एवं आवश्यक सामग्री की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर प्रारम्भ कर दिए गए हैं। भारतीय वायुसेना के चिनूक व एमआई-17 हेलीकॉप्टर पूरी तरह से तैयार स्थिति में हैं, ताकि आवश्यकतानुसार शीघ्रतम कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। भारतीय वायु सेना के चिनूक, एमआई-17 वी5, एएलएच और चीता हेलीकॉप्टर चंडीगढ़ एयरबेस पर उड़ान भरने के लिए तैयार हैं, मौसम खराब होने की वजह से उड़ान नहीं भर पा रहे हैं।

मौसम में सुधार होते ही ये हेलीकॉप्टर उपकरणों और राहत सामग्री के साथ उत्तरकाशी के लिए उड़ान भरेंगे। उत्तरकाशी जिले में बादल फटने से भयंकर तबाही मची हुई है। 200 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। बादल फटने के बाद घर, दुकानें, बाजार और सड़कें बह गई हैं। लगातार बारिश हो रही है, ऐसे में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने में परेशानी आ रही है।

हिजबुल से फंड लेकर चल रही थी अलगाववादी साजिश

जमात से जुड़े तीन आरोपी

जम्मू, 6 अगस्त (एजेंसियां)। प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़ी कथित फंडिंग के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने तीन आरोपियों और एक ट्रस्ट के खिलाफ आरोप तय किए हैं। यह फैसला इस मामले में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दिया गया। विशेष न्यायाधीश संदीप गंदोत्रा ने अमीर मोहम्मद शम्सी, मुश्ताक अहमद मीर उर्फ जरगर निवासी राजोरी, अब्दुल हमीद गनई उर्फ फैयाज निवासी शोपियां, राजोरी में ही स्थित अल-हुदा एजुकेशनल ट्रस्ट के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए।

ब्रेक फेल हुआ तो चालक ने मालगाड़ी की तरफ मोड़ दिया ट्रक, कई लोगों की बचाई जान

उमरिया, 6 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के जनपद मुख्यालय पाली में बुधवार को एक ट्रक अनियंत्रित होकर रेलवे स्टेशन में प्रवेश कर गया और ट्रैक से गुजर रही मालगाड़ी से टकरा गया। बताया जा रहा है कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि ट्रक के ब्रेक फेल हो गई थे। इस घटना में रेलवे ट्रैक, मालगाड़ी तो कोई नुकसान नहीं पहुंचा लेकिन ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना के बाद रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंच गए। साथ ही ट्रक चालक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। यह जानकारी सामने आई है कि ट्रक चालक ने सड़क पर जा रहे लोगों को बचाने के लिए रेलवे स्टेशन की तरफ ट्रक को मोड़ दिया था।

इसी दौरान ट्रैक से गुजर रही मालगाड़ी से ट्रक जा कर टकरा गया। जानकारी के मुताबिक इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। हालांकि ट्रक के सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। बताया जाता है कि ट्रक क्रमांक एमपी 54 1178 सुबह कटनी से बुढार की ओर जा रहा था। मेन रोड पर ही नगर का बस स्टैंड है, यहीं के कुछ दूर पर रेलवे स्टेशन भी स्थित है। यही कारण है कि यह इलाका भीड़-भाड़ा वाला है

गर्लफ्रेंड से मिलने आधी रात को पहुंचा युवक, पति और साले ने बेल्ट से पीट-पीटकर मार डाला

खंडवा, 6 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खंडवा में रात एक युवक को पीट-पीटकर मार डाला। आरोपी जीजा-साले ने पहले युवक को रस्सी से बांधा और फिर बेल्ट और लकड़ी से इतना पीटा कि वह अधमरा हो गया। परिजन द्वारा छुड़ाए जाने के कुछ देर बाद युवक ने दम तोड़ दिया। अवैध संबंध से जुड़े हत्या के मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक देर रात करीब 3 बजे देवीराम (35 वर्ष) एक महिला से मिलने उसके घर गया था।

वहां पहले से घात लगाए बैठे महिला के पति चंदन लाल (बदला हुआ नाम) और उसके साले भगवानदीन (बदला हुआ नाम) ने देवीराम को पकड़ लिया। दोनों ने उसे आंगन में लगे पेड़ से बांधकर करीब एक घंटे तक बेरहमी से पीटा। देवीराम की चीख-पुकार सुनकर उसकी मां ने बड़े बेटे महेंद्र को जगाया। महेंद्र ने मौके पर पहुंचकर अधमरी हालत में अपने भाई को छुड़ाया। कुछ ही देर बाद देवीराम ने दम तोड़ दिया। उसके शरीर पर बेल्ट और लकड़ी से की गई पिटाई के गहरे घाव मिले हैं। पुलिस ने बताया कि मृतक और आरोपी अलग-अलग समाज से है।

पुलिस की लापरवाही, बेकसूर ऑटो ड्राइवर को थमाया तड़ीपार का नोटिस

अहमदाबाद, 6 अगस्त (एजेंसियां)। अहमदाबाद के बापूनगर इलाके में रहने वाले 50 साल के ऑटो रिक्शा चालक मोहम्मद अली राजपूत को पुलिस की एक मामूली टाइपिंग गलती की वजह से बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, पुलिस ने उनके बेटे मोहम्मद फैजल की जगह गलती से उन्हें ही तड़ीपार का नोटिस भेज दिया है। मोहम्मद अली राजपूत पिछले तीन महीनों से ऐसे नोटिसों से परेशान हैं। ताजा नोटिस 30 जुलाई को उन्हें मिला जिसमें कहा गया कि अगर वह 4 अगस्त को पुलिस के सामने पेश नहीं हुए तो बिना सुनवाई के ही तड़ीपार का आदेश जारी कर दिया जाएगा और उन्हें शहर छोड़ना पड़ेगा। राजपूत ने इस मामले में वकील की सलाह लेकर पुलिस से संपर्क किया और बताया कि उनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। उन्होंने बताया, 'मेरे और मेरे बेटे के नाम मिलते-जुलते हैं। शायद इसी वजह से पुलिस ने गलती से मेरा नाम नोटिस में लिख दिया।' पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मोहम्मद अली के 18 वर्षीय बेटे फैजल के खिलाफ दो अलग-अलग मामलों में आरोप दर्ज हैं। पहला मामला पिछले साल का है, जब फैजल नाबालिग था और उस पर मारपीट का आरोप लगा था। दूसरा मामला हाल ही में चोरी से संबंधित है, जो पुलिस ने दर्ज किया है। हालांकि, इन दोनों मामलों में मोहम्मद अली का नाम कहीं भी शामिल नहीं है और न ही उनके खिलाफ कोई आरोप दर्ज है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 7 अगस्त- 2025

पहाडों पर कुदरत का कहर

पहाड़ों पर मानसून की बारिश आफत लेकर आई है। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर स्थित तंगलिंग में बुधवार को बादल फटने से पहाड़ से चट्टान और मलबे का सैलाब नीचे सड़क पर गिरते जिसने भी देखा उसका कलेजा मुंह को आ गया। अचानक आई कुदरती कहर से कैलाश यात्रा रूट पर दो पुल बह गए। बाकी का रास्ता भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण यात्रा रोक दी गई है। कई श्रद्धालु फंसे हुए हैं। किन्नौर के रिब्बा गांव के पास रालडांग खड्ड में भी बादल फटा। इससे नेशनल हाईवे-5 भी बंद हो गया है। गनीमत है कि हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इसी तरह उत्तराखंड के उत्तरकाशी में आई आपदा यह बताती है कि पर्यावरण और विकास के बीच संतुलन साधने की कितनी जरूरत है। देश के पहाड़ी राज्यों, खासकर हिमाचल और उत्तराखंड को लेकर ऐसी नीति चाहिए, जिससे पहाड़ और इंसानों के बीच संतुलन बना रहे। उत्तरकाशी के धराली गांव में खीरगंगा नदी के ऊपरी क्षेत्र में बादल फटा और फ्लैश फ्लड ने रास्ते में आने वाली हर चीज को अपनी चपेट में ले कर रौंद दिया। प्रभावित इलाके से आ रहे विडियो दिल दहलाने वाले हैं। अभी चारधाम यात्रा का सीजन चल रहा है और यह गांव गंगोत्री वाले रास्ते पर पड़ता है। श्रद्धालुओं के रुकने का यह एक अहम पड़ाव है। ऐसे में बड़े पैमाने पर हानि की आशंका व्यक्त की जा रही है। हाल के बरसों में नजर डालें तो उत्तराखंड इस तरह की प्राकृतिक आपदाओं के केंद्र में रहा है। 2021 में चमोली जनपद में, नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के पास ग्लेशियर टूटकर गिरने से धौलीगंगा नदी में अचानक बाढ़ आ गई और तपोवन विष्णुगाड पनबिजली परियोजना में काम करने वाले कई श्रमिकों को जान गंवानी पड़ी। इसी तरह, 2023 की शुरुआत में धार्मिक पर्यटन स्थल जोशीमठ में भूस्खलन ने बड़ी आबादी को विस्थापित कर दिया। साल 2013 में केदार घाटी में मची तबाही का मंजर शायद ही कोई भूला हो। सवाल है कि पहाड़ से छेड़छाड़ आखिर कब रुकेगी? उत्तराखंड में चल रहे बेशुमार पावर प्रोजेक्ट्स ने पहाड़ों को खोखला कर दिया है। इसमें बढ़ती आबादी, लाखों पर्यटकों के बोझ, अनियंत्रित निर्माण और घटती हरियाली को मिला दिया जाए तो स्थिति कितनी विस्फोटक बन जाती है, इसकी कल्पना मात्र से सिहरन पैदा होने लगती है। देखा जाए तो बादल फटना प्राकृतिक घटना है, जिस पर इंसानों का कोई जोर नहीं। लेकिन, यह भी तथ्य है कि पानी निकलने के रास्तों, नालों-गदेरों के मुहानों पर कंक्रीट के बड़े-बड़े स्ट्रक्चर खड़े करने से रास्तों से पानी को बहना रुक गया है। साल 1976 में, गढ़वाल के तत्कालीन कमिश्नर एमसी मिश्रा की अध्यक्षता में गठित कमिटी ने जोशीमठ को बचाने के लिए कुछ कदम उठाने की सिफारिश की थी- इनमें संवेदनशील जोन में नए निर्माण पर रोक और हरियाली बढ़ाना प्रमुख था। 49 साल बाद आज उनकी रिपोर्ट पूरे पहाड़ के लिए प्रासंगिक बन चुकी है। इस पर अमल कब किया जाएगा बस, इसी का इंतजार है।

ग्लोबल वॉर्मिंग का परिणाम है बादलों का फटना

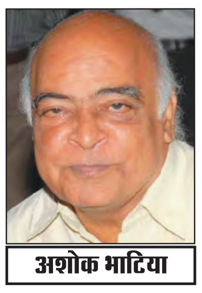
अशोक भाटिया

उत्तरकाशी जिले में एक गांव धराली, जिससे लगा हुआ इलाका है खीरगंगा। ट्रैकिंग पर जाने वालों के लिए सबसे पसंदीदा जगह। 5 अगस्त को अचानक यहां बादल फटा। फिर पलक झपकते सारा का सारा इलाका बह गया। मकान तिनकों की तरह उखड़ गए। बाजार, बस्तियां, इंसान और मवेशी सभी उसमें बह गए। बड़ी संख्या में लोग लापता हैं। जिस छोटे से पहाड़ी नाले ने इस भयावह आपदा को जन्म दिया उसे स्थानीय लोग खीर गाड़ भी कहते हैं। यह एक छोटा पहाड़ी नाला है जो 10-12 किलोमीटर ऊपर की पहाड़ियों के पन ढालों से निकलने वाली कई जलधाराओं से मिलकर बनता है। बरसात को छोड़कर साल के ज्यादातर मौसम में इसमें बहुत कम पानी रहता है। इसी के जल ग्रहण क्षेत्र में कहीं बादल फटने के कारण अचानक तेज गति के साथ बहने वाले पानी ने अपने साथ आई गाद, मिट्टी और पत्थरों के जरिए धराली को तबाह कर दिया। इस तबाही को लाने वाले सैलाब की गति इतनी तीव्र थी कि इसने थराली के लोगों को जान बचाने का भी मौका नहीं दिया। भागते-भागते लोग इस तबाही की चपेट में आ गए।

खीर गाड़ या खीर गंगा जहां पर भागीरथी से मिलती है, उसी जगह पर धराली की बसासत है। 1990 से पहले भटवाड़ी गंगोत्री मोटर मार्ग पर धराली बहुत छोटी बस्ती थी। एफसीआई के एक-दो गोदाम, पंचायत भवन, 2-4 कच्ची पक्की दुकानें और एक स्कूल के अलावा वहां पर कुछ नहीं था। वहां से एक पैदल रास्ता मां गंगा के शीतकालीन निवास मुखवा के लिए जाता था। जिस पर खीर गाड़ पार करने के लिए लकड़ी के छोटे-छोटे दो-तीन पुल बने हुए थे और खीर गंगा वहां पर लगभग चार पांच सौ मीटर के दायरे में फैली हुई थी। इस पूरी दूरी में बड़े छोटे पत्थरों का जमावड़ा था और उनके बीच में कहीं-कहीं बहुत छोटी-छोटी जलधाराएं दिखाई देती थी। पत्थरों और रेत के उस विशाल रौखड़ से यह तो अवश्य लगता था कि पूर्व में कभी ना कभी इस नदी ने वहां पर अपना प्रचंड रूप दिखाया होगा और पत्थरों के रूप में प्रकृति ने अपनी चेतावनी छोड़ दी होगी। लेकिन हाल के वर्षों में पर्यटन की अंधी दौड़ और सैलानियों के प्रवाह ने स्थानीय लोगों को उस चेतावनी को भूलने पर मजबूर कर दिया। आपदा के प्रारंभिक वीडियो में साफ दिखता है की पानी के प्रवाह में आने वाले ज्यादातर भवन इस इलाके में बने हैं जिसे प्रकृति ने अपनी चेतावनी के रूप में छोड़ा था। आपदा की चपेट में आने वाले अधिसंख्य भवन होमस्टे या स्थानीय लोगों के छोटे-छोटे होटल हैं। कुछ बड़े होटल भी आपदा की चपेट में आए हैं और आपदा का शिकार होने वाले ज्यादातर भवन नए बने हुए हैं।

बहुत तीव्र ढलान में बहने वाली खीरगाड़ का जलागम क्षेत्र बहुत अस्थिर नहीं है और वहां किसी तरह का मानवीय दखल भी नहीं है। हर की दून की तरफ जाने वाले कुछ पर्वतारोहियों और स्थानीय पशु चारकों के अलावा उस इलाके में लोगों की ज्यादा आवाजाही भी नहीं है। इसलिए प्रारंभिक तौर पर यह कहा जा सकता है कि आपदा का जन्म प्राकृतिक कारणों से हुआ है, लेकिन आपदा का सबसे अधिक दुष्प्रभाव जिस इलाके में हुआ वह प्रकृति के साथ मानवीय घुसपैठ का परिणाम है।खीर गंगा के अलावा हरसिल के ऊपरी इलाकों में भी कुछ छोटी नदियों में इसी तरह की बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं। कुछ सैनिक इलाकों को भी नुकसान की खबरें हैं और इन सबसे ज्यादा डराने वाली खबर यह है कि हरसिल के पास भागीरथी का प्रवाह थम सा गया है और वहां पर एक झील बनने की आशंका है।

बताया जाता है कि उत्तराखंड में बादल फटने की तबाही हर साल होती है। आखिर पहाड़ी ऊंचे इलाकों पर इतने ज्यादा बादल क्यों फटते हैं।इससे पहले बरसात के इस मौसम में हिमाचल प्रदेश में कई बादल फटने से तबाही की खबरें आ चुकी हैं। जब बादल फटते हैं तो अचानक अथाह पानी दावानल बनकर टूट पड़ता है। इससे इतनी तेज फोर्स के साथ अचानक बाढ़ आती सबकुछ बहा ले जाती है। कुछ नहीं बचता। मकान के मकान ताश के पत्तों की तरह उड़ जाते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, पहाड़ी इलाकों में बादल फटने की घटनाओं में एक दशक के भीतर तेजी से बढ़ोतरी हुई है। एक अनुमान के मुताबिक, अब उत्तराखंड और हिमाचल के पहाड़ों में डेढ़ गुना से ज्यादा बादल फटने की घटनाएं हो रही हैं। बादल फटने की ज्यादातर घटनाएं मॉनसून की बारिश के दौरान ही होती हैं। जानते हैं कि ऐसी घटनाओं में बढ़ोतरी क्यों हो रही है? साथ ही जानते हैं कि बादल कैसे, कब और क्यों फटता है? विज्ञान के मुताबिक, मौसम फटने की घटना क्या है? बादल फटना कितना ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है? साथ ही जानते हैं कि इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए?

बादल फटना भारी बारिश की गतिविधि को कहते हैं। हालांकि, बहुत भारी बारिश की सभी घटनाएं बादल फटना नहीं होतीं। बादल फटने की एक बहुत ही विशिष्ट परिभाषा हैः लगभग 10 किमी x 10 किमी क्षेत्र में एक घंटे में 10 सेमी या उससे अधिक बारिश को बादल फटने की घटना के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। इस परिभाषा के अनुसार, उसी क्षेत्र में आधे घंटे की अवधि में 5 सेमी बारिश को भी बादल फटने की श्रेणी में रखा जाएगा।बादल फटने की घटना के दौरान, किसी स्थान पर एक घंटे के भीतर वार्षिक वर्षा का लगभग 10% वर्षा हो जाती है। औसतन, भारत में किसी भी स्थान पर एक साल में लगभग 116 सेमी वर्षा होने की उम्मीद की जा सकती है।

बादल फटना कोई असामान्य घटना नहीं है, खासकर मानसून के महीनों में। ये घटनाएं ज़्यादातर हिमालयी राज्यों में होती हैं जहां स्थानीय स्थलाकृति, विंड सिस्टम और निचले व ऊपरी वायुमंडल के बीच टेम्परेचर ग्रेडिएंट ऐसी घटनाओं को बढ़ावा देते हैं। हालाँकि, हर घटना जिसे बादल फटना कहा जाता है, वास्तव में परिभाषा के अनुसार बादल फटना नहीं होती। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये घटनाएँ काफी लोकल होती हैं। ये बहुत छोटे क्षेत्रों में होती हैं जहां अक्सर बारिश मापने वाले उपकरण नहीं होते।

इसके अलावा साल 2023 में जारी एक शोध पत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) जम्मू और राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (NIH) रुड़की के शोधकर्ताओं ने बादल फटने की घटना को एक छोटी-सी अवधि में 100-250 मिलीमीटर प्रति घंटे की दर से अचानक होने वाली बारिश के रूप में परिभाषित किया है, जो एक वर्ग किलोमीटर के छोटे-से दायरे में दर्ज की जाती है। इस शोधपत्र को 'इंटरनेशल हैंडबुक ऑफ डिजास्टर रिसर्च' में प्रकाशित किया गया है।

गंगा के मायके में भागीरथी नदी का यह जल ग्रहण क्षेत्र पहले भी इस तरह की घटनाओं का गवाह रहा है। 6 अगस्त 1978 को धराली से कुछ किलोमीटर नीचे भागीरथी नदी की ही एक बहुत छोटी सहायक कनोडिया गाड़ में बादल फटने के कारण एक अस्थाई अवरोध बन गया था । जिसने टूट कर अंततः भागीरथी के जल प्रवाह को रोक दिया और बाद में 6 और 10 अगस्त को वह पूरी भागीरथी घाटी में एक बहुत बड़ी बाढ़ के रूप में तबाही लेकर आया था ।17 जून 2013 को भी उत्तराखंड में अचानक हुई मूसलधार वर्षा 340 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गयी जो सामान्य 65।9 मिमी से 375 प्रतिशत ज्यादा थी। जिसके कारण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई। इसी दौरान अचानक उत्तरकाशी के डोडी ताल इलाके में बादल फटने के बाद असी गंगा और भागीरथी में जल स्तर बढ़ गया था। लगातार होती रही बारिश की वजह से गंगा और यमुना का जल स्तर भी तेजी से बढ़ा। कुमाऊं हो या गढ़वाल मंडल, बारिश ने हर जगह तबाही मचाई। 16 और 17 जून 2013 को केदारनाथ क्षेत्र में सर्वाधिक तबाही हुई। केदारनाथ मंदिर सहित पूरी केदार घाटी में तीर्थयात्रियों सहित 5000 से अधिक लोगों की जान गई।

ट्रंप टैरिफ से कालीन और वस्त्र उद्योग पर ग्रहण

सुरेश गांधी

र 25 से 26 प्रतिशत तक टैरिफ लगाए जाने की हालिया घोषणा ने भारत के इस श्रमप्रधान, सांस्कृतिक और निर्यात-आधारित उद्योग को गहरी चिंता में डाल दिया है। विशेषकर उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र, भदोही, मिर्जापुर और वाराणसी जैसे परंपरागत कालीन केंद्रों में, यह संकट गहराता दिख रहा है, जहां हजारों कारीगरों की आजीविका पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा है। यह न केवल व्यापारिक नुकसान की बात है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर, ग्रामीण रोजगार और पारंपरिक हस्तशिल्प के अस्तित्व पर सीधा प्रहार है। यहां जिक्र करना जरुरी है कि भारत का सालाना कालीन निर्यात लगभग 17,000 करोड़ रुपये का है, जिसमें से 60 प्रतिशत निर्यात अकेले अमेरिका को होता है। अमेरिका की भारतीय हस्तशिल्प और वस्त्रों की सबसे बड़ी ग्राहक होने की हैसियत अब एक चुनौती बन गई है। 9 अप्रैल को ट्रंप की घोषणा के बाद जिस तरह 25-26 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लागू किया गया, उसने पूरे उद्योग को अनिश्चितता की गर्त में डाल दिया है। यह बात अत्यंत चिंता की है कि इस निर्णय से पूरे भारत में तकरीबन दो करोड़ लोगों की आजीविका प्रभावित हो सकती है, जिनमें अधिकांश ग्रामीण, पिछड़े और पारंपरिक हस्तकला आधारित समुदायों से आते हैं। खास यह है कि अकेले कारपेट इंडस्ट्री में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से करीब 25 लाख लोगों के समक्ष दो जून की रोटी के लाले पड़ जायेंगे. कारोबारियों की मानें तो इस उद्योग में 60 फीसदी श्रम और 40 फीसदी कच्चा माल लगता है। एक कालीन तैयार करने में 8 से 12 महीने तक का समय लगता है। ऐसे में तैयार उत्पादों को अब या तो भारी छूट में बेचना पड़ेगा, या फिर उन्हें गोदामों में सड़ने के लिए छोड़ देना पड़ेगा।

अमेरिका रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने से यूपी के पूर्वांचल की सबसे बड़ी हस्तशिल्प इंडस्ट्री कारपेट व साडी कारोबार के निर्यातकों की नींद हराम हो गई है। इसके लागू होते ही अमेरिकी खरीदारों ने अभी से ई-मेल कर क्रिसमस व डोमेटेक्स फेयर में दिए गए करोड़ों के आर्डर को होल्ड पर करवाना शुरु दिए है। ऐसे में निर्यातकों के गोदामों में रखे करोड़ों के कालीन व अन्य उत्पाद न सिर्फ डंप होने, बल्कि लाखों बुनकरों की आजीविका पर गंभीर खतरा मंडराने लगा है। बता दें, यूपी, दिल्ली, पानीपत, जम्मू-कश्मीर, जयपुर आदि शहरों से लगभग 11000 करोड़ का कालीन निर्यात होता है और इसकी बुनाई में लगभग 10 लाख से अधिक गरीब बुनकर मजदूर लगे हैं। इस वित्तिय वर्ष में केवल भदोही मिर्जापुर व वाराणसी में ही करीब 1000 से अधिक व्यापारियों को अमेरिका से 2500 करोड़ रुपये के हैंड टफ्टेड और हैंडनॉटेड कालीनों के ऑर्डर मिले थे। इनमें से 1500 करोड़ का माल पहले ही तैयार हो चुका है, जिसे अमेरिका का सबसे बड़ा पर्व क्रिसमस से पहले निर्यात किया जाना था। लेकिन टैरिफ लागू होने के बाद अमेरिकी कंपनियों द्वारा 10 फीसदी कीमत घटाने की मांग से व्यापारी पसोपेश में हैं। निर्यातकों का कहना है कि अमेरिकी खरीदारों ने कहा है कि टैरिफ लगने से उत्पाद महंगा हो जाएगा और फिर खरीदना मुश्किल होगा। ऐसे में टैरिफ लगने से निर्यातकों को 1100 करोड रुपये से अधिक का नुकसान होने की आशंका है. रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पहले से ही प्रभावित चल रहे हस्तशिल्प उद्योग को इस घोषणा से गहरा झटका लगा है. सीईपीसी के पूर्व प्रशासनिक सदस्य उमेश गुप्ता का कहना है कि खरीदार दो एक महीने से टैरिफ लगने का इंतजार कर रहे थे, जो भी ऑर्डर हुए हैं, वह होल्ड पर थे. और अब ट्रंप के टैरिफ लगाने से ऑर्डर मिलना तो दूर कैंसिल होना शुरु हो गए है. यह हालत सिर्फ कालीन तक सीमित नहीं है। टेक्सटाइल सेक्टर में भी वही कहानी दोहराई जा रही है। जनवरी से मई 2025 तक भारत ने अमेरिका को 4.59 अरब डॉलर का टेक्सटाइल निर्यात किया, जो पिछले वर्ष से 13 फीसदी अधिक था। अब इसी व्यापार पर टैरिफ की तलवार लटक रही है।

पूर्वांचल के भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी आदि कालीन क्लस्टर में व्यापारी और कारीगर हताश हैं। जिन कालीनों की कीमत 1000 से 1500 रुपये प्रति वर्ग गज है, और हैंडनॉटेड जैसे उत्पादों की लागत 8000-9000 रुपये प्रति वर्ग गज पड़ती है, अब उन्हें डिस्काउंट पर बेचने की मजबूरी बन गई है। कंपनियों से रेट में कटौती की बातचीत चल रही है, लेकिन यदि रेट 10-15 फीसदी कम हुआ तो व्यापारियों का घाटा कई करोड़ रुपये में पहुंचेगा। परिणामस्वरूप, कई व्यापारी नए ऑर्डर लेने से बच रहे हैं और छोटे बुनकरों को काम देना भी बंद कर दिया गया है। इससे ग्रामीण बेरोजगारी बढ़ने की आशंका और प्रबल हो गई है।

उद्योग विशेषज्ञों की राय है कि भारत को यूरोपीय संघ, जापान, मिडिल ईस्ट और आसियान देशों में निर्यात बढ़ाने पर फोकस करना चाहिए, ताकि अमेरिकी बाजार के टैरिफ प्रभाव को संतुलित किया जा सके।

प्रधानमंत्री से विशेष राहत पैकेज की मांग

कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के चेयरमैन कुलदीप राज वट्टल ने निर्यातकों और कारीगर संगठनों की तरफ से प्रधानमंत्री से अपील की है कि वह इस संकट में हस्तक्षेप करें और कालीन व टेक्सटाइल उद्योग के लिए विशेष राहत पैकेज घोषित करें। साथ ही अमेरिका के साथ राजनयिक स्तर पर व्यापार संतुलन की पहल की जाए। उनका कहना है कि यह संकट केवल आर्थिक नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक हस्तकला विरासत और पारंपरिक रोजगार की रीढ़ पर चोट है। यदि समय रहते हस्तक्षेप नहीं हुआ तो आने वाले महीनों में बेरोजगारी और घाटे का बड़ा विस्फोट हो सकता है।

उनका कहना है कि भारत के हैंडमेड कालीन उद्योग पर एक बार फिर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय हस्तनिर्मित कालीनों पर लगाए गए अतिरिक्त 5 फीसदी टैरिफ से यह परंपरागत और श्रम-प्रधान उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। देशभर के कालीन उत्पादक क्षेत्रों, भदोही, वाराणसी, मिर्जापुर, शाहजहांपुर, पानीपत, आगरा, जयपुर, और श्रीनगरकृमें काम करने वाले करीब दो करोड़ ग्रामीण बुनकरों और शिल्पकारों की आजीविका पर इसका सीधा असर पड़ा है. सीईपीसी के प्रशासनिक सदस्य वासिफ अंसारी व असलम महबूब का कहना है कि अमेरिका के इस नए शुल्क के चलते अंतरराष्ट्रीय खरीदारों ने पुराने ऑर्डर या तो रद्द कर दिए हैं या कीमतों में भारी कटौती की मांग करने लगे हैं। कई ऑर्डर री-निगोशिएशन के कारण समय पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं। इससे भारत के परंपरागत कालीन क्लस्टर में 30 फी से अधिक कारोबार में गिरावट आई है।

मिसाइल तकनीक में भारत की बडी छलांग

निरंकार सिंह

भारत ने मिसाइल तकनीक में बडी छलांग लगाई है। पिछले माह में पांच महत्वपूर्ण मिसाइलों का परिक्षण करके भारत ने अपनी ताकत दुनिया को दिखायी है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ ने ओडिसा के अब्दुल कलाम दवीप से 'प्रलय' मिसाइल के दो सफल परीक्षण 28 और 29 जुलाई को किये हैं। डीआरडीओके अनुसार दोनों मिसाइलें टारगेट को हिट करने में सफल रहीं। इन मिसाइलों ने तय रास्ते का पालन किया और सटीकः‌प से टारगेट को निषाना बनाया। ऐसे परीक्षणों का मकसद यह देखना होता है कि ये मिसाइलें कम से कम और ज्यादा से ज्यादा कितनी दूर तक मार कर सकती हैं। 'प्रलय' कम दूरी की एक बैलिस्टिक मिसाइल है।

भारत में विकसित यह मिसाइल ठोस ईंधन पर आधारित है और यह 350 से 700 किलोग्राम तक के अलग-अलग तरह के हथियार ले जाने में सक्षम हैं। 'प्रलय'मिसाइलों की मारक क्षमता 150 से 500 किलोमीटर तक है। यह दुश्मन के हर तरहके सैन्य ठिकानों जैसे कि उनके कमांड सेंटर और एयरबेस को निशाना बनाने में सक्षम हैं। 'प्रलय' मिसाइल में खास तरह के नेविगेशन सिस्टम लगाए गए हैं। इससे यह बीच रास्ते में भी कमांड के अनुसार अपनी दिशा बदलने में माहिर हैं। इसलिए, दुश्मनों की ओर से इसे हवा में मार गिराना मुश्किल है। इसके लिए सॉलिड प्रोपेलेंट रॉकेट मोटर का इस्तेमाल किया गया है। इससे इसे जल्दी-जल्दी लॉन्च किया जा सकता है और यह बहुत ही सटीक निशाना लगाने में सक्षम है।

ठससे चहले 16-17 जुलाई को ओडिशा तट के पास से परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों पृथ्वी.2 और अग्नि.1 का सफलतापूर्वक परीक्षण किया जो उसकी सामरिक प्रतिरोधक क्षमता का प्रदर्शन है। यह परीक्षण विशिष्ट सामरिक बल कमान द्वारा किया गया और सभी परिचालन एवं तकनीकी मानकों की पुष्टि की गई। यह उपलब्धि भारत द्वारा 16 जुलाई को लद्दाख में स्वदेशी रूप से विकसित आकाश प्राइम मिसाइल के सफल परीक्षण के बाद आई है। इस मिसाइल को 4500 मीटर से अधिक की ऊँचाई पर मार करने के लिए बनाया गया है। डीआरडीओ ने देश की अब तक की सबसे उन्नत मिसाइल प्रणाली का भी परीक्षण किया है। इसका नाम है ईटी-एलडीएचसीएम। इसका इंजन स्क्रैमजेट हवा से ऑक्सीजन लेता है। इससे मिसाइल हल्की रहती है और बहुत तेज गति से उड़ सकती है। पुराने इंजनों को अपने साथ ऑक्सीजन ले जाना पड़ता था।

लेकिन स्क्रैमजेट इंजन हवा से ही ऑक्सीजन खींच लेता है। इसलिए मिसाइल का वजन कम हो जाता है और वह लंबे समय तक तेज रफ्तार से उड़ान भर सकती है।

इसका परीक्षण नवंबर 2024 में किया गया था। अभी कुछ और परीक्षण होने हैं। यह मैक 8 की गति से उड़ान भर सकती है और 1500 किलोमीटर दूर स्थित लक्ष्यों को भेद सकती है। डीआरडीओ के गोपनीय प्रोजेक्ट विष्णु के तहत विकसित, यह मिसाइल स्क्रैमजेट इंजन का उपयोग करती है। यह परमाणु या पारंपरिक आयुध ले जा सकती है। यह जमीन समुद्र या हवा तीनों से मार कर सकती है। अब भारत स्वदेशी हाइपरसोनिक क्षमता वाले विशिष्ट देशों के क्लब में शामिल हो गया है।

इसे प्रोजेक्ट विष्णु के तहत बनाया गया था जो अगली पीढ़ी के हाइपरसोनिक हथियार विकसित करने के लिए एक गोपनीय कार्यक्रम है। रक्षा अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यह मिसाइल मैक 8 की गति से 1500 किलोमीटर दूर तक के लक्ष्यों को भेद सकती है।

इस मिसाइल की उड़ान के दौरान की गतिशीलता ही इसे सबसे अलग बनाती है। यह हवा में ही अपना रास्ता बदल सकतीहै जो आधुनिक वायु रक्षा प्रणालियों के लिए मुश्किल बना देता है। यह परीक्षण ऐसे समय में हो रहा है जब क्षेत्र में नए टकराव का दौर चल रहा है। रूस और यूक्रेन अभी भी संघर्ष में उलझे हुए हैं। इजराइल और ईरान के बीच युद्ध हो चुका है पर खतरा बना हुआ है। चीन और पाकिस्तान के साथ संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। अगर इस स्वदेशी हाइपरसोनिक मिसाइल ईटी-एलडीएचसीएम के अगले परीक्षण सफल होते हैं, तो यह सिर्फ एक तकनीकी उपलब्धि ही नहीं होगी बल्कि भारत को स्वदेशी हाइपरसोनिक तकनीक वाले देशों की श्रेणी में शामिल कर देगा। ऐसी उन्नत प्रणालियाँ विकसित करना कोई आसान काम नहीं है। इसके लिए वर्षों का शोध भारी निवेश और वैज्ञानिक प्रतिभाओं का एक विशाल समूह चाहिए। प्रोजेक्ट विष्णु हाइपरसोनिक प्रणालियों पर डीआरडीओ का अब तक का सबसेबड़ा दांव है। इसकी योजना बारह अलग-अलग हथियार बनाने की है जिनमें आक्रामक मिसाइलों से लेकर इंटरसेप्टर तक शामिल हैं जो आसमान से आने वाले खतरों को मार गिरा सकते है। हाइपरसोनिक हथियारों को उनका विशेष दर्जा सिर्फ उनकी स्पीड से ही नहीं मिलता है। क्योंकि स्पीड के मामले में बैलिस्टिक मिसाइल भी ध्वनि की गति से तेज चलती हैं। हाइपरसोनिक मिसाइल इतनी तेजी से अपने टारगेट की तरफ बढ़ती है कि उसे एंटी मिसाइल सिस्टम ट्रैक नहीं कर पाता है।

अकेलेपन की त्रासदी झेलते बुजुर्ग

संजीव ठाकुर

चीन,जापान,स्वीटजरलैंड,अमेरिका फ्रांस कनाडा और ब्रिटेन मैं बुजुर्गों की स्थिति अकेलेपन के कारण दयनीय हो गई है। जापान तथा स्विट्जरलैंड में इच्छा मृत्यु लेने वालों की संख्या बढ़ गई। स्विट्जरलैंड,जापान में तो कई केंद्र ऐसे हैं जिनमें इच्छा मृत्यु धारण करने के वाले बुजुर्गों को वहां अलविदा कहकर भेज दिया जाता है। यह स्थिति मानवता के लिए अत्यंत चिंता करने वाली है। मैंने स्वयं अपनी स्वीटजरलैंड अमेरिका तथा ब्रिटेन की यात्रा के दौरान देखा है कि वहां के बुजुर्ग वहां के बाग बगीचों में टहलने की बजाय किताब या उपन्यास पढ़ते देखा हैं। भारत में अभी ओल्ड एज होम यानी वृद्ध आश्रम का चलन उस रफ्तार से नहीं बढा है जितना यूरोपीय देशों में इसका चलन फैशन बन चुका है। वहां पर लगभग 40% बुजुर्गों को ओल्ड एज होम भेज दिया जाता है। भारत के संदर्भ में अभी भी बुजुर्गों को संयुक्त परिवार में काफी वरीयता दी जाती है किंतु जिन परिवारों में बुजुर्गों की संताने एकल परिवार वाली होती हैं वहां निश्चित तौर पर बुजुर्गों को वृद्ध आश्रम भेजने की तैयारी कर ली जाती है। पहले बुजुर्ग अपने नाती पोतों के साथ खेल कर उन्हें दादी नानी की कहानी सुना कर अपना बुढ़ापा गुजार लिया करते थे किंतु अब छोटे बच्चों को शिक्षा हेतु बाहर व्यावसायिक स्कूलों में भेज दिया जाता है जिससे बुजुर्ग एकदम अकेले हो जाते हैं। संतानों के पास अपनी नौकरियों तथा व्यवसाय के कारण बुजुर्गों से बात करने का समय नहीं होता, नतीजतन बुजुर्ग एकदम अकेले हो जाते हैं और अनेक बीमारियों के शिकार होने लगे हैं। भारत में आधुनिकता की होड़ ने देश के संयुक्त परिवारों को खंडित कर दिया है। अधिकांश परिवार अब एकल परिवार में परिवर्तित हो गए, ऐसे में बुजुर्ग तथा बच्चे सबसे ज्यादा इस त्रासदी के शिकार हुए हैं। आधुनिक जीवन शैली ने माता पिता को नन्हे बच्चों से दूर कर दिया है और परिवार में स्त्री पुरुष के नौकरी करने के कारण बच्चे या तो बुजुर्गों के साए में परवरिश के लिए बाध्य हैं अथवा उनकी देखरेख आया बाइयों के भरोसे पर निर्भर हो गई है। बुजुर्गों के साथ उनकी संतानों की संवेदनहीनता ने असहाय सा बना दिया है। बच्चों तथा बुजुर्गों को इसी समय सबसे ज्यादा अपने माता पिता तथा संतानों के सहयोग एवं संरक्षण की आवश्यकता महसूस होती है। यदि आधुनिक जीवन शैली के कारण बुजुर्गों तथा बच्चों का उनके अभिभावक एवं पुत्रों पुत्रियों के साथ संवाद हीनता एक बड़ी पीड़ा का कारण बन जाति है।

भारत में सर्वे के अनुसार बुजुर्गों और नौजवान पीढ़ी के बीच संवाद हीनता एक चिंताजनक स्वरूप ले चुका है। बुजुर्ग एकाकीपन से अब मानसिक रोगों के शिकार होने लगे हैं। जिन बुजुर्गों को चलने फिरने और बाहर जाने में परेशानी होती है उनके लिए नौजवान पीढ़ी के साथ संवाद हीनता परेशानी का एक बड़ा सबक बन चुका है। महिला तथा पुरुष बुजुर्गों के साथ यह समस्या बृहद रूप लेकर सामाजिक समस्या बन गई है। बुजुर्ग हमारी धरोहर हैं इनका जीवन के हर दृष्टिकोण में संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसी तरह बच्चों को नैतिक तथा बुनियादी शिक्षा देकर उन्हें देश का अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी भी माता-पिता पर होती है। पर वर्तमान में बच्चे मां बाप के नौकरी पेशा होने के कारण अपने माता-पिता से दूर होते जा रहे हैं। बुजुर्ग और संतानों के बीच मोबाइल ,व्हाट्सएप फेसबुक और इंटरनेट के कारण संवाद हीनता ने जटिल संकट पैदा कर दिया है। बुजुर्ग यदि अपने मन की बात किसी से कह नहीं सकेंगे तो उन्हें मानसिक रूप से बीमारी का संकट हो सकता है। नौजवान पीढ़ी को खाली समय में मोबाइल कंप्यूटर में फेसबुक व्हाट्सएप इंस्टाग्राम से ही फुर्सत नहीं है। ऐसे में बुजुर्गों के लिए यह संकट और गहराने का खतरा बढ़ता जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बुजुर्गों का अनुभव उनका ज्ञान परिवार,समाज तथा देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

देश की संस्कृति में बुजुर्गों का सम्मान और इज्जत उनकी रक्षा निहित है। वे वटवृक्ष की तरफ हम सबका मार्गदर्शन करते हैं अतः हमारा प्रथम कर्तव्य होगा कि हम वृद्धजनों की हर संभव रक्षा कर उनकी इज्जत, तवज्जो करें। इसके साथ ही हमें बच्चों तथा नौजवानों की भी रक्षा करनी होगी। भारत सरकार की लगातार चेतावनी और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी निर्देशों की अवहेलना अभी भी भारत देश में जारी है।

आय के नए फंडे

डॉ टी महादेव राव

अच्छी कमाई के लिए क्या किया जाए विषय पर मित्रों के साथ चर्चा करने के बाद एक फैसले पर पहुंचा हूं। स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, मंदिर, शराब खाना सारे कामों पर गहन सोच के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि लागत या पूंजी लगाए बिना सिर्फ लाभ ही लाभ देने वाला बेहतरीन आइडिया है स्वामी जी या बाबा जी बनना। हर्रा लगे न फिटकरी रंग चोखा। साधु, संत, स्वामी जी बनने का पूर्वाभ्यास कर रहा हूं।

आप कहेंगे राजनीति में तो बहुत पैसा है, लेकिन मेरा अनुभव है कि सारा मामला भारी खर्चे वाला है। इधर जनता के बीच अपनी छवि बनाए रखनी होगी, उधर हाईकमान की नजर में आने के लिए बड़े-बड़े कष्ट उठाने होंगे। फिर चुनाव में टिकट मिलेगा या नहीं इसकी चिंता। टिकट मिल गई तो जीत के प्रति अनिश्चितता। अगर हार गए तो फिर सड़क पर। इसलिए इस नकली आध्यात्मिक मार्ग का चयन किया हूं। आप पूछेंगे कि अगर पकड़े गए तो पिटाई होगी और नाम डूब जाएगा है न। जनता पर भारी पड़ने वाले नकली स्वामी, डुप्लीकेट बाबाओं में मूर्खता से काम कर पकड़ में आने वाले और मार खाने वाले स्वामियों की संख्या इनी-गिनी है। पैसे कमाने के लिए इतना खतरा तो उठाना ही पड़ेगा। वैसे भी इन स्वामियों के क्षेत्र में कई श्रेणियां हैं। पूजा करके गरीबी दूर करने वाले, लोहे को सोना बनाने वाले, महिलाओं पर नजर रखने वाले, बेरोजगारों को झांसा देने वाले, उम्मीदों भरा भविष्य बताने वाले हैं। इस तरह पैसे लूटते हैं, अपनी तिजोरी भरते हैं। अगर पकड़ में आ भी गए तो न पिटें, ऐसी श्रेणी को चुनने में ही हमारी बुद्धिमत्ता है।

जनता को भोला समझना और अपना काम निकाल लेना इस धंधे का पहला उसूल है। इस बीच सूर्य भगवान को थोड़ी देरी से आने का आदेश दिया हूं कहने वाले बहुत बड़े स्वामी जी बीमार पड़कर कुछ दिन हिलडुल नहीं सके। फिर भी कह रहा था कि मैं समाधि में जा रहा हूं और जनता ने मान लिया। अपने आवासीय जजीरे (द्वीप) को आजाद देश की मान्यता देने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ को आवेदन कर लोगों को आश्चर्य में डाल गया। एक और अनपढ़ बाबा बिना पढ़े परीक्षा में पास होने की ताबीज बांटता फिर रहा था। इतना पैसा कि क्या कहें। एक ओर पोल खुल रही है तो दूसरी ओर इनके पास जनता की लंबी लाइनों में भी कोई कमी नहीं आई। इन सब का मतलब यही है न कि इस धंधे में सिवाय बरकत के कोई नुकसान नहीं।

आपको लग सकता है कि जब पकड़ में आ जाए तो क्या होगा? मेरा कहना यह है मैंने कई प्रकरणों का अध्ययन किया है। कुछ स्वामी अदालत और जेल आते जाते रहते हैं फिर भी अपना धंधा बचाए हुए हैं। दूसरी तरफ धंधे पर पूरा ध्यान रखकर अपनी दिनचर्या निपटा रहे हैं कि नहीं?

देश में परमवीर भक्तों की कमी नहीं है यह पिछले कुछ दिनों से हम देख रहे हैं। वे भक्त स्वामियों में अपने मनपसंद लक्षण ढूंढ कर संतुष्ट रहते हैं। इन सारी बातों के बाद ही मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि एक दिन मैं बहुत बड़ा स्वामी बन जाऊंगा। राजनेता, अधिकारी मेरे चारों तरफ चक्कर लगाते फिरेंगे। तब आपको भी मुझसे मिलना है तो अपॉइंटमेंट लेना होगा। फिर आप कहोगे तुम जैसे लोगों का ही राज है इस कलयुग में।

श्रीकृष्ण की सीख : अपनी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ें

पश्चाताप एक ऐसा भाव है जो हमारे मन को कई सालों तक जकड़े रख सकता है। कोई गलती जो हमसे अनजाने में हो गई, कोई निर्णय जो गलत साबित हुआ, ऐसी कई बातें होती हैं जो हमें अंदर से तोड़ सकती हैं। ये भाव हमें नष्ट करता है और हमें वर्तमान से अलग करके सिर्फ काश... की दुनिया में समेट देता है। श्रीमद् भगवद गीता में श्रीकृष्ण ने ऐसे सूत्र बताए हैं, जिन्हें अपनाने से हम पछतावे से मुक्त हो सकते हैं और जीवन में शांति पा सकते हैं...

कर्म का स्वभाव समझें, निष्काम कर्म करें

श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं-कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।

अर्थः तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने में है, फल में नहीं।

ये श्लोक हमें सिखाता है कि हमारे हाथ में सिर्फ प्रयास करना है, परिणाम नहीं। जब हम अच्छा करने की मंशा रखते हैं, पर परिणाम वैसा नहीं आता, तब पछतावे का भाव आता है। इस भाव से बचना चाहते हैं तो हमें निष्काम कर्म करना चाहिए, अपने प्रयासों पर ध्यान देना चाहिए, न कि परिणामों पर। अगर किसी काम के लिए हमारी नीयत अच्छी है और उसमें असफलता मिलती है तो खुद को क्षमा करके आगे बढ़ना चाहिए। खुद को दोषी ठहराने से पछतावे का भाव बना रहेगा। जो बात हमारे नियंत्रण में नहीं है, उसके लिए दुखी नहीं होना चाहिए।

किसी बात का शोक करने से बचें

श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं - पण्डिता न अनुशोचन्ति।

अर्थः ज्ञानी व्यक्ति न जीवित के लिए शोक करता है और न मृत के लिए।

हमें किसी भी स्थिति में शोक नहीं करना चाहिए। गलती सभी मनुष्य करते हैं, लेकिन जो बुद्धिमान हैं, वे अपनी गलतियों से सीखते हैं, सुधार करते हैं और फिर आगे बढ़ जाते हैं। जब हम इस बात को अपने जीवन में उतार लेंगे तो असफल होने के बाद भी शोक नहीं होगा, हम पछतावे के भाव से बचे रहेंगे। गीता कहती है कि गलतियां हमारे कर्म का हिस्सा है, इसे सुधारकर हम बेहतर बन सकते हैं।

निराशा से बचें और आगे बढ़ते रहें

श्रीकृष्ण कहते हैं- क्लैब्यं मा स्म गमः पार्थ, नैतत्त्वय्युपपद्यते। उठिष्ठ!

अर्थः यह कायरता तुझ पर शोभा नहीं देती, उठ और युद्ध कर। ये युद्ध प्रतीक है अपने भीतर के पछतावे से लड़ने का। श्रीकृष्ण हमें निराशा में डूबने नहीं देते, वे हमें आगे बढ़ने को प्रेरित करते हैं। पछतावे को खुद को सजा देने का माध्यम न बनाएं, बल्कि चरित्र निर्माण का अवसर बनाएं। जो बीत गया, उसे पकड़कर न बैठें, हर पल एक नई शुरुआत है।

समर्पण और क्षमा की शक्ति

श्रीकृष्ण कहते हैं- सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज। अहं त्वां सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यामि मा शुचः।।

अर्थः सब कुछ छोड़ कर मेरी शरण में आओ, मैं तुम्हें सभी पापों से मुक्त कर दूंगा। शोक मत करो।

श्रीकृष्ण कहते हैं कि यदि तुमने गलती की है, लेकिन हृदय से पछताते हो और सुधार का संकल्प लेते हो तो ईश्वर भी तुम्हें क्षमा कर देते हैं। खुद को उसी तरह क्षमा करें, जैसे भगवान करते हैं। पश्चाताप को नया मोड़ बनाएं, न कि आजीवन बोझ।

वर्तमान में जीना ही शांति पाने का सूत्र है

श्रीकृष्ण बार-बार अर्जुन को अभी में जीने को कहते हैं। भूतकाल की पीड़ा या भविष्य की चिंता दोनों ही हमें कमजोर बनाती हैं। शांति चाहते हैं तो वर्तमान पर ध्यान दें। वर्तमान ही सबसे शक्तिशाली क्षण है। अभी के कर्म को बेहतर बनाकर हम अतीत की गलती को सुधार सकते हैं। गलती से इंसान गिरता है, लेकिन उसे स्वीकार करके उठने वाला ही सच्चा साधक बनता है।

घर में इस जगह पर भूलकर भी ना रखें मनी प्लांट का पौधा

मनी प्लांट का पौधा लगाने से आती है सुख समृद्धि

अगर पौधे को सही दिशा में ना रखा जाए तो आप किसी भी पौधे की कितनी भी देखभाल करें, वह अंत में मुरझा सकता है। साथ ही इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश हो सकता है और परिवार को आर्थिक या भावनात्मक नुकसान हो सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, पौधों का घर में सुख-शांति और समृद्धि से सीधा संबंध होता है। इन पौधों का ईश्वर से भी संबंध माना जाता है। मनी प्लांट का संबंध भौतिक सुख सुविधाओं के स्वामी शुक्र ग्रह से है। इस पौधे को घर में रखने से न केवल सुंदरता बढ़ती है, बल्कि सुख-समृद्धि भी आती है।

मनी प्लांट का पौधा इस दिशा में लगाएं

ज्योतिष और वास्तु शास्त्र कहता है कि अगर मनी प्लांट को सही दिशा में रखा जाए, तो यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा लाता है। इससे धन में वृद्धि होती है और आर्थिक तंगी से राहत

मिलती है। तो मनी प्लांट लगाने की सही दिशा कौन सी है? वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस पौधे को लगाने के लिए दक्षिण-पूर्व या आग्नेय कोण सबसे शुभ दिशा है। इस दिशा में मनी प्लांट लगाने से घर में सुख-समृद्धि और आर्थिक उन्नति आती है। इस दिशा की स्वामी देवी लक्ष्मी और हनुमान जी हैं तथा ग्रह प्रतिनिधि शुक्र हैं।

मनी प्लांट का पौधा भूलकर भी इस दिशा में ना लगाएं दूसरी ओर, मनी प्लांट को कभी भी उत्तर-पूर्व दिशा (ईशान कोण) में नहीं लगाना चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस दिशा का देवताओं के गुरु बृहस्पति देव हैं, जो असुरों के गुरु शुक्र ग्रह के विपरीत है। इस दिशा में मनी प्लांट लगाने से घर में आर्थिक नुकसान, कलह और नकारात्मकता आ सकती है। इसके अलावा, इस पौधे को दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम दिशा में नहीं रखना चाहिए। इससे जीवन में ठहराव, करियर में रुकावट और आर्थिक अनिश्चितता आ सकती है। योध्या के ज्योतिषाचार्य कल्कि राम कहते हैं कि अगर मनी प्लांट को वास्तु के अनुसार दक्षिण-पूर्व कोने में रखा जाए तो घर में धन का प्रवाह बढ़ता है। साथ ही अगर ई वास्तु दोष है भी तो वह धीरे-धीरे दूर होने लगता है।

गुरुवार व्रत में क्या खाएं और क्या न खाएं?

आप पहली बार गुरुवार का व्रत रखने जा रहे हैं, तो कुछ जरूरी बातें जान लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। हिंदू धर्म में हर दिन का संबंध किसी न किसी देवी-देवता से होता है और गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस दिन भक्त व्रत रखकर भगवान विष्णु और केले के पेड़ की पूजा करते हैं। ऐसा माना जाता है कि सच्चे मन से पूजा करने से हर मुश्किल आसान हो जाती है और जीवन में सुख-शांति आती है, लेकिन व्रत के दौरान सिर्फ पूजा ही नहीं, बल्कि खाने-पीने से जुड़ी कुछ बातों का ध्यान रखना भी बहुत ज़रूरी होता है। क्या खाएं, क्या नहीं?

व्रत में क्या खाएं?

गुरुवार व्रत में हल्का और पौष्टिक खाना लेना बेहतर होता है। इस दिन फलाहार करना ज्यादा सही माना जाता हैः

दूध, दही, पनीर और मक्खन जैसी चीजें ली जा सकती हैं। इनसे शरीर को ताकत मिलती है और कमजोरी महसूस नहीं होती हैं ।

अगर आप गेहूं का आटा नहीं ले रहे हैं, तो कुट्टू का आटा, सिंघाड़े का आटा, अरारोट, राजगीरा या समा के चावल का इस्तेमाल करें।

संतरा, पपीता, अंगूर, तरबूज, खरबूज जैसे फल खाएं। इससे बॉडी हाइड्रेट रहेगी और एनर्जी बनी रहेगी।

शकरकंद, गाजर, खीरा और टमाटर जैसे हल्के और ठंडक देने वाले सब्जियों का सेवन करें।

एनर्जी के लिए ड्राई फ्रूट्स जैसे बादाम, काजू, अखरोट, खजूर, मूंगफली भी खा सकते हैं।

व्रत का खाना सेंधा नमक, जीरा, साबुत मसाले, गुड़, अमचूर, लाल मिर्च से तैयार करें।

तेल के तौर पर मूंगफली का तेल, घी या सनफ्लावर ऑयल का इस्तेमाल करें।

व्रत में क्या न खाएं?

गुरुवार व्रत के दौरान कुछ चीजों से पूरी तरह परहेज करना जरूरी होता हैः

प्याज और लहसुन का सेवन न करें, ये व्रत के नियमों के खिलाफ माने जाते हैं।

गेहूं का आटा, बेसन, सूजी, मैदा और चावल जैसे अनाज व्रत में नहीं खाए जाते।

व्रत के दिन सामान्य नमक की जगह सिर्फ सेंधा नमक का इस्तेमाल करें।

चाय, कॉफी और सॉफ्ट ड्रिंक्स से भी दूर रहें, खासकर अगर व्रत पूरी तरह फलाहार का है।

व्रत के दौरान शराब, सिगरेट या किसी भी तरह का नशा बिल्कुल न करें।

ॐ नमः शिवाय मंत्र का जप क्यों है खास? जानिए इसके आध्यात्मिक लाभ और जीवन में आने वाले बदलाव

पूजा से जुड़ी खास बातें

इस दिन केले के पेड़ की पूजा जरूर करें। केले को भगवान विष्णु को चढ़ाएं, लेकिन खुद न खाएं।

पीले फूल, पीले वस्त्र और पीले रंग की मिठाई का उपयोग करें। यह भगवान विष्णु को प्रिय होता है।

कोशिश करें कि पूरे दिन सात्त्विक और शांत मन से रहें और भगवान का नाम लेते रहें।

धराली में फिर मलबे में समा गए कल्प केदार जहां खीर गंगा करती थीं जलाभिषेक

उत्तराखंड में उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 4 लोगों के मरने की खबर है। अचानक बादल फटने से खीर गंगा नदी में पानी का जल स्तर इतना बढ़ा कि उसने तबाही मचा दी। इसके मलबे में यहां का प्रसिद्ध कल्प केदार मंदिर दब गया। इस मंदिर में केदारनाथ धाम की झलक मिलती है। अपदा से पहले यहां हर समय खीर गंगा भगवान शिव का जलाभिषेक करती थीं।

केदारनाथ धाम जैसा कल्प केदार मंदिर

धराली के कल्प केदार मंदिर की बनावट केदारनाथ धाम मंदिर के जैसे ही है। इस मंदिर को कत्यूर शैली में बनाया गया है। यह प्राचीन वास्तुकला और समृद्ध इतिहास का प्रतीक है। बताया जाता है कि कल्प केदार मंदिर के गर्भगृह का शिवलिंग नंदी की पीठ के आकार का है। यह शिवलिंग ठीक वैसे ही है, जैसे केदारनाथ मंदिर का शिवलिंग है। मंदिर के बाहर के पत्थरों पर नक्काशी की गई है, जो काफी आकर्षक है।

हर समय खीर गंगा करतीं थीं जलाभिषेक

बताया जाता है कि कल्प केदार मंदिर जमीन की सतह से नीचे है। भगवान कल्प केदार की पूजा के लिए भक्तों को नीचे जाना पड़ता था। गर्भगृह में जो शिवलिंग स्थापित है, उस पर हर समय खीर गंगा का पानी गिरता रहता था, जैसे मानो कि खीर गंगा स्वयं भगवान शिव का जलाभिषेक कर रही हों। खीर गंगा के जल को आने के लिए एक मार्ग भी बनाया गया था।

1945 में मिला यह प्राचीन शिव मंदिर

भगवान शिव का यह कल्प केदार मंदिर कई सालों तक जमीन के नीचे ही दबा था। हो सकता है कि पहले आई आपदाओं के मलबे में यह दबा गया हो। 1945 में यहां पर कई फीट नीचे खुदाई हुई तो यह प्रचीन शिव मंदिर मिला।

मंदिर का आधा हिस्सा जमीन में

जीमन की सतह से 12 फीट नीचे तक खुदाई की गई थी। इस मंदिर का आधा हिस्सा फिर भी जमीन में ही था। इस मंदिर में भगवान शिव की सफेद रंग की मूर्ति है, उनके आसपास नंदी, शेर, शिवलिंग आदि भी हैं। लोक मान्यताओं के अनुसार, यह एक पांडवकालीन शिव मंदिर है, जो कभी 240 मंदिरों के समूह में शामिल था। बाद में ये सभी प्राकृतिक आपदाओं की वजह से भौगोलिक बदलाव में लुप्त हो गए। कल्प केदार मंदिर के पास के अवशेष 17वीं सदी के बताए जाते हैं। कल्प केदार मंदिर पुरातत्व विभाग की सूची में शामिल है।

कहां हैं कल्प केदार मंदिर

कल्प केदार मंदिर धराली गांव में है, जो उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से 75 किलोमीटर दूर गंगोत्री हाइवे पर बसा है। यह गंगोत्री से 20 किलोमिटर की दूरी पर है।

राखी बांधने से पहले बहन कर लें ये काम, शुभ होगा दोनों का साल

सावन पूर्णिमा की तारीख सनातन धर्म में बहुत खास महत्व रखती है क्योंकि इस दिन पूरे देश भर में रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाता है। रक्षाबंधन के दिन सभी बहनें अपने भाई की लंबी उम्र की कामना के लिए कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई बहन की रक्षा का वचन देता है। रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र प्यार का भी प्रतीक है।

सावन माह की पूर्णिमा तारीख के दिन पूरे देश भर में रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाता है। इस साल 09 अगस्त को रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाएगा। रक्षाबंधन के दिन इस साल बहुत शुभ योग बन रहा है क्योंकि इस साल भद्रा का साया नहीं रहेगा।

क्योंकि भद्रा के समय राखी नहीं बांधना चाहिए, अशुभ होता है। वहीं रक्षाबंधन के दिन राखी बांधने से पहले यह काम जरूर कर लेना चाहिए, इससे भाई-बहन के जीवन में सुख-समृद्धि बढ़ती है और रिश्ते में मिठास आती है।

राखी बांधने से पहले कर ले यह काम

रक्षाबंधन के दिन बहन अपने भाई को राखी बांधती है। वहीं राखी बांधने से पहले बहन एक दिन पहले शाम के समय घर के किसी देवी-देवता, खासकर भगवान गणेश के सामने राखी को रख दे और अगले दिन यानी रक्षाबंधन के दिन बहन सुबह स्नान करके भगवान गणेश या घर के देवी-देवता की पूजा करके ही भाई को राखी बांधे। इसके साथ ही राखी बांधते समय भाई को केसर का तिलक लगाए। इससे गुरु ग्रह मजबूत होंगे और जीवन में अच्छी ऊर्जा का संचार होगा।

झारखंड का अनोखा शिवलिंग, यहां एक बार में 1008 बार हो जाता है जलाभिषेक

सावन माह के दौरान शिव भक्त सैकड़ों किलोमीटर की कांवर पदयात्रा कर शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं। झारखंड के चतरा जिले के इटखोरी में मां भद्रकाली मंदिर परिसर में बना सहस्त्र शिवलिंग सावन माह में शिवभक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र बन गया है। यह धार्मिक स्थल अपनी अद्भुत विशेषताओं के कारण पूरे देश में प्रसिद्ध है। जहां एक साथ 1008 शिवलिंगों पर जल चढ़ाने का दुर्लभ सौभाग्य भक्तों को प्राप्त होता है।

1008 शिवलिंग पर जलाभिषेक

मंदिर परिसर में मौजूद यह 5 फीट ऊंचा और 4 फीट गोलाई वाला शिवलिंग काले पत्थर से निर्मित है। शिवलिंग के चारों तरफ 1008 छोटे-छोटे शिवलिंग समाहित हैं। शिवलिंग के ऊपर लोगों द्वारा जलाभिषेक करने पर जल एक-एक कर 1008 शिवलिंगों पर अर्पित होता है, जो अपने आप में एक चमत्कारिक दृश्य है। सावन में देवघर जाने वाले या आने वाले कांवरिया यहां जल अर्पित करना नहीं भूलते हैं। यही वजह है कि इस पावन महीने में यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है।

दसवीं शताब्दी में निर्माण का उल्लेख

मंदिर के पुजारी उमेश पांडेय के अनुसार इटखोरी का सहस्त्र शिवलिंगम 10वीं शताब्दी का है। मंदिर परिसर के आसपास उत्खनन से प्राप्त शिलालेखों और ताम्र पत्रों के अनुसार इस मंदिर का निर्माण पाल वंश के शासक महेंद्र पाल ने 988 ईस्वी से 1038 ईस्वी के बीच कराया था। इटखोरी के संग्रहालय में पाल वंश काल के अवशेष मौजूद हैं, जिनमें सनातन, बौद्ध और जैन धर्म की प्रतिमाएं शामिल हैं। ये अवशेष 9वीं से 12वीं सदी के हैं, जो इस क्षेत्र की प्राचीनता को दर्शाते हैं।

जब माता-पिता और गुरु हमारी आलोचना करते हैं तो इसका अर्थ है कि वे हमें सुधारना चाहते हैं

माता-पिता और गुरु को ईश्वर का रूप माना जाता है। इनके लिए आदर, श्रद्धा का भाव रखना चाहिए। शास्त्रों में कहा गया है- मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, आचार्य देवो भव। इसका अर्थ है माता-पिता, गुरु और आचार्य ये सब देवताओं के समान हैं। जीवन के विभिन्न पड़ावों पर माता-पिता और गुरु हमारा मार्गदर्शन करते हैं और हमारी कमियों को भी उजागर करते हैं। ये लोग जब हमारी आलोचना करते हैं तो इसका अर्थ है कि वे हममें सुधार चाहते हैं।

ब्राइडल लुक में खूबसूरत नजर आईं जान्हवी कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'परम सुंदरी' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच उनका एक खास वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह ब्राइडल लुक में नजर आ रही हैं।

जान्हवी का लुक

जान्हवी कपूर को मसाबा गुप्ता ने दुल्हन के रूप में पेश किया है। उनका यह लुक सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में जान्हवी अलग-अलग ब्राइडल लुक में दिखीं। उन्होंने भूरा लहंगा, सिंदूरी लाल लहंगा, लाल बस्टियर के साथ लहंगा स्कर्ट, धोती स्कर्ट और ब्लाउज के साथ कई शानदार पोज दिए। इन लहंगों की हर डिजाइन में जरदोजी, सेक्विन, गोटा पट्टी कढ़ाई, लटकन और झालरों का खूबसूरत काम दिखाई दे रहा है। जान्हवी ने इन लुक्स को सोने के गहनों, आकर्षक मेकअप और फूलों से सजे हेयर स्टाइल के साथ पूरा किया।

फैंस के कमेंट्स

जान्हवी के इस लुक पर राजकुमार राव की पत्नी और एक्ट्रेस पत्रलेखा ने लाल दिल वाला इमोजी शेयर किया है। सोशल मीडिया पर कई लोगों को जान्हवी का ब्राइडल लुक पसंद आया। एक फैन ने लिखा, 'मसाबा ब्राइडल में करीना की झलक दिखी, वो सबसे ऊपर थीं', एक और फैन ने लिखा, 'अद्भुत', एक और फैन ने लिखा, 'वह बहुत ही खूबसूरत लग रही हैं', एक और फैन ने लिखा, 'जान्हवी ने श्रीदेवी जी की याद दिला दी उनकी आंखें शानदार हैं।' एक फैन ने लिखा, 'यह लुक सपनों जैसा है। तो वहीं कुछ फैन ने इस लुक को 'आइकॉनिक' बताया।

जान्हवी का वर्कफ्रंट

जान्हवी कपूर कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। वह 'परम सुंदरी' में नजर आएंगी। यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा ने किया है। इसका निर्माण मैडॉक फिल्म्स के तहत दिनेश विजन ने किया है। फिल्म में जान्हवी के अलावा सिद्धार्थ मल्होत्रा नजर आएंगे। यह फिल्म 29 अगस्त, 2025 को रिलीज होगी। इस फिल्म के अलावा जान्हवी 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आएंगी। इस फिल्म में जान्हवी एक्टर वरुण धवन के साथ नजर आएंगी। यह एक रोमांटिक फैमिलीड्रामा फिल्म है। इस फिल्म को शशांक खेतान ने लिखा और निर्देशित किया है।

मोनालिसा ने फिल्म के लिए मांगे 10 करोड़? वायरल गर्ल ने बताया सच

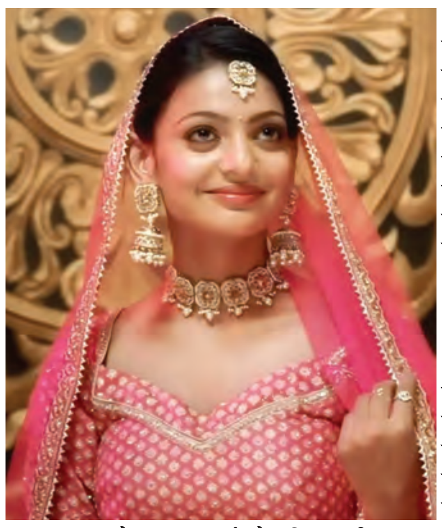

महाकुंभ से वायरल हुई मोनालिसा की जिंदगी पूरी तरह से बदल चुकी है. वो अब फिल्मों में नजर आने वाली हैं. मोनालिसा ने अपनी फीस को लेकर सच्चाई बताई है.

महाकुंभ में रुद्राक्ष की माला बेचकर फेमस हुई मोनालिसा की जिंदगी पूरी तरह से बदल चुकी है. उनका लुक से लेकर बोलने तक का स्टाइल सब बदल गया है. मोनालिसा को फिल्मों में भी काम मिल गया है. उनका हाल ही में एक म्यूजिक वीडियो रिलीज हुआ था. जो लोगों को खूब पसंद आ रहा है.

मोनालिसा के पास काम की लाइन लगी हुई है. वो कई फिल्में साइन कर चुकी हैं और भी कई प्रोजेक्ट्स मोनालिसा के आने वाले हैं. मोनालिसा ने हाल ही में अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में एक इंटरव्यू में बात की. जब मोनालिसा से पूछा गया कि उन्होंने फिल्म के लिए 10 करोड़ मांगे हैं तो रिएक्शन वायरल हो रहा है.

क्या है सच्चाई

मोनालिसा ने एक इंटरव्यू में कहा- 'मैंने फिल्म साइन की है लेकिन मैंने 10 करोड़ नहीं मांगे हैं. अगर मुझे सच में इतने पैसे मिल जाते तो मैं स्कूल खुलवा देती, जो मेरा सपना है.' बता दें मोनालिसा एक्टिंग क्लासेस ले रही हैं. वो फिल्मों में आने के लिए खुद पर बहुत मेहनत भी कर रही हैं. उनका कहना है कि उन्हें आज भी विश्वास नहीं होता है कि वो वायरल हो गई हैं और उन्हें लोगों का ढेर सारा प्यार मिल रहा है.

मोनालिसा की डेब्यू फिल्म की बात करें तो इसका नाम द डायरी ऑफ मणिपुर हैं. जिसे सनोज मिश्रा डायरेक्ट कर रहे हैं. मोनालिसा ने अपनी फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है. वो अब एक ज्वैलरी ब्रांड भी एंडोर्स कर रही हैं. वो आए दिन इवेंट में जाने लगी हैं. जहां पर उन्हें लोगों का खूब प्यार मिलता है. वो सोशल मीडिया पर भी रील्स शेयर करती रहती हैं.

'बिग बॉस' के कंटेस्टेंट की होगी 'नागिन 7' में एंट्री

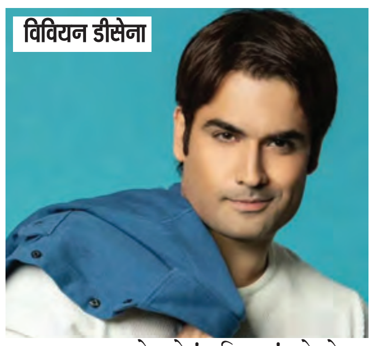
विवियन डीसेना

एकता कपूर के शो 'नागिन 7' को लेकर आए दिन नए अपडेट्स सामने आ रहे हैं. हाल ही में खबर आई थी कि विवियन डीसेना शो में 'वैम्पायर' की भूमिका में नजर आएंगे. अब 'बिग बॉस' के इस कंटेस्टेंट को अप्रोच किया गया है.

'नागिन' नए सीजन के साथ टीवी पर वापसी के लिए तैयार है. ऐसे में 'नागिन 7' को लेकर दर्शक काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं. वहीं, मेकर्स भी फैंस के एक्साइटमेंट को बढ़ाने के लिए कोई ना कोई ट्रिक अपना ले रहे हैं. बीते दिनों खबर आई थी कि 'नागिन 7' में विवियन डीसेना वैम्पायर बने नजर आएंगे.

वहीं अब इस शो को लेकर एक नई खबर सामने आ रही है. रिपोर्ट के अनुसार 'बिग बॉस' के एक्स कंटेस्टेंट विशाल पांडे को मेकर्स ने शो के लिए अप्रोच किया है. बता दें विशाल पांडे को 'बिग बॉस ओटीटी 3' में देखा गया था. इस शो में विशाल को लोगों ने काफी पसंद किया था.

रिपोर्ट के अनुसार 'नागिन 7' में विशाल पांडे को कास्ट किया जा रहा है. रिपोर्ट के अनुसार इस शो में प्रियंका चाहर चौधरी लीड रोल में दिखाई देंगी. अब फैंस ये सोच रहे हैं कि कहीं शो में विशाल को प्रियंका के अपोजिट तो कास्ट नहीं किया जा रहा है.

मालूम हो हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें विवियन डीसेना को देखा गया था. इस वीडियो को एकता कपूर ने रिकॉर्ड किया था. वीडियो में विवियन से एकता कपूर पूछ रही थीं कि हम क्या करने वाले हैं? सांपों के साथ हम कुछ करने वाले हैं? विवियन ने गर्दन हिलाते हुए जवाब दिया था नहीं.

क्या नहीं बनेगी 'शक्तिमान' पर फिल्म? मुकेश खन्ना बोले- रुकावट के लिए खेद है

तीन साल पहले लोकप्रिय टीवी शो 'शक्तिमान' पर फिल्म बनाने की घोषणा हुई थी, लेकिन अभी तक इस पर कोई अपडेट ना मिलने के कारण सवालों का दौर जारी है। इसी बीच सुपरस्टार मुकेश खन्ना ने फिल्म को लेकर चौंकाने वाली बात कह दी है।

90 के दशक में दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाला सबसे चर्चित शो 'शक्तिमान' प्रत्येक बच्चों की पहली पसंद था। अभिनेता मुकेश खन्ना ने शक्तिमान के किरदार को घर-घर में प्रसिद्ध कर दिया था। पॉपुलर शो शक्तिमान पर इस समय फिल्म बनाने की बात चल रही है, जिसकी घोषणा करीब तीन साल पहले हुई थी। लेकिन एलान के बाद से ही मेकिंग को लेकर कोई अपडेट नहीं है। अब सुपरस्टार मुकेश खन्ना ने फिल्म को लेकर ऐसी बात कह दी है, जो फैंस को परेशान कर रही है। आइए जानते हैं क्या है शक्तिमान फिल्म को लेकर जानकारी।

क्या मुकेश खन्ना खुद हैं वजह?

हाल ही में मुकेश खन्ना ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस दौरान एक्टर से सवाल किया गया कि शक्तिमान फिल्म कब आएगी। इसके जवाब में एक्टर ने कहा कि आजकल ये बहुत बड़ा सवाल बन गया है, जिसे हर कोई जानना चाह रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं सब झूठ है शक्तिमान फिल्म नहीं आएगी। लेकिन अभिनेता ने बताया, 'रुकावट के लिए खेद है, यह फिल्म अटकी हुई है और इसका कारण मैं खुद हूं, क्योंकि मुझे शक्तिमान चाहिए।'

फिल्म को लेकर पूरे हुए ये काम

बातचीत में मुकेश खन्ना ने बताया कि आगामी फिल्म शक्तिमान के लिए पेपरवर्क का काम हो गया है और सोनी लिव के साथ एग्रीमेंट भी साइन हो चुका है। अभिनेता को मनचाहा किरदार मिलते ही फिल्म शुरू हो सकती है।

इन किरदारों से छा गए मुकेश खन्ना

मुकेश खन्ना ने फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं लेकिन वह टीवी पर शक्तिमान और पितामाह भीष्म का किरदार निभाकर दर्शकों के बीच मशहूर हो गए। आज भी दर्शक उन्हें इन किरदारों के कारण पहचानते हैं।

59 की उम्र में कैसे इतने फिट हैं मिलिंद सोमन

एक्टिंग से ज्यादा मिलिंद सोमन अपने फिटनेस को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहते हैं. 59 की उम्र में भी उनकी ऐसी फिटनेस देख सभी चौंक जाते हैं. जानिए उनके फिटनेस के पीछे का सीक्रेट. 59 की उम्र में भी मिलिंद सोमन की फिटनेस कमाल की है. वे अपनी फिटनेस से वो कई युवाओं को भी मात दे सकते हैं. वर्कआउट के अलावा वो अपने डाइट में क्या शामिल करते हैं जिससे आज भी उनकी तंदुरुस्ती बिलकुल जवानी जैसी है. जानिए उनका डायट प्लान.

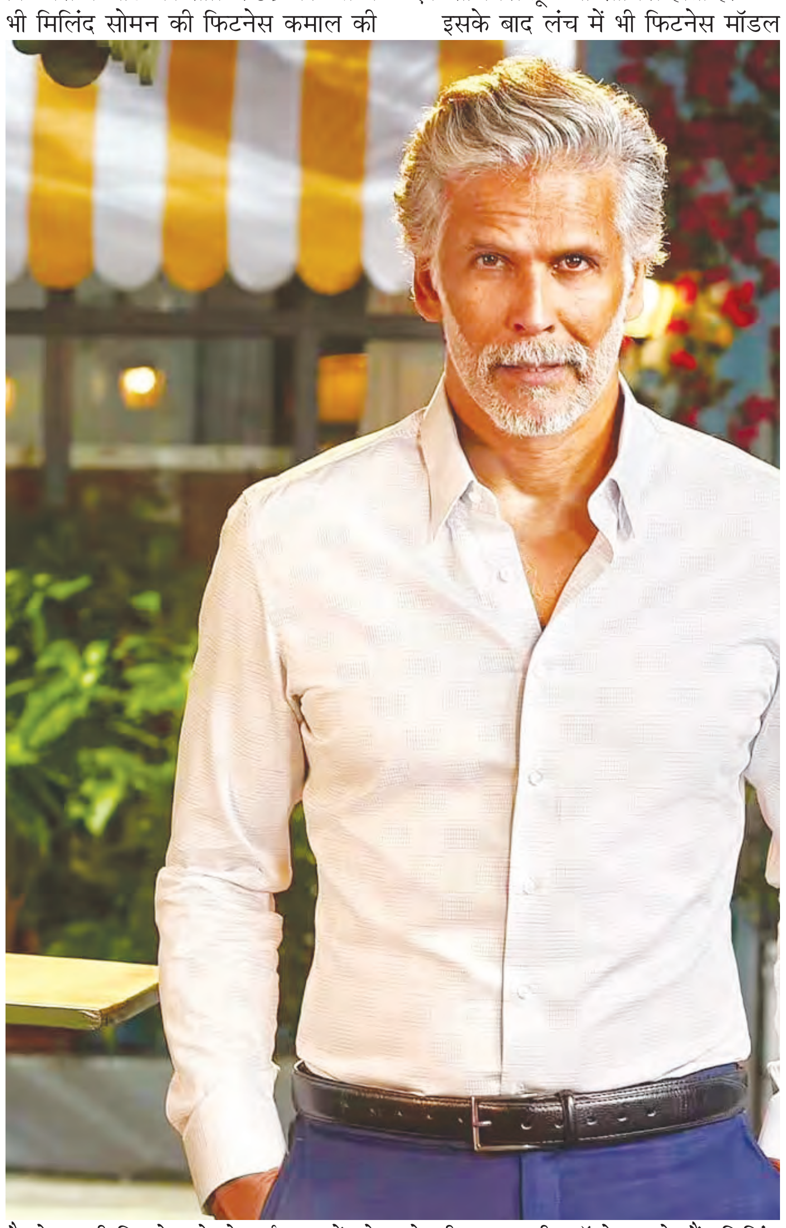

पॉपुलर एक्टर और मॉडल मिलिंद सोमन अपनी फिटनेस से हमेशा ही लाइमलाइट में रहते हैं. इस उम्र में भी उनके फिटनेस और एनर्जी को देख सभी हैरान रह जाते हैं. आइए जानते हैं कैसे वो खुद को इतना फिट रखते हैं.

इंटरव्यू के दौरान अभिनेता ने बताया था कि वो रोज सुबह उठकर रनिंग के लिए जाते हैं. वर्कआउट और रनिंग के मदद से उन्होंने इस उम्र में भी खुद को मेंटेन कर के रखा है. इसके अलावा उनके फिटनेस में हेल्थी डाइट प्लान का भी बड़ा हाथ है.

मिलिंद सोमन ने बताया था कि वो रोज सुबह 8:30 बजे तक उठ जाते हैं. उठने के बाद भी वो थोड़ी देर बीएड में रिलैक्स करते हैं उसके बाद अपने दिन की शुरुआत करते हैं. मिलिंद सोमन तला हुआ और प्रोसेस्ड फूड्स खाना अवॉइड करते हैं. इसलिए वो नाश्ते में नट्स के साथ 1 गिलास जूस भी पीते हैं. इसके साथ ही वो पपीता और एक खरबूज भी खाते हैं. उनके सुबह के नाश्ते में एक सीजनल फ्रूट भी शामिल होता है.

इसके बाद लंच में भी फिटनेस मॉडल हेल्थी डाइट ही फॉलो करते हैं. मिलिंद हमेशा अपने डाइट को संतुलित मात्रा में रखने की कोशिश करते हैं और बाहर से ज्यादा घर का खाना खाते हैं.

दोपहर के खाने में मिलिंद सोमन सीजनल सब्जियां, दाल, खिचड़ी, चावल खाना पसंद करते हैं. इसके साथ ही वो अपने खाने में 2 चम्मच घी भी मिलाते हैं. जब वो चावल नहीं खाते तो सब्जियों के साथ वो 6 रोटी खाते हैं.

2 बजे लंच करने के बाद मिलिंद सोमन तीन घंटे का गैप लेते हैं और शाम को 5 बजे ब्लैक टी का सेवन करते हैं. 7:30 बजे के पहले ही उनका डिनर कंप्लीट हो जाता है और रात के खाने में भी हेल्थी और लाइट भोजन का सेवन करते हैं.

मिलिंद सोमन के डिनर की बात करें तो वो एक प्लेट सब्जी और भाजी खाते हैं. अगर ज्यादा भूख लग रही है तो खिचड़ी का सेवन करते हैं. सोने से पहले गर्म पानी में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर गुड़ के साथ लेते हैं.

आरती सिंह ने दीपक के साथ पहली मुलाकात को किया याद कहा - दो साल बाद मिस्टर और मिसेज चौहान बने'

टीवी एक्ट्रेस आरती सिंह ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पति दीपक के साथ कई तस्वीरें शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। इन तस्वीरों में आरती बेहद खुश नजर आ रही हैं। इन शानदार तस्वीरों के साथ आरती ने दीपक से अपनी पहली मुलाकात के बारे में एक खास नोट लिखा है।

आरती और दीपक का लुक

आरती सिंह ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं। इन लेटेस्ट तस्वीरों में आरती येलो साड़ी में बेहद ही खूबसूरत दिख रही हैं। हाथों में लाल चूड़ियों और गले में लंबे मंगलसूत्र ने आरती की खूबसूरती में चार चांद लगा दिए। वहीं आरती के पति और बिजनेसमैन दीपक चौहान व्हाइट रेड प्रिंटेड कुर्ता पजामा में हैंडसम दिखे। आरती ने दीपक के साथ कई रोमांटिक पोज में फोटो क्लिक करवाईं। कहीं वह दोनों डांस करते नजर आए, तो किसी तस्वीर में वह पूजा करते नजर आ रहे हैं।

आरती का पोस्ट

आरती ने अपनी इन शानदार तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर किया और दीपक के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए कैप्शन में लिखा, '6 अगस्त 2023 से आज 2025 तक। पहली बार yachuata मीटिंग से लेकर 2 साल बाद मिस्टर और मिसेज चौहान के रूप में यहां तक। लव यू।'

सेलेब्स और फैंस के कमेंट्स

आरती की इस पोस्ट से कई सेलेब्स और फैंस को लगा कि आज उनकी शादी की सालगिरह है। बॉलीवुड एक्ट्रेस नीलम कोठारी ने लिखा, 'शादी की सालगिरह मुबारक', युविका चौधरी ने लिखा, 'सालगिरह मुबारक हो दोस्तों, टचवुड, नजर ना लगे, हमेशा ऐसे ही रहो', आरती की इस पोस्ट पर फैंस ने भी जमकर कमेंट कर अपनी राय पेश की है। एक फैन ने लिखा, 'सबसे अच्छी जोड़ी', एक और फैन ने लिखा, 'एक दूसरे के लिए बने', एक और फैन ने लिखा, 'बहुत सुन्दर आरती जी', एक और फैन ने लिखा, 'खूबसूरत जोड़ी।'

दीपक और आरती की शादी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरती सिंह और दीपक चौहान ने 25 अप्रैल 2024 को मुंबई के इस्कॉन मंदिर में शादी की थी। उनकी शादी में कई बॉलीवुड हस्तियां शामिल हुई थीं। आरती की शादी में उनके मामा और बॉलीवुड एक्टर गोविंदा भी शामिल हुए थे। शादी के बाद, उन्होंने अपनी पहली सालगिरह पर उत्तराखंड के त्रियुगीनारायण मंदिर में दोबारा शादी की, जहां भगवान शिव और पार्वती ने शादी की थी।

विराट से अफेयर की खबरों पर तमन्ना ने तोड़ी चुप्पी

कहा- वाकई बुरा लगता है, सिर्फ एक बार मिली थी

सालों पहले क्रिकेटर विराट कोहली और तमन्ना भाटिया की एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसके बाद से ही खबरें आने लगी थीं कि दोनों का अफेयर है। हालांकि लंबे समय बाद अब तमन्ना भाटिया ने इन खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए इन्हें महज अफवाह कहा है।

हाल ही में एक इंटरव्यू में तमन्ना से उनकी कुछ पुरानी तस्वीरों से जुड़ीं यादों के बारे में बात की गई थी। इस दौरान उन्हें विराट कोहली के साथ उनकी तस्वीर भी दिखाई गई। इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे वाकई बुरा लगता है, क्योंकि मैं उनसे सिर्फ एक ही दिन मिली थी। इस एड शूट के बाद मैं विराट से कभी नहीं मिली। न ही मैंने उनसे बात की है और न ही मैं उनसे मिली हूं।'

बातचीत में तमन्ना ने पाकिस्तानी क्रिकेटर अब्दुल रज्जाक से नाम जुड़ने पर भी रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा, 'इंटरनेट बहुत फनी जगह है। इंटरनेट के मुताबिक मेरी अब्दुल रज्जाक से शादी हो चुकी है। बेचारे, मैंने उनसे शादी कर ली। मैं माफी चाहती हूं सर (अब्दुल रज्जाक), आपके दो-तीन बच्चे हैं, मुझे नहीं पता उनकी लाइफ कैसी है, लेकिन ये कितना शर्मिंदगी भरा है। मैं उनसे एक जूलरी स्टोर की ओपनिंग में मिली थी।'

तमन्ना ने कहा है कि जब किसी शख्स से ताल्लुक नहीं होता और लोग अफवाहें फैलाते हैं, तो ये बेहद अजीब होता है, लेकिन इस पर कुछ किया नहीं जा सकता। एक्ट्रेस ने इस पर कहा, 'समय लगता है इसे समझने में, लेकिन हम इसके बारे में कुछ कर नहीं सकते। जिसको जो सोचना है, वो वैसे ही सोचेगा। आप सबको बैठकर कंट्रोल नहीं कर सकते।'

तमन्ना ने ये भी बताया है कि वो आए दिन अपना नाम गूगल कर ये पढ़ती हैं कि लोग उनके बारे में क्या लिख रहे हैं। उन्हें ये जानना जरूरी लगता है।

रात में 7-8 के बीच डिनर के क्या फायदे हैं इसके बाद भोजन करने से क्या होता है?

अच्छी सेहत के लिए खान-पान ठीक रखना सबसे जरूरी माना जाता है। आप जो कुछ भी खाते हैं उसका सेहत पर सीधा असर होता है, यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को आहार में ऐसी चीजों को अधिक से अधिक मात्रा में शामिल करने की सलाह देते हैं जिससे जरूरी सभी पोषक तत्व और विटामिन्स-मिनरल्स की पूर्ति हो सके।

पर क्या आप जानते हैं कि जितना जरूरी आहार की पौष्टिकता पर ध्यान देना है, उतना ही जरूरी है कि आप सही समय पर भोजन करें, विशेषतौर पर डिनर यानी रात का भोजन सही समय पर करना बहुत जरूरी है।

अक्सर हम दिनभर की भागदौड़ में डिनर का समय भूल जाते हैं। कभी 9 बजे, कभी 10 या 11 बजे खाना खाते हैं और फिर सीधा सोने चले जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि देर रात का खाना आपकी सेहत पर भारी पड़ सकता है? आयुर्वेद से लेकर आधुनिक मेडिकल साइंस तक, सभी इस बात पर सहमत हैं कि रात में डिनर करने का सबसे सही समय शाम 7 से 8 बजे के बीच होता है। खासतौर पर अगर आप रात 8 बजे से पहले डिनर करते हैं, तो शरीर को कई फायदे मिलते हैं।

7-8 बजे के बीच डिनर करना सबसे अच्छा

अध्ययनों से पता चलता है कि रात में 7-8 बजे के बीच डिनर करना आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को लाभ पहुंचा सकता है। रात का खाना जल्दी खाने से न सिर्फ वजन घटता है, बल्कि नींद, दिल, पाचन और शुगर कंट्रोल में भी बड़े फायदे होते हैं।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार जल्दी खाना खाने वालों में हाई बीपी 27% और हाई कोलेस्ट्रॉल का 19% कम पाया गया है। रात 8 बजे के बाद डिनर करने पर 20% ज्यादा शुगर स्पाइक देखा गया है।

इसके अलावा वजन घटाने, पाचन स्वास्थ्य और नींद की गुणवत्ता में भी इसके लाभ हैं।

जल्दी डिनर से पाचन तंत्र बेहतर होता है

रात में जल्दी खाना खाने का सबसे बड़ा फायदा है कि इससे पाचन ठीक रहता है। जब आप 8 बजे से पहले खाना खाते हैं, तो शरीर को उसे पचाने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। भोजन पचने में लगभग 2 से 4 घंटे लगते हैं। अगर हम खाना खाकर तुरंत सो जाते हैं, तो पाचन क्रिया धीमी हो जाती है और गैस, कब्ज, एसिडिटी जैसी समस्याएं होने लगती है।

जर्नल ऑफ क्लिनिकल गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी में प्रकाशित शोध में पाया गया कि रात का भोजन जल्दी करने से एसिड रिफ्लक्स (सीने में जलन) का खतरा 50% तक कम हो जाता है।

आयुर्वेद में भी बताया गया है कि सूर्य के अस्त होने के बाद पाचन शक्ति धीमी हो जाती है, इसलिए रात को हल्का और जल्दी खाना चाहिए।

नींद की गुणवत्ता भी होती है बेहतर

रात में देर से खाना खाने से शरीर को आराम नहीं मिलता क्योंकि वह खाना पचाने में लगा रहता है। इसका नींद पर भी असर देखा जाता है।

हार्वर्ड मेडिकल की रिसर्च के अनुसार, सोने से 2-3 घंटे पहले भोजन करने से शरीर को शांत और नींद को गहरा बनने में मदद मिलती है। जो लोग जल्दी डिनर करते हैं, उन्हें नींद के दौरान गैस, सीने की जलन या भारीपन कम महसूस होता है। इससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है। अच्छी नींद मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बेहतर है।

वजन घटाने में मदद मिलती है

अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो सिर्फ डाइट नहीं, खाने का समय भी मायने रखता है। इंटरनेशन जर्नल ऑफ ओबेसिटी (2013) में बताया गया कि जो लोग शाम 7 बजे से पहले खाना खाते हैं, उनमें वजन घटने की दर तेज होती है, क्योंकि शरीर कैलोरी को ऊर्जा में बदल पाता है।

देर रात डिनर करने से खाना फैट के रूप में स्टोर होने लगता है। जल्दी खाना खाने से मेटाबॉलिज्म एक्टिव रहता है और इंसुलिन बेहतर तरीके से काम करता है। साथ ही, रात के खाने के बाद फिजिकल एक्टिविटी या वॉक का समय भी मिल जाता है, जो कैलोरी बर्न करने में मदद करता है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए भी समय पर डिनर करना जरूरी है। जल्दी डिनर करने वाले लोगों का फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल बेहतर होता है।

देर रात खाना खाने से शरीर का सर्केडियन रिदम गड़बड़ हो जाता है, जिससे हॉर्मोनल असंतुलन का खतरा रहता है।

ड्रैगन फ्रूट के साइड इफेक्ट्स, जानिए सेहत पर क्या पड़ता है असर?

ड्रैगन फ्रूट को आजकल बहुत से लोग खाना पसंद करते हैं क्योंकि इसमें बहुत सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जैसे विटामिन सी, फाइबर, प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट, आयरन और मैग्नीशियम. ये सारे तत्व शरीर की सेहत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं. यह फल इम्यूनिटी बढ़ाने, पाचन सुधारने और स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए हेल्दी माना जाता है. ड्रैगन खासतौर पर गर्म इलाकों जैसे दक्षिण-पूर्व एशिया और दक्षिण अमेरिका में उगाया जाता है. यह एक खास प्रकार के कैक्टस पौधे हिलोसेरियस अंडटस पर उगता है, जो टेस्ट में थोड़ा मीठा और थोड़ा खट्टा होता है. कुछ लोग इसके टेस्ट की तुलना कीवी या नाशपाती से करते हैं.

ड्रैगन फ्रूट को हिंदी में कमलम भी कहा जाता है और कई जगह इसे पिताया नाम से भी जाना जाता है. यह फ्रूट सबसे हेल्दी फलों की लिस्ट में शामिल है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस हेल्दी फल के कुछ नुकसान भी हो सकते हैं. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ड्रैगन फ्रूट से जुड़े कुछ साइड इफेक्ट्स भी हैं, खासतौर पर तब जब इसे बहुत ज्यादा खाया जाए तो चलिए जानते हैं कि ड्रैगन फ्रूट के साइड इफेक्ट्स क्या है और सेहत पर इसका क्या असर पड़ता है.

ड्रैगन फ्रूट के साइड इफेक्ट्स क्या है?

पाचन संबंधी समस्याएं - ड्रैगन फ्रूट में फाइबर की मात्रा बहुत अच्छी होती है. फाइबर हमारे पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद होता है, लेकिन अगर इस फ्रूट को जरूरत से ज्यादा खा लिया जाए, तो ये फायदे नुकसान में बदल सकते हैं. इससे पेट में गैस, पेट दर्द, दस्त और अपच की समस्या हो सकती है.अगर आपका पेट पहले से ही पाचन की समस्या से जूझ रहे हैं, तो ड्रैगन फ्रूट सही और कम मात्रा में ही खाएं.

ब्लड प्रेशर पर असर

ड्रैगन फ्रूट ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करता है, जो हाई ब्लड प्रेशर वालों के लिए अच्छा है. लेकिन लो ब्लड प्रेशर वालों के लिए ये खतरनाक हो सकता है. इससे चक्कर आना, थकावट और कमजोरी महसूस होना जैसे समस्या हो सकती है. ऐसे में अगर आपका ब्लड प्रेशर पहले से ही कम रहता है, तो ड्रैगन फ्रूट खाने से बचें.

वजन बढ़ने की समस्या

ड्रैगन फ्रूट में नेचुरल शुगर की मात्रा होती है सलिए इसे ज्यादा मात्रा में खाने करने पर कैलोरी इनटेक बढ़ सकता है और वजन बढ़ने का खतरा हो सकता है. खासकर डायबिटीज के मरीजों को यह नुकसान पहुंचा सकता है. इसलिए अगर आप वेट लॉस जर्नी पर हैं, तो इसे बैलेंस में खाएं.

एलर्जी की समस्या

कुछ लोगों को ड्रैगन फ्रूट से एलर्जी हो सकती है. इस फ्रूट में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो एलर्जी की समस्या को बढ़ा सकते है. इससे स्किन पर पर खुजली या रैश, चेहरे या होंठों पर सूजन, सांस लेने में दिक्कत लऔर गंभीर मामलों में एनाफिलेक्सिस जैसी समस्या हो सकती है. ऐसे में आपको पहले से किसी फल से एलर्जी है, तो ड्रैगन फ्रूट खाने से पहले डॉक्टर से सलाह लें.

ब्लड शुगर लेवल की समस्या

ड्रैगन फ्रूट में नैचुर शुगर की मात्रा ज्यादा होती है. इसलिए इसे खाने ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है और ये डायबिटीज मरीजों के लिए खतरनाक हो सकता है. डायबिटीज के मरीज इसे खाने से पहले अपने डॉक्टर से जरूर पूछें.

दवाओं के साथ साइड इफेक्ट्स

कभी-कभी ड्रैगन फ्रूट कुछ दवाओं के साथ रिएक्शन कर सकता है. खासतौर पर ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर या एलर्जी की दवाओं के साथ समस्या ज्यादा हो सकती है.अगर आप किसी भी दवा का सेवन कर रहे हैं, तो ड्रैगन फ्रूट खाने से पहले एक बार डॉक्टर की सलाह लें.

यूरिन का रंग बदलना

ड्रैगन फ्रूट की लाल किस्म खाने के बाद कुछ लोगों का पेशाब या मल गुलाबी या लाल रंग का हो सकता है. यह कोई गंभीर समस्या नहीं है, लेकिन ज्यादा मात्रा में खाना नुकसानदायक हो सकता है.

वहीं अगर आप लगातार और ज्यादा मात्रा में ड्रैगन फ्रूट खाते हैं, तो आपके शरीर में कुछ खास पोषक तत्वों की कमी हो सकती है. इसका कारण यह है कि यह एक ही तरह के विटामिन और मिनरल्स में ज्यादा होता है, जिससे बैलेंस बिगड़ सकता है.

ड्रैगन फ्रूट खाने का सही तरीका क्या है?

1. ड्रैगन फ्रूट खाने से पहले फल को पानी से अच्छी तरह धो लें.
2. इसके बाद बीच से काटकर चम्मच से गूदा यानी पल्प निकालें.
3. वहीं अगर आप चाहें तो टुकड़ों में काटकर फ्रूट सलाद, स्मूदी या दही के साथ खा सकते हैं.
4. इसके बीज भी आप खा सकते है, इन्हें निकालने की जरूरत नहीं होती है.

चेहरे को चमका सकता है कच्चा दूध, ये है इस्तेमाल करने का सही तरीका

चेहरे को ग्लोइंग बनाने के लिए बाजार में तमाम स्किन केयर प्रोडक्ट आते हैं। इनके इस्तेमाल से चेहरे को इंस्टेंट ग्लो मिलता है। पर, कई बार ये प्रोडक्ट त्वचा को फायदा पहुंचाने की बजाय नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। ऐसे में आज के समय में अभिनेत्रियों से लेकर आम लोग भी घरेलू नुस्खे आजमाना ज्यादा पसंद करते हैं। इसी के चलते हम आज आपको बताएंगे कच्चे दूध का फायदा।

दरअसल, बाजार में मिलने वाला कच्चा दूध स्किन को काफी लाभ पहुंचाता है। इसका लाभ तब सबसे ज्यादा मिलता है, जब आप इसका इस्तेमाल सही तरह से करेंगी। इसी के चलते आज इस लेख में हम आपको स्किन पर कच्चे दूध के इस्तेमाल का तरीका बताने जा रहे हैं।, ताकि घर बैठे आप पाएं दमकती और निखरती त्वचा.......

चेहरा दमकाने का सामान

2-3 बड़े चम्मच कच्चा दूध
1 चम्मच बेसन

पैक बनाने का तरीका

इसका पैक बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में कच्चा दूध लें। अब इसमें थोड़ा सा बेसन मिक्स करके पेस्ट तैयार करें। ध्यान रखें कि ये पेस्ट एकदम से पतला न हो जाए। अगर पेस्ट पतला हो गया तो इसे चेहरे पर अप्लाई करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए थोड़ा गाढ़ा पेस्ट बनाएं और थोड़ी देर उसे ऐसे ही रहने दें, ताकि ये अच्छे से सेट हो जाएं।

इस्तेमाल का तरीका

अब बारी आती है इस पैक को इस्तेमाल करने की तो उसके लिए सबसे पहले अपना चेहरा और गर्दन अच्छी तरह से धो लें। इसके लिए किसी अच्छे फेसवॉश का इस्तेमाल करें। फेसवॉश इस्तेमाल करवे के बाद आपका चेहरा पूरी तरह से साफ हो जाएगा।

अब एक ब्रश की मदद से मिश्रण को चेहरे और गर्दन पर समान रूप से लगाएं। अब 15-20 मिनट तक सूखने दें। 20 मिनट के बाद अपने चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। चेहरा धोने के बाद हल्के हाथों से चेहरे को थपथपाते हुए पोंछ लें। इसके बाद मॉइश्चराइज और टोनर का इस्तेमाल अवश्य करें। इससे आपका चेहरा खिल उठेगा।

कब कर सकते हैं इस्तेमाल

यदि आप इस पैक का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो याद रखें कि इसे सिर्फ सप्ताह में 2-3 बार इस पैक का इस्तेमाल करें। इससे ज्यादा इस्तेमाल करेंगे तो ये चेहरे को डैमेंज कर सकता है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा तीन बार इसका इस्तेमाल करें।

बरतें ये सावधानी

इस पैक को इस्तेमाल करने के लिए कुछ सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। दरअसल, ये हर किसी को सूट नहीं करता है। इसलिए यदि पहली बार इस पैक का इस्तेमाल करना है तो पहले पैच टेस्ट करें, ताकी किसी तरह की एलर्जी का खतरा न रहे।

शहरी जीवन कैसे बन रहा है दिल के लिए खतरा?

शहर की चकाचौंध भरी जिंदगी में सुविधा, अवसर और तेज रफ्तार जिंदगी तो है, लेकिन इसके साथ-साथ एक अनदेखा खतरा भी छुपा है जो धीरे-धीरे दिल को कमजोर करता जा रहा है. इस खतरनाक ट्रेंड को एक्सपर्ट्स अर्बन हार्ट सिंड्रोम कर रहे हैं जो कि आज के समय में महानगरों में रहने वाले युवाओं के दिल पर सीधा वार कर रहा है.

जब लाइफस्टाइल बन जाए खतरा

सप्ताह के 5 दिन लगातार काम का दबाव, नींद की कमी, जंक फूड, स्क्रीन टाइम और वीकेंड पर बेवजह का आराम यह पैटर्न अब सिर्फ थकान नहीं लाता बल्कि दिल की बीमारियों की नींव भी बना रहा है. कुछ एक्सपर्ट्स के अनुसार शहरों में रहने वाले 30 और 40 की उम्र के लोगों में भी अब दिल की बीमारियों की शुरुआत की लक्षण दिख रहे हैं वह भी बिना किसी स्पष्ट संकेत के.

अर्बन हार्ट सिंड्रोम क्या है

अर्बन हार्ट सिंड्रोम एक ऐसा शब्द है जो आज के शहरी रहन-सहन से जुड़ी समस्याओं को समेटता है. लगातार तनाव, खराब नींद, घंटों बैठकर काम करना, मिलावटी खान पान, प्रदूषण और कैफीन जैसी चीजों का ज्यादा सेवन इन सभी कारकों के कारण दिल पर दबाव बढ़ता है और धीरे-धीरे हार्ट फंक्शन में गड़बड़ी शुरू हो जाती है. एक्सपर्ट्स के अनुसार यह स्थिति शुरू में किसी बीमारी की तरह महसूस नहीं होती लेकिन धीरे-धीरे यह हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट की गति में समानता और अन्य गंभीर समस्याओं में बदल सकती है.

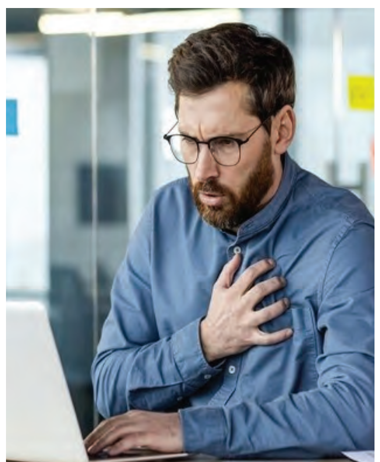

चुपचाप असर करता है यह सिंड्रोम

अर्बन हार्ट सिंड्रोम की सबसे खतरनाक बात यह है कि इसके लक्षण बहुत हल्के और आम होते हैं. जिन्हें लोग मामूली थकान या तनाव समझकर नजरअंदाज कर देते हैं. लगातार थकावट, ठीक से नींद न आना हल्का सा चलने में सांस फूलना, दिल की धड़कनों का तेज होना या सीने में हल्का दर्द यह सभी इसके शुरुआती लक्षण हो सकते हैं. वहीं अगर इन्हें समय रहते नहीं पहचान गया तो यह दिल की गंभीर बीमारियों में बदल सकते हैं. इसलिए नियमित हेल्थ चेकअप से इन संकेत को वक्त रहते पकड़ कर बड़ी मुसीबत से बचा जा सकता है.

महिलाएं ज्यादा खतरे में क्यों है

शहरी महिलाओं के लिए खतरा और भी गंभीर माना जा रहा है. यह वजह यह है कि वह अक्सर दिल की बीमारियों के पारंपरिक लक्षण नहीं दिखाती. छाती में दर्द की जगह उन्हें थकान, अपच, पीठ या जबड़े में दर्द या फिर सांस फूलने जैसा लक्षण होते हैं जिन्हें आमतौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है. साथ ही घर और काम दोनों की जिम्मेदारियां के साथ हार्मोनल बदलाव उनकी स्थिति को और जटिल बना देते हैं. ऐसे में समय पर जांच और जागरूकता ही सुरक्षा की पहली शर्त है.

क्यों बढ़ रहा है यह खतरा

आज की शहरी पीढ़ी देर रात तक जागना, स्क्रीन टाइम पर लगातार समय बिताना और दिन भर बैठे रहकर काम करना जैसे व्यवहारों को की आदी हो चुकी है. इसमें कैफीन और एनर्जी ड्रिंक का ज्यादा सेवन भी शामिल है. यह सभी आदतें शरीर के नेचुरल रूटीन यानी सर्केडियन रिदम को बिगाड़ती है.

वहीं जब आप रात भर जागते हैं बहुत ज्यादा कैफीन लेते हैं और शरीर को ठीक से आराम नहीं देते तो यह सीधे तौर पर दिल की धड़कन को प्रभावित करता है. लंबे समय तक ऐसा चलने पर हार्ट रेट में बदलाव, ब्लड प्रेशर में बढ़ोतरी और हार्ट अटैक जैसी गंभीर खतरे पैदा हो सकती है.

हार्ट सिंड्रोम से कैसे बचें

इस सिंड्रोम से बचने के लिए जीवन शैली में छोटा लेकिन सरदार बदलाव जरूरी है. इस सिंड्रोम से बचने के लिए आप हर दिन कम से कम 30 मिनट फिजिकल एक्टिविटी जैसे तेज चलना या योग कर सकते हैं. इसके अलावा आपको नियमित 7 से 8 घंटे की नींद रोजाना लेनी चाहिए. वहीं प्रोसेस्ड फूड नमक और कैफीन की मात्रा में कमी करनी चाहिए. इसके अलावा दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए. इस सिंड्रोम से बचने के लिए आपको तनाव घटाने के लिए मेडिटेशन या माइंडफूलनेस जैसे उपाय अपनाना चाहिए और सबसे जरूरी अगर परिवार में दिल की बीमारी पहले से किसी को है तो आप भी इसकी जांच करानी चाहिए.

योग से घटेगी पेट और कमर की चर्बी, आज ही करें ये आसान

भागदौड़ भरी जिंदगी में वजन बढ़ना एक आम समस्या बन गया है। जिम जाना हर किसी के लिए संभव नहीं, लेकिन योग एक ऐसा उपाय है जिसे आप घर पर आसानी से कर सकते हैं। सही योगासन न केवल फैट बर्न करते हैं, बल्कि शरीर को भीतर से मजबूत बनाते हैं और मेटाबॉलिज्म भी सुधारते हैं। साथ ही योग शरीर को लचीला बनाता है और इम्यूनिटी को मजबूत करके कई रोगों से भी बचाता है। इस लेख में ऐसे पांच प्रभावशाली योगासनों के बारे में बताया जा रहा है जो खासतौर पर पेट की चर्बी, जांघों और कुल्हों की चर्बी को कम करने में मदद करते हैं।

सूर्य नमस्कार

यह पूरे शरीर का वर्कआउट है। इसमें 12 स्टेप होते हैं, जो शरीर को स्ट्रेच और टोन करते हैं। रोज़ 5 से 10 बार सूर्य नमस्कार करने से तेजी से कैलोरी बर्न होती है।

कपालभाति प्राणायाम

पेट की चर्बी कम करने और मेटाबॉलिज्म को तेज करने के लिए यह सबसे असरदार प्राणायाम है। यह पाचन सुधारता है और वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज करता है। इससे शरीर के विषैले तत्व बाहर निकलते हैं और पेट साफ रहता है। इस आसन के अभ्यास के लिए पद्मासन में बैठें और अपनी कमर सीधी रखें। गहरी सांस लेते हुए तेजी से पेट को अंदर करें और सांस को छोड़ें। लगातार दो से तीन मिनट तक इस आसन को दोहराएं। इसका अभ्यास रोजाना सुबह पांच से 10 मिनट करना चाहिए।

भुजंगासन

यह योगासन पेट की चर्बी घटाने, कमर को शेप देने और पीठ को मजबूत करने में मदद करता है। इस आसन को तीन से पांच बार दोहराना चाहिए। इसके अभ्यास के लिए पेट के बल लेटकर दोनों हथेलियों को कंधों के पास जमीन पर रखें। अब श्वास लेते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर उठाएं। कुछ पल इसी स्थिति में रुकें और फिर धीरे-धीरे नीचे आ जाएं। इस क्रिया को पांच से सात बार दोहराएं।

पवनमुक्तासन

यह पेट की गैस, कब्ज और ब्लोटिंग कम करता है। साथ ही यह पेट और जांघों की चर्बी घटाने में मदद करता है। पवनमुक्तासन फंसी हुई गैसों को बाहर निकालने में मदद करता है, पाचन में सुधार करता है और डिटॉक्सिफिकेशन को बढ़ावा देता है। ये सभी यूरिक एसिड के स्तर को संतुलित करने में योगदान देते हैं।

हल्दी के फायदे तो बहुत सुने होंगे लेकिन नहीं जानते होंगे नुकसान

हल्दी को आयुर्वेदिक चमत्कार कहा जाए तो गलत नहीं होगा. यह लगभग हर भारतीय रसोई की शान है और सदियों से घाव भरने, इम्यूनिटी बढ़ाने, त्वचा निखारने और सूजन कम करने जैसी समस्याओं में इसका उपयोग होता आ रहा है.आपने इसके फायदे तो खूब सुने होंगे. लेकिन क्या आप इसके नुकसानों के बारे में भी जानते हैं?

डॉ. बताते हैं कि, कुछ लोगों को हल्दी से परहेज करना चाहिए, क्योंकि यह उनके स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल सकती है. आइए जानते हैं किन परिस्थितियों में हल्दी हानिकारक हो सकती है.

गर्भवती महिलाएं

हल्दी में मौजूद करक्यूमिन गर्भाशय को उत्तेजित कर सकता है. गर्भवती महिलाओं को अत्यधिक मात्रा में हल्दी, विशेषकर कच्ची हल्दी या सप्लीमेंट के रूप में लेने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे गर्भपात का खतरा बढ़ सकता है.

ब्लड थिनर लेने वाले मरीज

हल्दी में प्राकृतिक रक्त पतला करने वाले गुण होते हैं। यदि आप पहले से ब्लड थिनर दवाएं ले रहे हैं, तो हल्दी के साथ इनका सेवन आपके शरीर में खून बहने का जोखिम बढ़ा सकता है.

पित्त की पथरी या गॉलब्लैडर की समस्या

हल्दी बाइल प्रोडक्शन को बढ़ाती है, जो गॉलब्लैडर की समस्या वाले लोगों के लिए हानिकारक हो सकता है. इससे दर्द, सूजन या असहजता बढ़ सकती है.

डायबिटीज के मरीज

हल्दी ब्लड शुगर को कम करने में मदद करती है, लेकिन डायबिटीज के मरीज अगर दवाएं ले रहे हों और साथ में अधिक मात्रा में हल्दी लें, तो ब्लड शुगर खतरनाक रूप से कम हो सकता है, जिससे चक्कर आना, थकावट और बेहोशी जैसी समस्या हो सकती है.

एलर्जी या त्वचा संवेदनशीलता वाले लोग

कुछ लोगों को हल्दी से स्किन एलर्जी, खुजली, लाल चकत्ते या सूजन हो सकती है. ऐसे लोगों को हल्दी युक्त फेस पैक या खाद्य पदार्थों से सावधान रहना चाहिए.

हल्दी भले ही प्राकृतिक हो, लेकिन हर प्राकृतिक चीज हर शरीर के लिए उपयुक्त नहीं होती. हल्दी का सेवन सीमित मात्रा में और सही परिस्थिति में किया जाए तो यह औषधि के समान कार्य करती है, लेकिन गलत व्यक्ति या मात्रा में यह शरीर के लिए हानिकारक भी हो सकती है.

सेंसेक्स 166 अंक गिरकर 80,544 पर बंद : निफ्टी भी 75 अंक फिसला

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार, 6 अगस्त को सेंसेक्स 166 अंक गिरकर 80,544 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 75 अंक की गिरावट रही, ये 24,574 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 11 में तेजी और 19 में गिरावट रही। एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बीईएल के शेयरों में तेजी रही। सनफार्मा, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस और टीसीएस के शेयर्स 2.5% तक गिरे। निफ्टी के 50 शेयरों में से 13 में तेजी और 37 में गिरावट रही। एनएसई का फार्मा इंडेक्स सबसे ज्यादा 2.03% गिरा। इसके अलावा, निफ्टी हेल्थकेयर 1.78%, आईटी 1.74%, रियल्टी 1.51% और मीडिया 1.18% गिरकर बंद हुए। पीएसयू बैंकिंग में 0.58% की मामूली तेजी रही।

सोना 1,00,672 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑलटाइम हाई पर

चांदी की कीमत 1,154 रुपए बढ़कर 1,13,576 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। सोने के दाम आज यानी 6 अगस्त को अपने ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 596 रुपए बढ़कर 1,00,672 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने का भाव 1,00,076 रुपए पर था। वहीं, चांदी की कीमत 1,154 रुपए बढ़कर 1,13,576 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 1,12,422 रुपए पर थी। वहीं, 23 जुलाई को चांदी ने 1,15,850 रुपए ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,480 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,950

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,330 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,800

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमकत 1,02,330 और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,800

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,330 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,800

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,270 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,850

इस साल 1 लाख 4 हजार रुपये तक जा सकता है सोना

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि अमेरिका के टैरिफ के चलते जियो पॉलिटिकल टेंशन बने हुए हैं। इससे गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 1 लाख 4 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी इस साल 1 लाख 30 हजार रुपए तक जा सकती है। इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 24,235 रुपए बढ़कर 1,00,672 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 27,559 रुपए बढ़कर 1,13,576 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

ग्राहकों के खातों व लॉकरों से जुड़े दावों के निपटान की प्रक्रिया होगी आसान

गवर्नर बोले-तय होंगे मानक

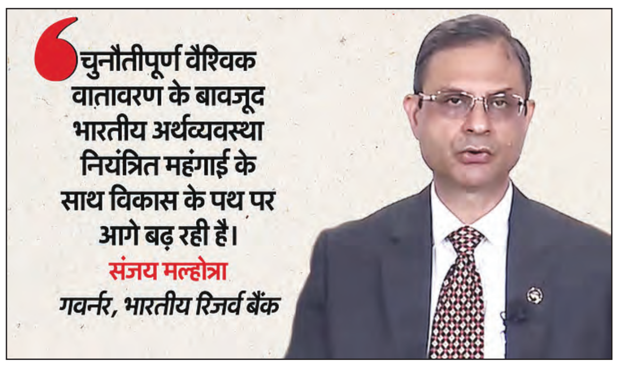

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक बैंक खातों और लॉकरों के लिए दावा निपटान प्रक्रिया से जुड़े मानक बनाने वाला है। इसका उद्देश्य मृतक ग्राहकों के नामांकित व्यक्तियों के पक्ष में दावों के निपटान की प्रक्रिया को आसान बनाना है। केंद्रीय बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को यह बात कही।

मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक आरबीआई रिटेल-डायरेक्ट प्लेटफॉर्म में कार्यक्षमता का विस्तार करने की योजना पर काम कर रहा है। इससे खुदरा निवेशक भी व्यवस्थित योजनाओं के जरिए ट्रेजरी बिलों में अपना निवेश कर सकेंगे।

साल 2025 की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हम बैंक खातों और मृतक बैंक ग्राहकों के सुरक्षित कस्टडी या सुरक्षित जमा लॉकरों में रखी वस्तुओं से जुड़े दावों के निपटान की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए मानक बनाएंगे। इससे निपटान अधिक सुविधाजनक और सरल होने की उम्मीद है। बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के प्रावधानों के अंतर्गत जमा खातों, सुरक्षित कस्टडी में रखी गई वस्तुओं या सुरक्षित जमा लॉकरों से जुड़े नामांकन की सुविधा उपलब्ध है। आरबीआई के अनुसार, इसका उद्देश्य ग्राहक की मृत्यु होने पर दावों का शीघ्र निपटान या वस्तुओं की वापसी या सुरक्षित जमा लॉकर की सामग्री को वापस दिलाना व परिवार के सदस्यों को होने वाली कठिनाई को कम करना है।

मौजूदा निर्देशों के अनुसार बैंकों को सर्वाइवर/नामांकित व्यक्ति/कानूनी उत्तराधिकारियों की ओर से किए गए दावों के शीघ्र और परेशानी मुक्त निपटान की आसान प्रक्रिया अपनाना है। हालांकि विभिन्न बैंकों में प्रक्रियाएं अलग-अलग हैं। एक बयान में कहा गया है, ग्राहक सेवा से जुड़े मानकों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, प्रक्रियाओं को सरल बनाने और बैंकों को प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेजों को मानकीकृत करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में एक मसौदा परिपत्र शीघ्र ही सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किया जाएगा।

ट्रेजरी बिलों में निवेश के बारे में किया गया यह एलान

वर्तमान में, सभी बैंकों के पास मृतक के आश्रित की ओर से खाते और लॉकर के संबंध में दावों की अपनी-अपनी प्रणाली और प्रक्रियाएं हैं। इन्हें और आसान बनाया जा सकता है। ट्रेजरी बिलों (टी-बिल) में निवेश से जुड़ा भी एलान किया गया है। आरबीआई ने कहा है नई पहलों से निवेशकों को अपने निवेश की व्यवस्थित योजना बनाने में मदद मिलेगी। टी-बिलों के लिए ऑटो-बिडिंग सुविधा, जिसमें निवेश और पुनर्निवेश दोनों विकल्प शामिल हैं, रिटेल डायरेक्ट में सक्षम की गई है।

'रेपो रेट स्थिर, नहीं बदलेगी ईएमआई'

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति के फैसलों का एलान किया। एमपीसी की बैठक 04 अगस्त 2025 को शुरू हुई थी। केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने बताया कि इस बार समिति ने सर्वसम्मति से रेपो रेट को स्थिर रखने का फैसला किया है। आइए जानते हैं एमपीसी की बैठक से जुड़ी अहम बातें।

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने लगातार तीन बार ब्याज दरों में कटौती के बाद, बुधवार को इसे 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला किया। केंद्रीय बैंक ने टैरिफ से अनिश्चितताओं जुड़ी चिंताओं के बीच अपना तटस्थ रुख भी बरकरार रखा। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इसका एलान किया। उन्होंने आगे कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से अल्पकालिक उधार दर या रेपो दर को तटस्थ रुख के साथ 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वित्त वर्ष 2026 के लिए विकास दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। तिमाही अनुमानों का विश्लेषण करते हुए, आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत, दूसरी तिमाही के लिए 6.7 प्रतिशत, तीसरी तिमाही के लिए 6.6 प्रतिशत और चौथी तिमाही के लिए 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

एक्सपोर्ट और सेल्स के दम पर जुलाई में 11 महीने के टॉप पर पहुंचा भारत का सर्विसेज पीएमआई

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। जुलाई 2025 में भारत के सेवा क्षेत्र ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है और यह वृद्धि पिछले 11 महीनों में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है. मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई जुलाई में 60.5 रहा, जो जून में 60.4 था. यह अगस्त 2024 के बाद का सबसे ऊंचा आंकड़ा है. पीएमआई सूचकांक में 50 से ऊपर का स्तर आर्थिक गतिविधियों में विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का स्तर संकुचन का संकेत देता है।

इस वृद्धि के प्रमुख कारणों में नए निर्यात ऑर्डरों में तेज़ उछाल और समग्र बिक्री में मजबूती शामिल है. सर्वेक्षण के अनुसार, भारतीय सेवा प्रदाताओं को एशिया, कनाडा, यूरोप, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका जैसे देशों से नए ऑर्डर प्राप्त हुए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय मांग में मजबूत सुधार देखा गया है। कीमतों के मोर्चे पर, जून की तुलना में कच्चे माल और तैयार उत्पादों की लागत में तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है।

यूपीआई का नया रिकॉर्ड : एक दिन में 70 करोड़ ट्रांजेक्शन

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। डिजिटल की तरफ बढ़ते भारत में यूपीआई की लोकप्रियता कितनी बढ़ गई है, इसका अंदाजा आप इस बात से भी लगा सकते हैं कि एक दिन में अमेरिका की आबादी से दोगुना ज्यादा लेन-देन यूपीआई के जरिए हुआ है. साल 2024 के आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका की आबादी लगभग 341.2 मिलियन थी, लेकिन भारत में 2 अगस्त 2025 को एक दिन में रिकॉर्ड 707 मिलियन ट्रांजेक्शंस यूपीआई के माध्यम से किए गए।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा साझा किए गए ये आंकड़े दिखाते हैं कि किस तरह से इस प्लेटफॉर्म का उपयोग तेज़ी से बढ़ा है. पिछले कुछ वर्षों में ही यूपीआई ने यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है. 2023 में, प्रतिदिन लगभग 350 मिलियन (35 करोड़) यूपीआई ट्रांजेक्शन होते थे. अगस्त 2024 तक यह संख्या बढ़कर 500 मिलियन (50 करोड़) हो गई. अब यह आंकड़ा 700 मिलियन (70 करोड़) तक पहुंच चुका है. अब सरकार का लक्ष्य है कि यूपीआई के जरिए रोजाना होने वाले ट्रांजेक्शंस को 1 बिलियन (100 करोड़) तक पहुंचाया जाए. ऐसा अनुमान है कि यूपीआई ट्रांजेक्शंस इसी तरफ से बढ़ता रहा तो अगले साल तक यह लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा। पिछले महीने, यूपीआई के जरिए लगभग 19.5 बिलियन (1.95 अरब) ट्रांजेक्शंस किए गए, जिनकी कुल राशि 25 लाख करोड़ रुपये से अधिक रही. भारत में अब लगभग 85% डिजिटल लेन-देन यूपीआई के माध्यम से किए जाते हैं. यही नहीं, दुनियाभर में होने वाले कुल डिजिटल ट्रांजेक्शंस का करीब 50% हिस्सा अब यूपीआई से हो रहा है।

फोन, गाड़ियों की बैटरियां भविष्य में होंगी सस्ती !

> एआई ने वो खोज दिया, जिसकी उम्मीद नहीं थी

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। स्मार्टफोन्स में लिथियम बैटरी का इस्तेमाल होता है, लेकिन ये तत्व धीरे-धीरे कम होता जा रहा है और महंगा भी हो गया है। अब एआई की मदद से ऐसा विकल्प खोजा गया है, जो लिथियम को रिप्लेस करके नए मटीरियल वाली बैटरी बनाने में मददगार होगा।

ये बात तो आप जानते ही होंगे कि हमारे फोन, पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस और इलेक्ट्रिक गाड़ियों में लिथियम बैटरी का इस्तेमाल होता है। इसी के दम पर ये इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज काम करते हैं। लेकिन लिथियम लगातार कम होता जा रहा है, इसका इस्तेमाल बढ़ रहा है, इसलिए खनन ज्यादा हो रहा है। बहुत सारे देश ई-व्हीकल्स पर शिफ्ट हो रहे हैं, इसलिए पहले सिर्फ मोबाइल फोन्स की बैटरी के लिए इस्तेमाल होने वाला लिथियम अब बड़े स्तर पर उपयोग किया जा रहा है। लेकिन अच्छी बात यह है कि न्यू जर्सी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के रिसर्चर्स ने एआई की मदद से लिथियम के विकल्प खोज निकाले हैं, जो बैटरी इस्तेमाल की दुनिया को बदल सकते हैं। एआई इस तरह की खोज कर सकता है इसकी उम्मीद किसी ने भी नहीं की होगी। रिसर्चर्स ने ऐसी बैटरी के बारे में पता लगा लिया है, जो लिथियम की जगह मैग्नीशियम, कैल्शियम, एल्यूमिनियम और जिंक एलिमेंट्स से बन सकती हैं। ये न सिर्फ सस्ते हैं, बल्कि बड़ी मात्रा में मौजूद भी हैं। इनमें लिथियम से ज्यादा बिजली स्टोर करने की पावर है। लिथियम में सिंगल पॉजिटिव चार्ज होता है, जबकि ये मल्टीवैलेंट मेटल्स दो या तीन चार्ज ले जाने में सक्षम हैं। आसान भाषा में कहा जाए तो ये बैटरी ज्यादा एनर्जी स्टोर कर सकती है। आपका फोन भी लंबे समय तक बिना चार्जिंग के काम कर सकता है।

ट्रंप की धमकी के बावजूद उठा रुपया अमेरिकी डॉलर को दिखाई औकात

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से टैरिफ को लेकर भारत को ताज़ा धमकी देने के बावजूद, रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार के दौरान 15 पैसे की बढ़त के साथ 87.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 87.72 पर खुला. इसके बाद थोड़ी गिरावट के साथ यह 87.73 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 15 पैसे की बढ़त दर्शाता है. एक दिन पहले भारतीय रुपया अपने सर्वकालिक निम्न स्तर पर पहुंच गया था और 22 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.88 पर बंद हुआ था।

नहीं मिल रही वेटिंग टिकट-ट्रेनें हुई रिग्रेट, अब स्पेशल का इंतजार

राखी पर बढ़ सकती है परेशानी

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक है भाई के हाथों पर राखी बांधने का सपना सजाए बहनों की आंखों में चमक है, पर सफर की राह में टिकट की दीवार खड़ी है। दिल्ली समेत अन्य राज्यों की राजधानी से चलने वाली ट्रेन में लंबी वेटिंग और नौ रूम की स्थिति से आ गई है। त्योहार के पहले ही अधिकांश रेग्युलर ट्रेनों के स्लीपर और एसी कोच फुल हो चुके है।

दरअसल, राखी का त्योहार नौ अगस्त यानी शनिवार को है। रविवार की छुट्टी होने के चलते इस बार राखी पर लोगों का अप डाउन ज्यादा रहेगा। लोग गुरुवार या शुक्रवार की छुट्टी लेकर अपने घरों की ओर रवाना होंगे। गुरुवार शाम और शुक्रवार को रेलवे स्टेशनों पर विभिन्न शहरों की तरफ जाने वाली ट्रेनों में ज्यादा मारामारी रहेगी। राजधानी दिल्ली से विभिन्न राज्यों की तरफ जाने वाली ट्रेन में सात और आठ अगस्त को किसी भी ट्रेन में वेटिंग टिकट भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यात्रियों को अब तत्काल टिकट और स्पेशल ट्रेनों से उम्मीद है। आठ अगस्त की ट्रेन में तत्काल टिकट के लिए सात अगस्त को बुकिंग शुरू होगी। जो यात्री अब तक अपनी सीट बुक नहीं करा पाए, उन्हें तत्काल सेवा से कंफर्म टिकट मिलने की उम्मीद है। जबकि कई यात्री स्पेशल ट्रेन शुरु होने का भी इंतजार कर रहे है।

अब यात्रियों को त्योहार स्पेशल का इंतजार

रेलवे के विभिन्न जोन हर साल रक्षाबंधन पर स्पेशल ट्रेनों की घोषणा करते है। इसी तरह उत्तर रेलवे भी राजधानी दिल्ली से विभिन्न शहरों के लिए कई स्पेशल ट्रेनें चलाने की घोषणा करते आया है। रेलवे इसकी जानकारी यात्रियों को सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों देता है। ताकि घोषणा होते ही यात्री इन स्पेशल ट्रेनों में कंफर्म टिकट ले सके। लेकिन अब तक उत्तर रेलवे की तरफ से कोई भी स्पेशल ट्रेन की घोषणा नहीं की गई है। उत्तर रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि रक्षाबंधन पर बढ़ती यात्रियों की डिमांड को देखते हुए रूट प्लानिंग की जा रही है। जल्द ही यात्रियों के लिए स्पेशल ट्रेनों का टाइम टेबल जारी कर दिया जाएगा। दिल्ली से पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, बंगाल, ओडिशा और पूर्वोत्तर की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या काफी अधिक है।

इन्हीं क्षेत्रों की मांग को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रेनों के संचालन की योजना पर काम चल रहा है। रेलवे का कहना है कि स्पेशल ट्रेनों के अलावा रेगुलर गाड़ियों में अतिरिक्त कोच जोड़ने की भी प्लानिंग की जा रही है। इससे उन यात्रियों को राहत मिलेगी जो पहले बुकिंग नहीं करवा पाए है या जिनका टिकट वेटिंग में है। रक्षाबंधन बड़ा त्यौहार है। बड़ी संख्या में महिलाएं इस दिन ट्रेनों में अकेले यात्रा करती हैं, इसलिए हमारी कोशिश है कि उन्हें पूरी सुरक्षा व सहयोग मिले। इसलिए स्टेशनों और ट्रेनों में मेरी सहेली टीम विशेष रूप से मौजूद रहेगी।

रेलवे के बदले नियम के कारण भी लोग परेशान

हाल ही में भारतीय रेलवे के बदले हुए नियमों के चलते कोई भी यात्री वेटिंग टिकट पर यात्रा नहीं कर सकेगा। रेलवे ने स्लीपर में उपलब्ध सीटों का 40 और एसी में 60 प्रतिशत वेटिंग लिस्ट के टिकट जारी करने का नियम बनाया है। इस नियम के चलते यात्रियों को ट्रेनों में वेटिंग टिकट भी नहीं मिल पा रहा है। उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं।

सबसे ज्यादा दिक्कत राजधानी दिल्ली से उत्तर प्रदेश के लखनऊ, बिहार के पटना, महाराष्ट्र के पुणे-मुबई, मध्यप्रदेश के इंदौर-भोपाल, छत्तीसगढ़ के रायपुर, राजस्थान के जयपुर और दक्षिण भारत जाने वाले यात्रियों को हो रही है। क्योंकि इन राज्यों की ओर जाने वाली अधिकांश रेगुलर ट्रेन फुल हो चुकी है। कुछ ट्रेनों में रिग्रेट की स्थिति आ गई है। ऐसी स्थिति दिल्ली से जाने में नहीं है,बल्कि वापसी के दौरान भी हो दिखाई देर ही है। हालांकि लंबी दूरी वाली कुछ प्रीमियम और महंगे किराए वाली ट्रेनों में टिकट इक्के दुक्के ही मिल रहे हैं, लेकिन डायनेमिक फेर लगने के चलते इनका किराया ज्यादा हो रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

गृह स्थिति

सूर्य	कर्क
चन्द्र	धनु
मंगल	कन्या
बुध	कर्क
गुरु	मिथुन
शुक्र	मिथुन
शनि	मीन
राहु	कुंभ
केतु	सिंह

लग्नारंभ समय

कर्क	04-29 बजे
सिंह	06-41 बजे
कन्या	08-47 बजे
तुला	10-53 बजे
वृश्चिक	13-03 बजे
धनु	15-17 बजे
मकर	17-23 बजे
कुंभ	19-13 बजे
मीन	20-51 बजे
मेष	22-27 बजे
वृष	00-12 बजे
मिथुन	02-12 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 (सूर्योदय- 05-58, सूर्यास्त- 18-46)
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी 14-28 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास- श्रावण शुक्ल , गुरुवार 07 August
नक्षत्र- पूर्वाषाढा 14-01 तक उपरान्त उत्तराषाढ़ा
योग - विष्कुंभ 06-42 तक आयुष्मान
करण- तैतिल 14-28 तक उप गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-58 से 15-34 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05-58 - 07-31	शुभ	अमृत	18-46 - 20-14	शुभ
रोग	07-31 - 09-08	अशुभ	चंचल	20-14 - 21-37	शुभ
उत्पात	09-08 - 10-45	अशुभ	रोग	21-37 - 22-59	अशुभ
चंचल	10-45 - 12-23	शुभ	काल	22-59 - 00-23	अशुभ
लाभ	12-23 - 13-59	शुभ	लाभ	00-23 - 01-46	शुभ
अमृत	13-59 - 15-37	शुभ	उत्पात	01-46 - 03-09	अशुभ
काल	15-37 - 17-14	अशुभ	शुभ.	03-09 - 04-32	शुभ
शुभ	17-14 - 18-46	शुभ	अमृत	04-32 - 05-58	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है । इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो । चिंता ना करें,आपके परिजन हाल-फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — यह तो आप देख ही चुके की आकस्मिक प्रवृति पर आधारित फैसले कई बार सही साबित नही हुए हैं,इसीलिए यह जरूरी है कि आप अपने फैसले तर्क की कसौटी पर कसकर ही करें । ऐसा करना और भी जरूरी है क्योंकि कोई ऐसा है जो आपका करीबी होते हुए भी आपके खिलाफ साजिश कर रहा है । अगर एक बार आप सोच समझकर कोई फैसला ले लें तो उसे कार्यान्वित करने में हिचकिचाएं नही ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नहीं करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आप एक साधारण आदमी हैं और इसीलिए आप संबंधों में कोई चालाकी नही करते । इससे आपको कई बार नुक्सान भी उठाना पड़ता है लेकिन यह सब अधिक समय तक नही चलेगा ,आखिर में चालाकी के स्थान पर आपकी सरलता की ही जीत होगी । अपनी संवेदनाओं को नियंत्रण में रखें । करीबियों के साथ अच्छा वक़्त बिताने की सम्भावना बनी हुई है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे |इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं । आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें । आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं और सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता भी है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा ।आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं । काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा । आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — सामान्यत आप काफी स्पष्ट सोच रखते हैं ,लेकिन आज आप अपनी निजी समस्याओं और अपनी असुरक्षाओं से घिरे होने के कारण स्पष्ट नही सोच पायेंगे । इसलिए आज का दिन किसी नए काम को हाथ में लेने या नयी साझेदारी के लिए उपयुक्त नही है । आपके आज के फैसले गलत हो सकते हैं । इसीलिए भविष्य के कार्यक्रमों की योजना आज बनाना सही नही है । आज आराम करें।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं । आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं । इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा । आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे जो आपको आपके विभिन्न लक्ष्यों का उद्देश्य निर्धारित करने में मदद करेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बीजापुर में मुठभेड़, एक नक्सली ढेर

शव और हथियार बरामद, फायरिंग जारी, महिला समेत 9 नक्सलियों ने किया सरेंडर, 6 पर 24 लाख का इनाम

जगदलपुर/बीजापुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। जिसमें जवानों ने एक नक्सली को ढेर कर दिया है। मारे गए नक्सली का शव और हथियार बरामद कर लिया गया है। फोर्स ने नक्सलियों को घेर रखा है। मुठभेड़ जारी है। मामला गंगालूर थाना इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक, पश्चिमी डिविजन क्षेत्र में डीआरजी और एसटीएफ की संयुक्त टीम ऑपरेशन पर निकली है। बताया जा रहा है कि, इलाके में नक्सलियों की पुख्ता मौजूदगी की सूचना के बाद यह ऑपरेशन लॉन्च किया गया। सुरक्षा एजेंसियां अब पूरे इलाके की सघन सर्चिंग में जुट गई है।

इधर, बीजापुर में एनकाउंटर के डर और मुख्यधारा में लौटने एक महिला नक्सली समेत 9 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ पुलिस के सामने हथियार डाल दिए। इन 9 नक्सलियों में से 6 नक्सलियों पर 24 लाख रुपए का इनाम घोषित हैं। इनमें एक नक्सली 8 लाख और दो 5-5 लाख के साथ तीन 2-2 लाख रुपए के इनामी हैं।

ये सरेंडर करने वाले नक्सली माड़ डिवीजन की कंपनी नंबर 01, प्लाटून नंबर 12 और 13, दक्षिण बस्तर डिवीजन की टेक्निकल टीम, डीजीएन डिवीजन (धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा) और अन्य एरिया कमेटियों में काम कर रहे थे। ऐसे में पुलिस इनके सरेंडर को बड़ी सफलता मान रही है। बता दें कि करीब 13 पहले पहले छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के 5 जिलों में एक ही दिन में 66 नक्सलियों ने सरेंडर किया। इन पर कुल 2 करोड़ 54 लाख रुपए का इनाम घोषित है। बीजापुर जिले में सरेंडर किए 25 नक्सलियों में से 23 पर 1 करोड़ 15 लाख का इनाम है। इसमें एक एसजडसीएम (स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर) कैडर का भी नक्सली शामिल हैं।

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की हालत गंभीर

रांची, 6 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों के अनुसार उन्हें अब तक होश नहीं आया है। वे लगातार लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर हैं। मंगलवार को भी उनके ऑपरेशन को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया जा सका। अब आज डॉक्टरों की एक बोर्ड बैठक होगी, जिसमें ऑपरेशन सहित आगे की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा। रामदास सोरेन को बीते शनिवार सुबह ब्रेन स्ट्रोक आया था। इसके बाद वे अपने घर के बाथरूम में फिसलकर गिर गए, जिससे उनके मस्तिष्क में गंभीर चोट आई। तत्काल उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद एयर एम्बुलेंस के जरिए दिल्ली के अपोलो अस्पताल भेजा गया। फिलहाल वे वहीं डॉक्टरों की सघन निगरानी में हैं। सूत्रों के अनुसार, सोमवार को उनका एप्निया टेस्ट होना था।

सक्ती में 35 आदिवासी परिवार ईसाई से हिंदू बने

जूदेव ने पैर धोकर कराई घर वापसी, बोले– देवी देवताओं का अपमान करने मिशनरी एजेंट एक्टिव

रायपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण-धर्मांतरण विवाद के बीच सक्ती जिले में ईसाई धर्म अपना चुके 35 परिवारों की घर वापसी हो गई है। बीजेपी नेता और अखिल भारतीय घर वापसी संगठन के प्रमुख प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने पैर धोकर सहसम्मान उनकी सनातन धर्म में वापसी कराई। यह सभी सपरेली और आस-पास के गांव के हैं।

बीजेपी नेता प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने दैनिक भास्कर से चर्चा के दौरान कहा कि, वर्तमान के माहौल में यह उन धर्मांतरण-मतांतरण कराने वाले एजेंटों के लिए बड़ा संदेश है।

अखिल भारतीय घर वापसी प्रमुख प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने कहा कि, मिशनरी हमारे लिए चुनौती है। ये लोग स्लीपर सेल की तरह काम करते हैं। एक कड़ा कानून जो दोषियों को सजा दे सके अत्यंत जरूरी है।

कांग्रेस ने साजिश के तहत बड़ी शातिराना तरीके से शिक्षा और स्वास्थ्य मिशनरियों को सौंप दिया। जिन्होंने सेवा के बदले सौदा की नीति के तहत धर्मांतरण का खेल खेला। समाज को संगठित कर धर्मांतरण के खिलाफ अभियान जनजागृति का होना बहुत आवश्यक है।

संगठन के सदस्यों ने बताया कि, पूरे छत्तीसगढ़ में मसीही समाज के लोग धर्मांतरण-मतांतरण करा रहे हैं।

लोगों को बहला फुसलाकर और हिंदू धर्म की गलत जानकारी देकर उनको बरगलाया जाता है और कन्वर्जन किया जाता है। सनातन देवी देवताओं का अपमान करके सेवा के नाम पर ये सौदा करते है। शिक्षा और स्वास्थ्य के नाम पर पैसे देकर लोगों का धर्मांतरण-मतांतरण करने वाले लोग पूरे प्रदेश में सक्रिय है।

जनजातीय इलाके में मसीही समाज के एजेंट बडी संख्या में इस काम को अंजाम दे रहे है। संगठन ने कहा कि, धर्म का प्रचार करना अलग चीज है। दूसरे धर्म का अपमान करना, दुष्प्रचार करना गलत है। आप मानव कल्याण पर काम करें, दूसरे के धर्म को क्यों बदलवा रहे है। सेवा के बदले सौदा करना गलत है। हम इसके विरूद्ध है। और हम इसके लिए लगातार लड़ेगे।

सपरेली के कविता सुमन ने ईसाई धर्म छोड़कर वापस सनातन धर्म अपनाने के बाद समाज के लोगों को सार्वजनिक मंच से बताया कि, मसीही समाज के लोग आते थे और अपने धर्म की बात बताते थे।

कहते थे तुम लोग क्या कर रहे हो? मुझे बोले हम तुम्हारी मदद करेंगे। उनकी बात सुनकर मैं धर्मांतरित हो गई? अब सनातन धर्म में वापस आ रही हूं।

अखिल भारतीय घर वापसी प्रमुख और बीजेपी नेता प्रबल प्रताप सिंह जूदेव अपने संगठन की मदद से अब तक 15 हजार लोगों की घर वापसी करा चुके है।

भूपेश की मनी-लॉन्ड्रिंग एक्ट को चुनौती

अब 11 अगस्त को सुनवाई, बघेल बोले- जिसके खिलाफ एनबीडब्ल्यू, वो खुला घूम रहा, मेरे बेटे को गिरफ्तार किया गया

रायपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में लगाई गई याचिका पर अब सुनवाई 11 अगस्त को होगी। मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की धारा 44 को चुनौती दी गई थी। भूपेश बघेल की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने पक्ष रखा।

इस मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्ज्वल भूयानंद और जस्टिस नोंगमेइकापम कोटिस्वर सिंह बैच में हुई। बता दें कि, 4 अगस्त को हुई सुनवाई को दौरान सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमालया बागची की खंडपीठ ने हाईकोर्ट जाने की बात कही थी।

जस्टिस कांत ने कहा कि मामले के गुण-दोष पर चर्चा तब होगी, जब पहले शुरुआती आपत्तियों पर सुनवाई पूरी हो जाएगी। हम इसे संयुक्त रूप से सुनेंगे। पहले आपत्तियां, फिर उन पर जवाब, और उसके बाद आगे बढ़ेंगे।

सिब्बल ने कहा कि पीएमएल की धारा 44 पर भी सुनवाई जरूरी है। इस पर जस्टिस कांत ने कहा कि- ठीक है, इस मामले की सुनवाई सोमवार को होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने मंगलवार (5 अगस्त) को मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि ईडी की कार्यशैली और मंशा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

साथ ही डिप्टी सीएम विजय शर्मा के सुप्रीम कोर्ट जाने वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि विजय शर्मा ईडी के प्रवक्ता बन गए है। अगर किसी व्यक्ति पर कार्रवाई हो रही है, तो उसे अपने बचाव का अधिकार है।

बघेल ने बताया कि हम सुप्रीम कोर्ट में गए, वह 3 धाराओं को लेकर गए थे। विशेष रूप से धारा 44 को चुनौती दी गई है। अगर एक बार किसी मामले में चालान पेश हो जाता है, तो दोबारा जांच करने के लिए कोर्ट की अनुमति अनिवार्य होती है।

लेकिन आज तक ईडी ने किसी मामले में कोर्ट से ऐसी कोई अनुमति नहीं ली है। उन्होंने आगे कहा कि धारा 50 के तहत जिस व्यक्ति पर आरोप है, उसी से गवाही लेने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। ये न्याय प्रक्रिया के विपरीत है। कोई खुद के खिलाफ कैसे गवाही देगा?

भूपेश बघेल ने बताया कि ईडी बार-बार पुराने मामलों में पूछताछ कर रही है।

अगर कार्रवाई करनी थी तो पहले कर लेते। जिसके खिलाफ नॉन बेलेबल वारंट जारी है, वे खुलेआम घूम रहे हैं, उनके बयान के आधार पर मेरे बेटे की गिरफ्तारी हो जाती है ये कौन सी प्रक्रिया है?

उन्होंने बताया कि 4 अगस्त को सुनवाई को दौरान सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में आधे घंटे की बहस हुई। ऐसा ही मामला चैतन्य से जुड़ा हुआ भी था, जहां पुराने मामलों को दोबारा उठाकर नए तरीके से पूछताछ की गई और गिरफ्तार कर लिया गया। भूपेश बघेल ने यह भी स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें हाईकोर्ट में जाने की लिबर्टी दी है।

नदी में डूबने से 6 वर्षीय बच्चे की मौत

पलामू, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पलामू के पांडू थाना क्षेत्र के कजरूखुर्द गांव में बुधवार को छह वर्षीय बच्चे की नदी में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान इंदल सिंह के रूप में हुई है। वह अजित सिंह का पुत्र था।

इंदल सिंह अपने दोस्तों के साथ गांव के पास बह रही बांकी नदी में नहाने गया था। नहाने के दौरान गहराई का अंदाजा न लग पाने के कारण वह पानी में डूबने लगा। बहते हुए वह लगभग एक किलोमीटर दूर चला गया।

गांव के ही एक व्यक्ति की नजर उस पर पड़ी। उसने तत्काल बच्चे को पानी से बाहर निकाला और पांडू स्वास्थ्य केंद्र ले गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में शोक की लहर है। सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया।

जड़ी-बूटियाँ मात्र उपचार ही नहीं, आत्म साक्षात्कार के लिए भी हैं : स्वामी रामदेव

हरिद्वार, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिवस पतंजलि वैलनेस, पतंजलि योगपीठ-2 के योगभवन सभागार में जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाया गया। अवसर पर स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण ने जनसमूह को स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज, स्वस्थ राष्ट्र व स्वस्थ विश्व के लिए वृक्षारोपण हेतु संकल्पित कराया। स्वामी जी व आचार्य जी ने स्वयं रक्तदान व वृक्षारोपण कर जनसामान्य को प्रेरित किया। कार्यक्रम में स्वामी रामदेव ने कहा कि आचार्य का जन्मदिवस मनाना तो मात्र एक बहाना है, इसका मुख्य उद्देश्य भारत माता के प्रत्येक घर में ही नहीं सम्पूर्ण धरती माता के आँगन में जड़ी-बूटियाँ शोभायमान हों और सम्पूर्ण मानवता उनसे स्वास्थ्य व सुख पाएँ। उन्होंने कहा कि जड़ी-बूटियाँ मात्र उपचार के लिए ही नहीं अपितु आत्म साक्षात्कार के लिए भी हेतु हैं। पतंजलि आयुर्वेद हॉस्पिटल, योगग्राम, पतंजलि वेलनेस आदि पतंजलि के विभिन्न सेवा परिसरों में आचार्य जी का बहुत बड़ा तप निहित है। पूज्य आचार्य जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन लोकहित में समर्पित कर दिया है। इनका जीवन एक प्रेरणा है कि हमें अखंड-प्रचंड पुरुषार्थ करते हुए अपने पूर्ण ज्ञान, भक्ति व पुरुषार्थ से प्रत्येक कार्य को भगवान का अराधन मानकर अपने जीवन की आहुति भारत माता, मानवता, प्रकृति, संस्कृति की सेवा के लिए समर्पित करनी है। कार्यक्रम में आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि जड़ी-बूटियां हमसे नहीं हैं अपितु जड़ी-बूटियों से हम हैं। हमें अपने जीवन की रक्षा करनी है तो जड़ी बूटियों का बचाना जरूरी है।

इसलिए पतंजलि का जड़ी-बूटी दिवस सम्पूर्ण मानवता के जीवन को बचाने का एक उपक्रम है, जड़ी बूटियां नही होंगी, पेड़ पौधे नहीं होंगे, तो मानव का जीवन का अस्तित्व भी नहीं रह सकता। कार्यक्रम में आचार्य जी द्वारा रचित 11 पुस्तकों का विमोचन किया गया। जिनमें सर्वप्रथम सौमित्रेय पादपनिरुक्तम् का विमोचन किया गया जो 150 से अधिक आयुर्वेदीय ग्रंथों तथा पांडुलिपियों के संदर्भों से प्रमाणित है।

बराकर पुल के पास कारें दुर्घटनाग्रस्त

दोनों गाड़ियां पेड़ से टकराई, वाहनों के परखच्चे उड़े, सभी यात्री मामूली रूप से घायल

गिरिडीह, 6 अगस्त (एजेंसियां)। गिरिडीह-डुमरी राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 114ए पर बराकर पुल के पास बीती रात एक बार फिर सड़क हादसा हुआ। पुल के निकट दो कार तेज रफ्तार के कारण पेड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गईं।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। हालांकि वाहनों में एयरबैग खुलने से सभी यात्रियों को केवल मामूली चोटें आईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा देर रात हुआ। पहले काले रंग की स्कॉर्पियो असंतुलित होकर पेड़ से टकराई। उसके कुछ ही क्षण बाद पीछे से आ रही उत्तर प्रदेश नंबर की सफेद सिडान भी उसी स्थान पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

मौके के पास चाय की दुकान चलाने वाली एक महिला ने बताया कि रात में तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। जब बाहर निकलकर देखा तो दोनों वाहन क्षतिग्रस्त अवस्था में थे। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

उल्लेखनीय है कि इसी पुल के पास कुछ दिन पहले भी दो वाहन आपस में टकरा गए थे। उस घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा सड़क के दोनों ओर स्पीड ब्रेकर लगाए गए थे।

साहिबगंज में मां, बेटी और दामाद की हत्या

साहिबगंज, 6 अगस्त (एजेंसियां)। साहिबगंज में बुधवार को एक ही परिवार के तीन लोगों की रॉड से मारकर हत्या कर दी गई। घटना तालझारी थाना क्षेत्र के दुधकोल गांव की है। घटना की वजह जमीन विवाद है। वारदात के बाद आरोपी ने थाना में सरेंडर कर दिया।

मृतकों में नोहा बेसरा, नथानिएल हांसदा और बड़की मुर्मू शामिल हैं। आरोपी बज्जल हेंब्रम ने सबसे पहले नोहा बेसरा की हत्या की। इसके बाद उसकी बेटी बड़की मुर्मू और दामाद नाथियल हसदा पर वार कर उनकी जान ले ली।

घटना के बाद गांव में मातम पसरा है। आरोपी बज्जल हेंब्रम मृतकों का रिश्तेदार और पड़ोसी है। वारदात को अंजाम देने के बाद उसने खुद को तालझारी थाना में सरेंडर कर दिया।

इधर, सूचना मिलते ही राजमहल डीएसपी विमलेश कुमार त्रिपाठी और तालझारी थाना प्रभारी नीतीश कुमार पांडे मौके पर पहुंचे। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

वहीं, दूधकोल गांव में ट्रिपल मर्डर की घटना से आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई।

पुलिस जब पहुंची तो उसे 3 लाश तीन जगह पड़ी मिली। एक शव आंगन में, एक सड़क पर और एक लाश घर में थी।

बिलासपुर एनटीपीसी प्लांट 50-50 फॉर्मूले पर

मेंटेनेंस के दौरान टूटा प्री-एयर हीटर प्लेटफॉर्म यूनिट-5 गेट के बाहर परिजनों का हंगामा, फोर्स तैनात

बिलासपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के एनटीपीसी सीपत प्लांट में बुधवार को बड़ा हादसा हुआ है। प्लांट की यूनिट-5 में मेंटनेंस के दौरान प्री-एयर हीटर प्लेटफॉर्म टूट गया। हादसे में 1 मजदूर की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हो गए। इनमें एक की हालत गंभीर है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृत मजदूर का नाम श्याम साहू है, जो सीपत थाना क्षेत्र के पोड़ी गांव का रहने वाला था। हादसे के बाद तत्काल मजदूरों को एनटीपीसी हॉस्पिटल, सिम्स और अपोलो भेजा गया। सिम्स में एक की मौत हो गई, जबकि 4 लोगों का इलाज चल रहा है।

हादसे के बाद बड़ी संख्या में मजदूरों के परिजन एनटीपीसी प्लांट के बाहर मौजूद हैं। गेट के बाहर और सड़क पर चक्काजाम कर प्रदर्शन कर रहे हैं। परिजनों का कहना है कि प्रबंधन कोई जानकारी नहीं दे रहा। वह गेट के बाहर रोते-बिलखते गुहार लगा रहे हैं, लेकिन प्लांट के अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है।

सीपत एनटीपीसी हादसे के बाद ग्रामीण भड़के हुए हैं। सैकड़ों की संख्या में गुस्साए ग्रामीण यूनिट-5 गेट के पास जमा हो गए हैं। गेट के बाहर जमकर हंगामा कर रहे हैं। एनटीपीसी प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। गेट के बाहर तनावपूर्ण माहौल है।

वहीं एनटीपीसी सीपत के जनसंपर्क अधिकारी प्रवीण रंजन भारती ने बताया कि सीपत स्टेशन के यूनिट 5 में हादसे की जानकारी आई है, जिसमें 5 संविदा श्रमिक घायल हुए हैं।

सभी घायलों का इलाज जारी है। हादसे के कारणों की जांच चल रही है। जांच के बाद डिटेल में जानकारी दी जाएगी।

50-50 फॉर्मूले पर डिप्टी कलेक्टर बनेंगे तहसीलदार

सरकारी गाड़ी मिलेगी, राजपत्रित का दर्जा भी, बिना जांच के निलंबन नहीं होगा, 10वें दिन हड़ताल खत्म

रायपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में तहसीलदारों ने अपनी हड़ताल खत्म कर दी है। 28 जुलाई से 17 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे थे। छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के पदाधिकारियों ने राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के साथ बैठक की। जिसके बाद आंदोलन को समाप्त करने की घोषणा की गई। बता दें कि, हड़ताल के बीच 'नारियल' कलेक्शन की चैट भी वायरल हुई थी।

इसके साथ ही प्रदेशभर में रुके हुए नामांतरण, सीमांकन, भू-अधिकार अभिलेख जैसे कार्यों के फिर से संचालन का रास्ता साफ हो गया है। राजस्व मंत्री ने बैठक में कहा कि, राजस्व विभाग शासन की रीढ़ है। अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता पर किया जाएगा।

इस बैठक में राजस्व सचिव, राजस्व संचालनालय के संचालक, उप सचिव सहित विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में संघ के प्रतिनिधियों ने 17 सूत्रीय मांगों और समस्याओं को विस्तार से रखा, जिस पर मंत्री ने गंभीरता से विचार कर ठोस आश्वासन दिया।

संघ के पदाधिकारियों ने सरकार की सकारात्मक पहल और संवेदनशील रुख की सराहना की है। उन्होंने भरोसा जताया कि शासन समयबद्ध कार्रवाई कर लंबित विषयों का समाधान निकालेगी। संघ ने यह भी कहा कि यह समझौता संवाद और समन्वय से समस्याओं के समाधान का सफल मॉडल बन सकता है।

इस बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के प्रांताध्यक्ष कृष्ण कुमार लहरे, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत सिंह राठौर, प्रदेश सचिव प्रशांत पटेल, प्रदेश प्रवक्ता शशिभूषण सोनी अन्य संघ पदाधिकारी भी बैठक में शामिल रहे।

हड़ताल के बीच तहसीलदारों की वॉट्सऐप चैट वायरल हुई थी, जिसमें वह प्रमोशन के लिए 'नारियल' का कलेक्शन कर रहे थे। दैनिक भास्कर को तहसीलदार और नायब तहसीलदारों की वायरल चैट हाथ लगी थी। वॉट्सऐप के '50-50 ग्रुप' में तहसीलदार कोड वर्ड में चैट कर रहे थे। चैटिंग में 50-50 ग्रुप के मेंबर 'नारियल' और 'किलो' कोडवर्ड का इस्तेमाल कर कुछ कलेक्शन कर रहे थे।

नारियल को मंत्री-सचिव तक प्रसाद के तौर पर चढ़ाने की बात कर रहे थे। 50-50 ग्रुप की चैटिंग में कैबिनेट मीटिंग से पहले नारियल पहुंचाने की बात कही जा रही थी, ताकि 50-50 ग्रुप के सभी मेंबर को प्रमोशन मिल सके। बातचीत में यह भी जिक्र है कि अगर वह 'नारियल' और 'किलो' समय पर डिलीवरी नहीं करेंगे, तो 2 साल जूनियर बनकर रह जाएंगे।

अगले कुछ दिन बारिश से मिलेगी राहत

रांची, 6 अगस्त (एजेंसियां)। राज्य में मानसून की रफ्तार सुस्त पड़ गई है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड के अधिकतर जिलों में आगामी दिनों में भारी बारिश की कोई संभावना नहीं है। हालांकि, कुछेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश जरूर हो सकती है। मौसम विभाग ने बताया कि 6 से 8 अगस्त तक राज्य के अनेक स्थानों पर गर्जन के साथ हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। इसके बाद 9 से 11 अगस्त तक भी इसी तरह का मौसम बना रहेगा, यानी जोरदार बारिश की कोई संभावना नहीं है। बीते 24 घंटे की बात करें तो रांची में अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.9 डिग्री अधिक रहा। वहीं, गिरिडीह में 33.8 डिग्री, चाईबासा में 30.2 डिग्री और डाल्टनगंज में 31.3 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। इसके अलावा राज्य में सबसे अधिक वर्षा देवघर में 20.4 मिमी रिकॉर्ड की गई।

एके-47 की 83 जिंदा गोलियों के साथ धराया

चतरा पुलिस ने टीएसपीसी समर्थक को दबोचा, मंगलवार रात घर से उठाया

चतरा, 6 अगस्त (एजेंसियां)। चतरा पुलिस ने टीएसपीसी (तृतीय प्रस्तुति कमेटी) उग्रवादी संगठन के लिए काम करने वाले एक व्यक्ति को हथियारों के साथ गिरफ्तार करने में सफलता पाई है।

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मनोज तिग्गा (33) के रूप में हुई है, जो पिपरवार थाना क्षेत्र के खंधार गांव का निवासी है। पुलिस ने उसके घर से एके-47 राइफल की 7.62 एमएम की 83 जिंदा गोलियां बरामद की हैं।

पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल को सूचना मिली थी कि खंधार गांव में टीएसपीसी के लिए काम करने वाला एक व्यक्ति संगठन द्वारा दिए गए हथियार छुपाकर रखे हुए है। सूचना की पुष्टि के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (डीएसपी) टंडवा प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

टीम ने 5 अगस्त की रात को खंधार गांव स्थित मनोज तिग्गा के घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान उसके घर से एके-47 की 83 जिंदा गोलियां बरामद हुईं। पुलिस ने मौके से मनोज तिग्गा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ कि वह टीएसपीसी उग्रवादियों के लिए काम करता था और उनके निर्देश पर हथियारों को छुपाकर रखा था।

इस मामले में पिपरवार थाना में आर्म्स एक्ट और सीएलए एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उग्रवादी गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। फिलहाल, पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई करते हुए अन्य उग्रवादियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

इस ऑपरेशन में डीएसपी टंडवा प्रभात रंजन बरवार के साथ-साथ थाना प्रभारी अभय कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक सुरेन्द्र उपाध्याय, सहायक अवर निरीक्षक बसंत कुमार महतो, आरक्षी शंभु यादव, संतोष यादव सहित अन्य सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

कनाडा में स्थायी निवास चाहने वाले भारतीयों की बढ़ी मुश्किल

एक्सप्रेस एंट्री आवेदन तेजी से हो रहे खारिज

ओटावा, 6 अगस्त (एजेंसियां)। कनाडा में स्थायी निवास की चाहत रखने वालों के लिए बुरी खबर है, क्योंकि कनाडाई इमिग्रेशन एजेंसी 'एक्सप्रेस एंट्री' के तहत आवेदनों को तेजी से खारिज कर रही है। यह उन मामलों में ज्यादा हो रहा है, जहां आवेदकों ने अपने जीवनसाथी को गैर-साथी घोषित किया है। इनमें कई मामले ऐसे हैं, जिनमें जीवनसाथी पहले से ही काम या पढ़ाई के सिलसिले में पहले से ही कनाडा में रह रहे थे। ध्यान देने की बात है कि केवल कनाडा के बाहर के लोग ही एक्सप्रेस एंट्री के तहत स्थायी निवासी बनने के लिए आवेदन नहीं कर सकते। यह उन लोगों के लिए भी खुला है, जो पहले से ही कनाडा में हैं।

क्या है एक्सप्रेस एंट्री?

एक्सप्रेस एंट्री कनाडा की पॉइंट आधारित प्रणाली है, जिसका उपयोग स्किल वर्कर के इमिग्रेशन आवेदनों के प्रबंधन के लिए किया जाता है, जो स्थायी निवासी बनना चाहते हैं। उम्र, शिक्षा, फ्रेंच भाषा दक्षता जैसे मानदंडों के आधार पर उम्मीदवारों को व्यापक रैंकिंग स्कोर (सीआरएस) दिया जाता है। इसके बाद उन्हें एक्सप्रेस एंट्री पूल में रखा जाता है और रैंकिंग दी जाती है। समय-समय पर ड्रॉ निकाला जाता है, जिसमें कट-ऑफ स्कोर हासिल करने वालों को स्थायी निवास के लिए आवेदन का निमंत्रण मिलता है।

जब कोई व्यक्ति अपने जीवनसाथी (जिसे साथ न रहने वाले साथी के रूप में दिखाया गया है) को शामिल किए बिना आवेदन करता है, तो उसका मूल्यांकन सिंगल आवेदन के रूप में किया जाता है। सिंगल आवेदक को कोर ह्यूमन कैपिटल अनुभाग के अंतर्गत 40 अतिरिक्त अंक तक मिल सकते हैं। अगर जीवनसाथी की योग्यताएं (शिक्षा, भाषा आदि) कमजोर हैं तो स्कोर कम हो सकता है। इसलिए कई बार आवेदक जीवनसाथी को शामिल नहीं करते हैं। कनाडा के लिए इमिग्रेशन सलाहकार कुबेर कमाल ने हमारे सहयोगी टीओआइ को बताया कि 'जीवनसाथी को गैर-साथी घोषित करने की रणनीति दुर्भाग्य से व्यापक हो गई है। इसमें वे आवेदक ज्यादा है, जो पहले से ही अपने जीवनसाथी के साथ अस्थायी स्थिति में कनाडा में रह रहे हैं।' इसे ऐसे समझा जा सकता है कि एक साथ बंद वर्क परमिट पर है और दूसरा पार्टनर ओपेन वर्क परमिट पर है।

कनाडा ने बदली रणनीति

एक दूसरे इमिग्रेशन सलाहकार ने कहा, कनाडाई इमिग्रेशन अब इस बात पर जोर दे रहा है कि अगर किसी आवेदक का जीवनसाथी कनाडा में मौजूद है, तो इसका मतलब है कि वह स्थायी रूप से वहां रहने का इरादा रखता है। ऐसे में जीवनसाथी को गैर-साथी घोषित करना इमिग्रेशन और शरणार्थी संरक्षण अधिनियम के तहत गलतबयानी माना जा सकता है। इसे तथ्य छिपाने के रूप में देखा जा सकता है। मनीष कपूर ने कहा कि पहले इस तरह के आवेदन बिना किसी समस्या के मंजूर हो जाते थे।

कई आवेदकों का कहना है कि उनके पास जीवनसाथी को गैर-साथी के रूप में सूचीबद्ध करने के लिए वैध कारण हैं और उन्होंने इस बारे में स्पष्टीकरण भी दिया है। इसके बावजूद आवेदन खारिज किए गए। परंपरागत रूप से एक्सप्रेस एंट्री सिस्टम के तहत आवेदन हासिल करने वालों के लिए भारत एक प्रमुख स्रोत रहा है।

नाटो देश स्पेन ने ही कर दिया अमेरिका स्टील्थ जेट एफ-35 लेने से इनकार

कन्नी काटने की बताई वजह भारत पर दबाव डाल रहे ट्रंप

मैड्रिड, 6 अगस्त (एजेंसियां)। स्पेन ने अमेरिकी फाइटर जेट एफ-35 खरीदने की योजना को रद्द कर दिया है।

स्पेन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया है कि उनका देश अमेरिका निर्मित एफ-35 खरीदने पर विचार कर रहा था लेकिन अब यह जेट उनके विकल्पों की लिस्ट से बाहर हो गया है। उन्होंने बताया कि स्पेन की एयरफोर्स अब यूरोपीय निर्मित यूरोफाइटर या फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम (एफसीएएस) पर विचार कर रहा है। विचार विमर्श के बाद इन दो विमानों में से किसी एक का चयन किया जाएगा।

स्पेन के एल पेस अखबार ने बुधवार को बताया कि स्पेन सरकार ने 2023 के अपने बजट में नए लड़ाकू विमान खरीदने के लिए 6.25 अरब यूरो (7.24 अरब डॉलर) निर्धारित किए थे। हालांकि इस साल अतिरिक्त 10.5 अरब यूरो का बड़ा हिस्सा यूरोप में रक्षा पर खर्च करने की योजना के कारण अमेरिका निर्मित लड़ाकू विमान हासिल करना संभव नहीं हो सका।

यूक्रेन बोला- रूसी ड्रोन्स में भारतीय पुर्जे मिले

इनकी सप्लाई रुकनी चाहिए, जुलाई में रूस ने 6000 से ज्यादा ड्रोन हमले किए

कीव, 6 अगस्त (एजेंसियां)। यूक्रेन ने दावा किया है कि रूसी अटैक ड्रोन्स में उसे भारत में बनाए गए पुर्जे मिले हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ एंड्री यरमक ने कहा कि रूस को विदेशी पुर्जों की आपूर्ति रुकनी चाहिए, ताकि वो इनका इस्तेमाल यूक्रेनी लोगों की जान लेने में न कर पाए।

एंड्री यरमक ने यह दावा ऐसे वक्त पर किया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भारत पर आरोप लगा रहे हैं कि भारत रूसी ऑयल खरीदकर रूस की मदद कर रहा है, जिससे उसे यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखने में मदद मिल रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस ने जुलाई में यूक्रेन पर 6000 से ज्यादा ड्रोन हमले किए थे। यह 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक के सबसे ज्यादा ड्रोन अटैक थे।

इन हमलों में दर्जनों लोग मारे गए और कई घायल हुए थे। इसके साथ ही कई घरों, किंडरगार्टन, एक एम्बुलेंस और मिलिट्री ठिकानों को भी नुकसान पहुंचा था। इस महीने भी रूस की तरफ से लगातार यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन हमले जारी हैं। यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक शनिवार रात 2 अगस्त को रूस ने 76 ड्रोन और 7 मिसाइलें दागीं थीं।

इनमें से 60 ड्रोन और 1 मिसाइल को मार गिराया गया। बाकी 16 ड्रोन और 6 मिसाइलें आठ अलग-अलग जगहों पर गिरीं।

इससे पहले 31 जुलाई को रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में यूक्रेन के 31 लोग मारे गए थे। इनमें 5 बच्चे शामिल थे, जबकि 150 से ज्यादा घायल हुए थे।

यूक्रेन ने भी रूस पर ड्रोन अटैक किए

वहीं, यूक्रेन ने रविवार को रूस के सोची स्थित एक ऑयल डिपो पर ड्रोन से हमला किया था। हमले के बाद डिपो में भीषण आग लग गई थी। क्रास्नोडार क्षेत्र के गवर्नर वेनियामिन कोंद्रात्येव ने बताया कि ड्रोन के मलबे के तेल टैंक से टकराने के बाद आग लगी, जिसे बुझाने के लिए 120 से ज्यादा दमकलकर्मी लगाए गए थे।

हमले के बाद रूस के सिविल एविएशन एजेंसी रोसावियात्सिया ने कुछ समय के लिए सोची एयरपोर्ट पर उड़ानें रोक दीं थीं। इस दौरान 2 रशियन लड़कियां विस्फोट के साथ वीडियो बनाते हुए भी नजर आईं थीं।

रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रशियन सेना ने शनिवार रात से रविवार सुबह तक रूस और ब्लैक सी के ऊपर यूक्रेन के 93 ड्रोन मार गिराए थे। हालांकि रूस के वोरोनेज क्षेत्र में एक और यूक्रेनी ड्रोन हमले में चार लोग घायल हो गए थे।

अमेरिका को डबल क्रॉस कर रहा चालबाज पाकिस्तान

कीव, 6 अगस्त (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के एक दावे ने सनसनी मचा दी है। उन्होंने बताया है कि खार्किव में यूक्रेनी सैनिकों का सामना विदेशी भाड़े के सैनिकों से हो रहा है, जो रूसी सेना के साथ मिलकर लड़ रहे हैं। इनमें पाकिस्तान, चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और अफ्रीकी देशों के सैनिक शामिल हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति के बयान से पता चलता है कि एक तरफ पाकिस्तान जहां अमेरिका की गोद में बैठकर उसका दुलारा बना हुआ है, वहीं वह दूसरी तरह डोनाल्ड ट्रंप की आंखों में धूल झोंककर रूस के साथ भी सीक्रेट दोस्ती बनाए हुए है। जेलेंस्की ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'इस क्षेत्र में जंग के दौरान हमारे योद्धा चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, पाकिस्तान और अफ्रीकी देशों के भाड़े के सैनिकों की भागीदारी की रिपोर्ट कर रहे हैं।' उन्होंने लिखा कि हम जवाब देंगे। पहले भी 2023 में रूस-यूक्रेन युद्ध में पाकिस्तान के शामिल होने की बात सामने आई थी, लेकिन उस दौरान इस्लामाबाद पर कीव को हथियारों की आपूर्ति का आरोप लगाया गया था।

अमेरिका स्थित एक मीडिया आउटलेट द इंटरसेप्ट ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि अमेरिका ने यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति से जुड़े एक गुप्त सौदे के जरिए पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) से बेलआउट पैकेज हासिल करने में मदद की। वहीं, बीबीसी उर्दू ने बताया कि पाकिस्तान ने यूक्रेन को 155 मिमी तोप के गोले और रॉकेट सप्लाई करने के लिए अमेरिकी कंपनियों के साथ सौदों के जरिए 36.4 करोड़ डॉलर कमाए।

नेतन्याहू ने गाजा पर कब्जे का प्लान बनाया

विरोध में उतरे आर्मी चीफ, कहा- सैन्य कार्रवाई से 20 बंधकों की जान को खतरा

तेल अवीव, 6 अगस्त (एजेंसियां)। गाजा युद्ध शुरू होने के करीब दो साल बाद इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अब पूरे गाजा पर कब्जा करने की योजना (बिग गाजा प्लान) पर काम शुरू कर दिया है। लेकिन, नेतन्याहू के इस बिग गाजा प्लान पर इजराइली सेना सहमत नहीं है। इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमीर ने योजना पर आपत्ति जताई है। इससे इजराइली राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के बीच तनाव और अधिक बढ़ गया है।

जमीर ने चेतावनी दी है कि गाजा पर कब्जे की कोशिश से वहां बंधक 20 इजराइली नागरिकों की जान को गंभीर खतरा हो सकता है। जमीर के मुताबिक इससे इजराइल गाजा में एक थकाऊ युद्ध में उलझ जाएगा। फिलहाल गाजा के करीब

75% हिस्से पर इजराइली सेना का नियंत्रण है। अब नेतन्याहू संपूर्ण गाजा पर कब्जा चाहते हैं।

नेतन्याहू के करीबी सहयोगियों ने बिग गाजा प्लान के खिलाफ जाने पर आर्मी चीफ जमीर का इस्तीफा मांगा है। उनके एक करीबी अधिकारी ने एक इजराइली वेबसाइट से कहा कि, अब फैसला हो चुका है,हम गाजा पर पूर्ण कब्जे की ओर बढ़ रहे हैं। अगर चीफ ऑफ स्टाफ जमीर को यह मंजूर नहीं है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

आईडीएफ चीफ हर्शी हलेवी ने मार्च 2025 में इस्तीफा दे दिया था। नवंबर 2024 में तत्कालीन रक्षा मंत्री गैलेंट को नेतन्याहू ने 'विश्वास संकट' का हवाला देकर हटा दिया था। नेतन्याहू अपने करीबी मंत्रियों के साथ गाजा पट्टी पर पूर्ण कब्जा करने की योजना का खुलासा कर चुके हैं।

उनके के दो कट्टरपंथी सहयोगियों वित्त मंत्री बेजालेल स्मोटरिच और राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर गाजा पर सैन्य शासन के बाद उसके इजराइल में विलय की मांग कर रहे हैं। वे वहां यहूदी बस्तियों की बहाली की वकालत कर रहे हैं। यूनिसेफ ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि इजराइली बमबारी और मानवीय सहायता रोकने के चलते गाजा में हर दिन औसतन 28 फिलिस्तीनी बच्चों की मौत हो रही है। अक्टूबर 2023 से अब तक 18 हजार से ज्यादा बच्चों की मौत हो चुकी है। यूनिसेफ ने कहा कि बच्चों की मौतें बमबारी, कुपोषण और सहायता के अभाव से हो रही हैं। हालात इतने भयावह हैं कि बीते 24 घंटे में ही एक बच्चे सहित 8 लोग भुखमरी से मारे गए।

हिरोशिमा में याद किया गया दुनिया का पहला एटम बम हमला

टोक्यो, 6 अगस्त (एजेंसियां)। जापान का हिरोशिमा शहर आज 6 अगस्त को 80 साल पहले घटी भयावह परमाणु त्रासदी को याद कर रहा है। 6 अगस्त 1945 ही वह दिन था, जब अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर लिटिल बॉय नामक परमाणु बम गिराया था। यह दुनिया में युद्ध के दौरान पहला परमाणु बम का इस्तेमाल था। इस हमले ने हिरोशिमा शहर के बड़े इलाके को तहस-नहस कर दिया था। इस हमले में 140,000 लोग मारे गए थे। इसके तीन दिन बाद जापान के दूसरे शहर नागासाकी पर एक दूसरा परमाणु बम गिराया गया था, जिसमें 70000 लोग मारे गए थे।

बुधवार को हिरोशिमा के शांति स्मारक में इस परमाणु त्रासदी के 80 साल पूरे होन की याद में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जापानी प्रधानमंत्री शेगेरू इशिबा, दुनिया भर के अधिकारियों और शहर के मेयर काजुमी मत्सुई के साथ इस समारोह में शामिल हुए। स्मारक सेवा में शामिल कई लोगों ने दुनिया में एक बार फिर तेजी से बढ़ते परमाणु हथियारों के समर्थन के लिए निराशा व्यक्त की। प्रधानमंत्री इशिबा, हिरोशिमा के मेयर काजुमी मत्सुई और अन्य अधिकारियों ने समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित किए। जापान पर गिराए गए दो परमाणु बमों ने 200000 से ज्यादा लोगों की जान ले ली थी। इनमें कुछ तत्काल विस्फोट से और कुछ विकिरण से होने वाली बीमारी और जलने से मारे गए। इन हथियारों की विरासत आज भी जीवित लोगों को सता रही है। हिरोशिमा में परमाणु बम गिराए जाने के बाद जीवित बचे शिंगो नाइतो ने बीबीसी को बताया, 'मेरे पिता विस्फोट में बुरी तरह जल गए थे और अंधे हो गए थे।

टैरिफ विवाद: ट्रम्प बोले- ब्राजीली राष्ट्रपति जब चाहें, बात करें

लूला दा सिल्वा का जवाब- उनसे नहीं, मोदी और जिनपिंग से चर्चा करना चाहूंगा

ब्रासीलिया, 6 अगस्त (एजेंसियां)। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बातचीत के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। ट्रम्प ने मंगलवार को कहा था, 'लूला जब चाहें, मुझसे बात कर सकते हैं।'

लूला ने इस प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा, 'मैं टैरिफ पर बात करने के लिए ट्रम्प को कॉल नहीं करूंगा। इसके बदले पीएम नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग जैसे नेताओं से बातचीत करना चाहूंगा।'

अमेरिका ने ब्राजील पर 50% टैरिफ लगा रखा है। ब्राजील इससे निपटने के लिए विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में जाने पर विचार कर रहा है।

लूला ने यह भी कहा कि भले ही ट्रम्प से उनकी बातचीत न हो, लेकिन वे नवंबर में होने वाले सीओपी-30 क्लाइमेट समिट में ट्रम्प को न्योता जरूर भेजेंगे।

ट्रम्प ने ब्राजील पर 50% टैरिफ लगाया

अमेरिका ने हाल ही में ब्राजील पर 50% टैरिफ लगाया है। ट्रम्प प्रशासन के मुताबिक यह टैरिफ पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के चलते लगाया गया है। ट्रम्प ने बोल्सोनारो के खिलाफ कार्रवाई को विचहंट यानी बदले की कार्रवाई बताया है। बोल्सोनारो पर 2022 के चुनाव हारने के बाद तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप है। इसके चलते अमेरिका और ब्राजील के बीच रिश्ते और बिगड़ गए हैं।

बोल्सोनारो पर 8 जनवरी 2023 को ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में हुए दंगों के लिए कथित रूप से तख्तापलट की कोशिश का आरोप है।

ट्रम्प ने पिछले महीने एक बयान में कहा था कि ब्राजील में फ्री इलेक्शन पर हमला हो रहा है और अमेरिकी लोगों की अभिव्यक्ति की आजादी को कंट्रोल किया जा रहा है। इस वजह से 1 अगस्त 2025 से ब्राजील से अमेरिका आने वाले सभी उत्पादों पर 50% टैरिफ लगाया जाएगा।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो एक सम्मानित नेता हैं। उनके साथ जो व्यवहार किया, वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मनाक है। यह केस तुरंत खत्म होना चाहिए।

उन्होंने ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट की तरफ से बोल्सोनारो को अगले चुनाव में भाग लेने से रोकने और ट्रम्प के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल और रंबल पर सेंसरशिप आदेशों का भी जिक्र किया।

ट्रम्प की धमकी से डरे 100 से ज्यादा देश

अमेरिका से ट्रेड डील की, भारत समेत 5 देश नहीं झुके, कैसे करेंगे पाबंदियों का मुकाबला

वॉशिंगटन, 6 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकी संसद के जॉइंट सेशन में दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि हमारी इकोनॉमी लगातार घाटे में जा रही है। इस नुकसान से बचने के लिए हम उन सभी देशों पर टैरिफ लगाएंगे, जो हमारे सामानों पर टैरिफ लगाते हैं।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने करीब एक महीने बाद 2 अप्रैल को भारत समेत 69 देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की। यह 9 अप्रैल से लागू होने वाला था, लेकिन ट्रम्प ने तब इसे टाल दिया। अमेरिकी प्रेसिडेंट ने कहा कि वे दुनियाभर के देशों को अमेरिका के साथ समझौता करने के लिए 90 दिनों का वक्त दे रहे हैं।

31 जुलाई को समझौते की तारीख खत्म हो गई। इस दिन ट्रम्प ने 100 से ज्यादा देशों पर टैरिफ लगाया। जिन देशों ने अमेरिका के साथ समझौता किया, उन पर 10 से 20% टैरिफ लगा और जिन देशों ने ऐसा नहीं किया, उन पर 25 से 50% का टैरिफ लगा। भारत पर 25% का टैरिफ लगा, क्योंकि उसने ट्रम्प की शर्तें नहीं मानीं।

5 देश जो अमेरिकी दबाव के आगे झुके

ब्रिटेन: बीफ को टैक्स फ्री किया

अमेरिका ने ब्रिटेन पर 2 अप्रैल को 41% टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। अब इसे घटाकर 10% कर दिया है।

इसके अलावा ब्रिटेन के स्टील और एल्यूमीनियम के सामानों पर 25% का टैरिफ लगाया गया है। पहले अमेरिका ने इन दोनों पर 50% टैरिफ लगा रखा था।

जापान: 100 बोइंग प्लेन खरीदने को तैयार

ट्रम्प ने जापान के सामानों पर 15% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। इससे पहले जापान पर 25% टैरिफ लगाया गया था।

टैरिफ कम होने की वजह: रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक जापान ने अमेरिका में 550 बिलियन डॉलर (लगभग 45 लाख करोड़) का निवेश करने का वादा किया है।

यूरोपीय यूनियन (ईयू): 51 लाख करोड़ का निवेश करेगा

अमेरिका ने यूरोपीय यूनियन पर 15% टैरिफ लगाया है। ट्रम्प ने ईयू पर 30% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। हालांकि, स्टील, कॉपर और एल्यूमीनियम के सामानों पर रियायत नहीं मिलेगी और इन पर टैरिफ की दर 50% ही रहेगी। टैरिफ कम होने की वजह: ईयू अगले 3 साल में अमेरिका से 750 बिलियन डॉलर, यानी करीब 64 लाख करोड़ रुपए की एनर्जी खरीदेगा।

साउथ कोरिया- बीफ मार्केट ओपन नहीं, फिर भी टैरिफ घटा

अमेरिका ने साउथ कोरियाई सामानों पर 15% टैरिफ लगाया है। इससे पहले साउथ कोरिया पर 25% टैरिफ लगा था।

इंडोनेशिया- 50 बोइंग प्लेन खरीदने का वादा किया

अमेरिका ने इंडोनेशिया पर 19% टैरिफ लगाया है। ट्रम्प ने पहले इंडोनेशिया पर 32% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी।

टैरिफ कम होने की वजह: इंडोनेशिया के बाजार में 99% से अधिक अमेरिकी सामानों को टैक्स फ्री एंट्री मिली है। इंडोनेशिया ने 50 बोइंग प्लेन खरीदने का वादा किया है।

पाकिस्तान 1 सितंबर से शुरू करेगा निर्वासन

इस्लामाबाद, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार ने घोषणा की है कि देश में रह रहे 1.3 मिलियन (13 लाख) से ज्यादा अफगान शरणार्थियों की औपचारिक वापसी और निर्वासन की प्रक्रिया 1 सितंबर 2025 से शुरू की जाएगी। यह शरणार्थी वो हैं जिनके पास प्रूफ ऑफ रजिस्ट्रेशन (पीओआर) कार्ड हैं, लेकिन ये कार्ड 30 जून को समाप्त हो चुके हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि जिनके पीओआर कार्ड की वैधता खत्म हो चुकी है, वे अब अवैध निवासी माने जाएंगे। ऐसे लोगों को अब पाकिस्तान में रहने की अनुमति नहीं होगी।

पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने एक पत्र जारी कर सभी प्रांतीय सरकारों, पुलिस अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों को इस योजना की जानकारी दी है। इस योजना को 'अवैध विदेशियों के प्रत्यावर्तन योजना (आईएफआरपी)' कहा जा रहा है। इस योजना के तहत इन सभी को निकाला जाएगा। स्वैच्छिक वापसी- यानी शरणार्थी अभी से स्वेच्छा से लौट सकते हैं। इसके लिए कोई रोक नहीं है। औपचारिक निर्वासन- जिन शरणार्थियों ने स्वेच्छा से वापसी नहीं की, उन्हें 1 सितंबर से वापस भेजा जाएगा।

पाकिस्तान के सिंधु डेल्टा में पानी 80% घटा

समुद्र का पानी भरने से जमीन खारी हुई, 12 लाख लोग बेघर हुए

इस्लामाबाद, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सबसे बड़ी नदी सिंधु के डेल्टा में जिंदगी खत्म होने की कगार पर है। सिंधु का पानी ऊपर के इलाकों में नहरों और बांधों में रोक लिया गया है।

इसकी वजह से सिंध प्रांत और डेल्टा क्षेत्र में पानी पहुंचना लगभग बंद हो गया है। 1950 के दशक से अब तक सिंधु डेल्टा में बहने वाले पानी में 80% की गिरावट आ चुकी है।

दूसरी तरफ इसमें अरब सागर का खारा पानी घुस आया है। इससे यहां की जमीन खारी हो चुकी है। खेती बंद हो गई है। मछलियों की आबादी घटी है और झींगा-केकड़ों का जीवन संकट में है। डेल्टा में कभी 17 छोटी नदियां, दलदली

जमीन, मैंग्रोव जंगल और मछलियों से भरे कीचड़ भरे मैदान थे। आज वह मिट्टी नमकीन, पानी जहरीला और जमीन रहने लायक नहीं बची।

सिंध सरकार के मुताबिक, यहां 80% पानी पीने लायक नहीं बचा। समुद्र का खारा पानी अब जमीन के अंदर तक घुस आया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो दशकों में अब तक 12 लाख से अधिक लोग डेल्टा छोड़कर कराची जैसे शहरों की ओर पलायन कर चुके हैं। पाकिस्तान फिशरफोक फोरम का कहना है कि तटीय इलाकों से हजारों मछुआरे परिवार विस्थापित हो चुके हैं।

54 साल के हबीबुल्लाह खट्टी ने अपना अब्दुल्ला मीरबहार गांव को छोड़ने दिया है। गांव छोड़ने से पहले उन्होंने अपनी मां की कब्र पर आखिरी सलाम किया। वो बताते हैं, चारों तरफ खारा पानी फैल चुका है।

गांव में अब बस चार घर बचे हैं। कभी 40 गांवों वाले खारो चान इलाके में अब ज्यादातर गांव समंदर निगल चुका है।

भारत में हम हर जगह हमला कर सकते हैं

इस्लामाबाद, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान सेना के मीडिया विंग आईएसआरपी के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने एक इंटरव्यू में भारत को धमकी देते हुए कहा है कि 'पाकिस्तान भारत को कहीं से भी निशाना बना सकता है।' आईएसपीआर के महानिदेशक ने इस सवाल का जवाब देते हुए कि यदि भारत ने कोई आक्रामक कार्रवाई दोहराई तो पाकिस्तान की क्या प्रतिक्रिया होगी, चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान भारत के भीतर गहराई तक हमला करके शुरुआत करेगा। हम पूर्व से शुरुआत करेंगे। उन्हें (भारत) यह भी समझना होगा कि उन पर हर जगह हमला हो सकता है। जबकि ये वही सेना है, जब भारत पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले कर रहा था तो ये बैठकर हमलों की गहराई देख रहे थे।

आपको बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने 6-7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर चलाते हुए पाकिस्तान और पीओके में कम से कम 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे।

भारत का मानना है कि उसके हमले में पाकिस्तान में कम से कम 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गये हैं।

पायलट को जवाब दें गहलोत, क्यों रोके छात्रसंघ चुनाव ?

एनएसयूआई के प्रदर्शन पर डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा का बड़ा बयान

जयपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। एनएसयूआइ के प्रदर्शन पर उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि पायलट का आंदोलन हमारे नहीं, गहलोत के खिलाफ है। गहलोत ही पायलट को जवाब दें कि उन्होंने छात्रसंघ चुनाव क्यों रोके? कांग्रेस अब छात्रसंघ चुनाव के नाम पर राजनीति कर रही है। उच्च शिक्षा विभाग में उनकी फाइल पड़ी है। उन्होंने ने ही छात्रसंघ चुनाव रोकने का आदेश दिया था।

दरअसल, छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर जयपुर में एनएसयूआइ कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान सचिन पायलट ने कहा कि आखिर ऐसी क्या मजबूरी है जो छात्रसंघ चुनाव नहीं करवाए जा रहे है। सलाह देने वाले सीएम को बोल रहे हैं कि चुनाव मत कराओ। यह सीख दिल्ली से आ रही है। अगर चुनाव का नहीं करा रहे हैं तो इसका कारण बताएं।

इन विधायकों ने भी उठाई छात्रसंघ चुनाव की मांग

विधायक अभिमन्यु पूनिया ने कहा कि आज एक भी छात्र पर मुकदमा लगाया गया तो कांग्रेस पार्टी इसका करारा जवाब देगी। लाडनूं विधायक मुकेश भाकर ने कहा कि सरकार को हर कीमत पर चुनाव कराने होंगे। शाहपुरा विधायक मनीष यादव ने कहा कि हम लड़ेंगे, बढ़ेंगे, लेकिन हार नहीं मानेंगे।

छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर जयपुर में प्रदर्शन

गौरतलब है कि प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर एनएसयूआइ कार्यकर्ताओं ने राजधानी जयपुर में विरोध-प्रदर्शन किया। शहीद स्मारक पर छात्र सभा में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट सहित कई विधायक और पार्टी के नेता पहुंचे।

एनएसयूआइ कार्यकर्ताओं ने जब सीएम आवास का घेराव करने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए पानी की बौछार की।

सचिन पायलट पर भी वाटर कैनन चलाई। इस दौरान पुलिस और एनएसयूआइ कार्यकर्ताओं के बीच हल्की धक्का-मुक्की हुई। विरोध बढ़ता देख पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा।

क्यों लगी थी छात्रसंघ चुनाव पर रोक?

साल 2023 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने छात्रसंघ चुनावों पर रोक लगाई थी। तब तर्क दिया गया था कि छात्रसंघ चुनावों में धनबल और बाहुबल का दुरुपयोग हो रहा है।

साथ ही, लिंगदोह समिति की सिफारिशों का उल्लंघन और परिसरों में हिंसा की घटनाएं भी बढ़ रही थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि छात्रसंघ चुनाव विधानसभा और लोकसभा चुनावों की तरह महंगे हो गए हैं। ऐसे में छात्रसंघ चुनावों पर रोक लगाई थी।

दिल्ली से जोधपुर पहुंची मंडोर एक्सप्रेस यात्रियों का सामान चोरी

विदेशी भी बने निशाना; पासपोर्ट, नकदी सब गायब

जोधपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। मंडोर एक्सप्रेस ट्रेन में बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। आज सुबह दिल्ली से जोधपुर पहुंची ट्रेन के यात्रियों ने जैसे ही आंखें खोलीं, तो उनके होश उड़ गए। ट्रेन के सेकंड एसी और थर्ड एसी कोच में सफर कर रहे कई यात्रियों का कीमती सामान चोरी हो चुका था। चोरों ने ट्रेन में विदेशी यात्रियों को भी निशाना बना लिया। जिसके बाद जीआरपी पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई। करीब दस यात्रियो का सामान चोरी हुआ है। इनमें से पांच विदेशी यात्री है। विदेशी यात्रियों के करीब दो लाख दस हजार रुपए और तीन पासपोर्ट सहित अन्य सामान चोरी हुआ है।

आज सुबह जोधपुर स्टेशन पर जैसे ही ट्रेन पहुंची। यात्रियों ने हंगामा मचाना शुरू कर दिया। यात्रियों ने रेलवे की सुरक्षा पर सवाल खड़े करते हुए हंगामा मचाया। इसके बाद पुलिस ने यात्रियों से चोरी के सामान को लेकर जानकारी ली। इस दौरान कई यात्रियों की आंखों में आंसू थे और वे अपने खोए हुए सामान की तलाश में परेशान दिखाई दिए।

विदेशी यात्रियों ने बताया कि चोर उनके पासपोर्ट, विदेशी मुद्रा, लैपटॉप, गोल्ड ज्वेलरी और कीमती बैग तक ले गए। पीड़ितों का कहना है कि रातभर में उन्हें भनक तक नहीं लगी कि ट्रेन में चोरों ने सफर किया और उनका कीमती सामान ले उड़े। उनके मोबाइल फोन, पर्स और नकदी तक गायब हो चुकी थी। चोरी की इस वारदात से ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों में भय का माहौल बन गया।

ट्रेन के जोधपुर पहुंचने पर पीड़ित यात्री जीआरपी थाना पहुंचे और वहां चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। जीआरपी की ओर से ट्रेन में सफर करने वाले आरोपियों की जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज और स्टेशन पर मौजूद सुरागों के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है।

विदेशी यात्रियों ने पुलिस को बताया कि उनकी विदेशी मुद्रा, पासपोर्ट व अन्य कीमती सामान चोरी हो गया है। ऐसे में अब वापसी को लेकर उनके सामने परेशानी खड़ी हो गई है। इधर पुलिस की ओर से अब आरोपियों की तलाश की जा रहीं है।

राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी को मिला कैबिनेट मंत्री का दर्जा

जयपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान राज्य वित्त आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी को राज्य सरकार ने कैबिनेट मंत्री स्तर का दर्जा दिया है और इस बारे में मंत्रिमंडल सचिवालय ने आधिकारिक आदेश जारी कर दिए हैं। अब चतुर्वेदी को कैबिनेट मंत्री के समकक्ष वेतन, भत्ते और अन्य सभी सुविधाएं मिलेंगी।

कैबिनेट सचिवालय के आदेश के अनुसार राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी को कैबिनेट स्तर का दर्जा दे दिया गया है। ओंकारसिंह लखावत के बाद उन्हें ही कैबिनेट स्तर का दर्जा मिला है। मंत्री का दर्जा मिलने के बाद उन्हें अब प्रतिमाह 65,000 रुपये वेतन के साथ 55,000 रुपये भत्ते के रूप में दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त उन्हें 2,000 प्रतिदिन के हिसाब से दैनिक भत्ता मिलेगा, जो अधिकतम 180 दिन के लिए देय होगा। चतुर्वेदी को सरकारी टेलीफोन, पोस्टपेड मोबाइल, ब्रॉडबैंड और इंटरनेट के लिए 10,000 प्रतिमाह की राशि दी जाएगी।

हालांकि राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष को हर बार मंत्री का दर्जा दिया जाता है। पूर्ववर्ती वसुंधरा सरकार में ज्योति किरण को राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष के तौर पर राज्यमंत्री का दर्जा दिया गया था। वहीं पिछले गहलोत सरकार में राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष के तौर पर पूर्व वित्तमंत्री प्रद्युम्न सिंह को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया था। राजस्थान की मौजूदा भजनलाल सरकार को भी डेढ़ साल से ज्यादा हो गया, लेकिन अब तक 8 बोर्ड आयोगों में ही अध्यक्ष पद दिए गए हैं। पिछली सरकार में भी करीब 80 बोर्ड आयोगों में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष बनाए गए थे। नियुक्तियों का सिलसिला चुनाव आचार संहिता लगने तक जारी रहा और इनमें से कई तो पदभार ही ग्रहण नहीं कर सके।

दिल्ली तक पहुंचा पेड़ों की कटाई का मुद्दा

केंद्रीय मंत्री से मिलकर कांग्रेस सांसद ने की बडी मांग

चूरू, 6 अगस्त (एजेंसियां)। सांसद राहुल कस्वां ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी एवं केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर सोलर प्लांट की आड़ में वृक्षों की अंधाधुंध कटाई का मुद्दा उठाया। साथ ही सांसद कस्वां ने केन्द्रीय वन, पर्यावरण व जलवायु मंत्री भूपेन्द्र यादव को इस मुद्दे को लेकर पत्र भी लिखा। केन्द्रीय मंत्री से मुलाकात और लिखे पत्र में सांसद कस्वां ने कहा कि बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, फलौदी, जोधपुर सहित उत्तर-पश्चिमी राजस्थान खेजड़ी सहित रेगिस्तानी दुर्लभ प्रजातियों के वन्य जीवों के लिए प्रसिद्ध है।

उन्होंने कहा वर्तमान में इन जिलों में नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता बढ़ाने के लिए सोलर प्लांट बड़े स्तर पर लगाए जा रहे हैं, लेकिन इनकी आड़ में पर्यावरण का भारी विनाश किया जा रहा है। यद्यपि सौर ऊर्जा देश के भविष्य के लिए आवश्यक है, जिसमें कोई संदेह नहीं है, लेकिन जब सोलर कंपनियों की ओर से प्लांट स्थापित करने के लिए हजारों बीघा में खेजड़ी जैसे पवित्र वृक्षों, घास के मैदानों और वन्यजीवों को नष्ट किया जाता है तो यह प्रगति नहीं, बल्कि परिस्थिति की हत्या है।

जलदाय विभाग के बड़े साहब का बड़ा कारनामा

एसीबी की रेड में खुल गई पोल, 8.10 लाख रुपया मिला

कोटा, 6 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जलदाय विभाग के तत्कालीन एडिशनल चीफ इंजीनियर महेश जांगिड़ के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है। फिलहाल भ्रष्टाचार के आरोपी महेश जांगिड़ राजधानी जयपुर में तैनात हैं।

जलदाय विभाग में ठेकेदारों से कमीशन से जोड़ा धन

गौरतलब है कि कोटा एसीबी ने अप्रैल 2023 में निरीक्षण के दौरान जलदाय विभाग के इन बड़े साहब महेश जांगिड़ की कार से 8 लाख 10 हजार रुपये नकद बरामद किए थे। इस रकम के बारे में महेश जांगिड़ संतोषजनक जवाब एसीबी को नहीं दे पाए थे। जांच में सामने आया था कि यह राशि जलदाय विभाग में ठेकेदारों से कमीशन के रूप में ली गई थी।

घर और बैंक लॉकर की भी तलाशी ली

कोटा एसीबी के एडिशनल एसपी विजय स्वर्णकार ने बताया कि कार से जयपुर जाते समय बड़गांव के पास महेश जांगिड़ की कार रुकवाकर तलाशी ली गई थी, जिसमें नकदी बरामद हुई थी। कार्रवाई के बाद महेश जांगिड़ के घर और बैंक लॉकर की भी तलाशी ली गई। साथ ही उनकी सेवा अवधि के दौरान अर्जित चल-अचल संपत्ति और बैंक खातों की भी जांच की गई। जांच में यह सामने आया कि उनके पास आय से 37.26% अधिक संपत्ति है।

वैध स्त्रोतों से आय और संपत्ति का अंतर

जांच में पाया गया कि महेश जांगिड़ और उनकी पत्नी की वैध स्त्रोतों से आय 1 करोड़ 91 लाख 66 हजार 6 रुपये थी, जबकि उनकी कुल परिसंपत्तियां और खर्च मिलाकर 2 करोड़ 63 लाख 7 हजार 757 रुपये पाए गए। इस पर सोमवार को एसीबी जयपुर मुख्यालय में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया। इसकी जांच की जिम्मेदारी एडिशनल एसपी स्पेशल यूनिट मुकुल शर्मा को सौंपी गई है।

5 साल से पाक एजेंट के संपर्क में था डीआरडीओ गेस्ट हाउस मैनेजर

सेना से जुड़े कई राज किए लीक पूछताछ में हुआ खुलासा

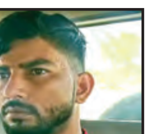

जैसलमेर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में पकड़ा गया डीआरडीओ गेस्ट हाउस के मैनेजर को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे हुए है। पूछताछ में सामने आया है कि गेस्ट हाउस मैनेजर महेंद्र प्रसाद पांच साल से पाक एजेंट के संपर्क में था। इस दौरान उसने सेना से जुड़ी कई अहम जानकारी पाक एजेंट को दी। जैसलमेर पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिव हरे ने बताया कि जासूसी का आरोपी महेंद्र प्रसाद पिछले 5 साल से पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज स्थित डीआरडीओ के गेस्ट हाउस में कार्यरत था। तभी से वह पाक एजेंट के संपर्क में था। महेंद्र प्रसाद ने डीआरडीओ गेस्ट हाउस प्रबंधन के दौरान सेना से जुड़ी कई संवेदनशील जानकारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों को भेजी थी। आरोपी के पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं और उनकी फोरेंसिक जांच की जा रही है।

शैक्षणिक सत्र से केंद्रीय विद्यालय शुरू करने की मांग तेज, केंद्रीय मंत्री जयंत से मिले सांसद लुंबाराम

सिरोही, 6 अगस्त (एजेंसियां)। सिरोही जिला मुख्यालय पर केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को लेकर वर्षों से की जा रही मांग अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती नजर आ रही है। जिलेवासियों की लंबे समय से चली आ रही इस अपेक्षा को लेकर क्षेत्रीय सांसद लुंबाराम चौधरी ने केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी से मुलाकात कर विद्यालय को वर्तमान शैक्षणिक सत्र से ही प्रारंभ करवाने की पुरजोर मांग रखी।

स्थायी भवन हेतु निरीक्षण प्रक्रिया पूरी, भूमि चयनित

सांसद लुंबाराम चौधरी ने मंत्री को जानकारी दी कि केंद्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर द्वारा गठित एक समिति ने 19 मार्च 2025 को सिरोही में विद्यालय संचालन हेतु संभावित भवन और भूमि का निरीक्षण किया था। इस दौरान महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय का पुराना भवन अस्थायी रूप से संचालन के लिए उपयुक्त पाया गया। साथ ही प्रस्तावित स्थायी भूमि का भी निरीक्षण किया गया।

इस निरीक्षण प्रक्रिया में जिला कलेक्टर सिरोही, उपायुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन जयपुर, केन्द्रीय विद्यालय जालोर के प्राचार्य, उपखंड अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक), तहसीलदार, भू-अभिलेख निरीक्षक, पटवारी और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। समिति द्वारा भूमि को केंद्रीय विद्यालय के लिए उपयुक्त मानते हुए स्वीकृति दी जा चुकी है।

सांसद चौधरी ने मंत्री जयंत चौधरी को अवगत कराया कि सिरोही जिला मुख्यालय एवं आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिक लंबे समय से केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की मांग कर रहे हैं।

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण

एक्शन मोड में प्रशासन, भारी पुलिस जाप्ते के बीच गरजी जेबीसी

जालोर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के जालोर के राजकीय महाविद्यालय के पीछे प्रताप नगर में सैकड़ों बीघा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण पर पालिका व प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए जेसीबी चलाकर पक्के अतिक्रमणों को ध्वस्त किया। उपखण्ड अधिकारी व पालिका प्रशासक मोहित कासनियां के निर्देशन में तहसीलदार मीठालाल जोशी, पालिका ईओ रमेश कंसारा, पालिका एसआई संजय जोशी, अतिक्रमण दस्ता प्रभारी अतुल तिवारी ने पालिका टीम के साथ सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाया।

अतिक्रमण पर कार्रवाई को लेकर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस जप्ता भी तैनात रहा। प्रशासन ने पक्के निर्माण कर बैठे अतिक्रमियों के सामान बहार निकलवा कर अतिक्रमण को जेसीबी की सहायता से ध्वस्त किया। पालिका व प्रशासन ने पहले दिन करीब 80 बीघा जमीन से अतिक्रमण हटाया।

पहले दिया था नोटिस

राजस्थान पत्रिका ने संरक्षित हो सरकारी भूमि अभियान के तहत प्रताप नगर में पालिका की करीब 516 बीघा जमीन पर अतिक्रमण की सिलसिलेवार खबरें प्रकाशित की थी। खबरें प्रकाशित होने के बाद पालिका व प्रशासन ने अतिक्रमणों को चिह्नित कर 100 से अधिक अतिक्रमियों को नोटिस जारी किए। नोटिस का जवाब नहीं मिलने पर पालिका व प्रशासन ने अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई की।

स्मार्ट मीटर लगाने पर हुआ बवाल

पुलिस लाठीचार्ज में महिला गंभीर घायल

जैसलमेर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। शहर की लोहार बस्ती में स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर भारी विवाद हो गया। मीटर लगाने पहुंचे ठेकेदारों के विरोध में मोहल्लेवासियों ने प्रदर्शन किया, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने बल प्रयोग किया, जिसमें एक बुजुर्ग महिला पप्पू देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला के सिर में डंडा लगने से खून बहने लगा, जिससे मौके पर हंगामा और अधिक बढ़ गया। माहौल को नियंत्रित करने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस ने मौके से 20 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया है। घटना की जानकारी मिलने पर एसपी अभिषेक शिवहरे स्वयं मौके पर पहुंचे और हालात की जानकारी ली। एसपी ने बताया कि मीटर लगाने के दौरान झड़प हुई है, जिसमें पुलिस की वर्दी फाड़ने और एक कांस्टेबल के घायल होने की भी जानकारी मिली है। फिलहाल क्षेत्र में पुलिस तैनात है और स्थिति नियंत्रण में है। बताया जा रहा है कि जैसलमेर शहर में सभी सरकारी आवासों पर स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। सीएमएचओ ऑफिस के पास स्थित लोहार बस्ती में मीटर लगाने पहुंचे ठेकेदारों को स्थानीय लोगों ने विरोध के चलते रोक दिया।

पुलिस हिरासत के दौरान ज्वेलर की मौत पर बवाल

परिजनों का टॉर्चर का आरोप; चार पुलिसकर्मी निलंबित

उदयपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर जिले के ऋषभदेव थाने में हिरासत में लिए गए एक ज्वेलर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद इलाके में भारी विरोध और हंगामा खड़ा हो गया। मृतक की पहचान डूंगरपुर जिले के बिछीवाड़ा निवासी सुरेश पंचाल (55) के रूप में हुई है। आरोप है कि पुलिस पूछताछ के दौरान टॉर्चर के चलते उनकी मौत हुई, वहीं पुलिस ने इसे तबीयत बिगड़ने से हुई मौत बताया है।

सुरेश पंचाल को चोरी के माल की खरीद-फरोख्त के आरोप में थाने लाया गया था। पुलिस पूछताछ के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें तुरंत ऋषभदेव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन वहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

टॉर्चर और धमकियों का आरोप

मृतक के बेटे हिमांशु पंचाल ने मीडिया से बातचीत में बताया कि पहले गोवर्धन विलास थाने की पुलिस उनके पिता को ले गई थी और वहां उन्हें धमकाया और प्रताड़ित किया गया। इसके बाद उन्हें ऋषभदेव थाने लाया गया, जहां संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई।

परिजनों और समाज का भारी विरोध प्रदर्शन

जैसे ही सुरेश पंचाल की मौत की खबर फैली, परिजन और समाज के सैकड़ों लोग ऋषभदेव पहुंचे और स्वास्थ्य केंद्र और थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने मुआवजा देने, परिजन को सरकारी नौकरी देने और दोषी पुलिसकर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए तीन थानों की पुलिस फोर्स को मौके पर बुलाया गया। मौके पर डीएसपी राजीव राहर, तहसीलदार वीरेंद्र सिंह राठौड़ सहित कई प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे और लोगों को शांत कराने की कोशिश की।

एसपी ने चार पुलिसकर्मी किए निलंबित

विवाद बढ़ने पर उदयपुर एसपी योगेश गोयल ने तुरंत एक्शन लेते हुए चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। एसपी ने कहा कि परिजनों की शिकायत के आधार पर मेडिकल जांच और मजिसट्रियल जांच करवाई जा रही है। साथ ही जिन पुलिसकर्मियों पर करप्शन और टॉर्चर के आरोप हैं, उनके खिलाफ एडिशनल एसपी स्तर पर जांच करवाई जाएगी। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

पोस्टमार्टम और मजिस्ट्रेट जांच के आदेश

प्रशासन ने पोस्टमार्टम बोर्ड का गठन किया है। मृतक का शव परिजनों की सहमति और प्रदर्शन के शांत होने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। न्यायिक जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग को लगा झटका!

पंजाब से धरे गए दो शार्प शूटर, प्रदेश से जुड़ा है कनेक्शन

जयपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के दो शार्प शूटरों को पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनमें से एक शूटर राजस्थान के हनुमानगढ़ का रहने वाला है। हनुमानगढ़ के रहने वाले सुमित बिश्नोई पर 50000 रुपये का इनाम घोषित है। इसके अलावा हरियाणा में जो दूसरा शूटर पकड़ा गया है। वह हरियाणा निवासी पंकज मलिक है। इधर, हरियाणा की पुलिस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से दोनों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों और पुलिस के बीच मुठभेड भी हुई। इसमें सुमित के पैर में पुलिस की गोली गई। इससे वह घायल हो गया।

लॉरेंस ग्रुप का इनामी सुमित बिश्नोई आया पकड़ में

राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले का रहने वाला सुमित बिश्नोई, जो लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शॉर्प शूटर है, इसे पंजाब पुलिस और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी देराबस्सी के गुलाबगढ़ रोड से की गई। इस दौरान फरार हो रहे सुमित को पकड़ने के दौरान पुलिस की मुठभेड भी हुई। इसमें पुलिस की गोली सुमित के पैर में लगी। जिससे वह गंभीर घायल हो गया। इसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर, सुमित पर हनुमानगढ़ जिले के लखनसर गांव में महावीर सियाग की हत्या में शामिल होने का आरोप भी है। इसी साल 18 मई 2025 को हुई हत्या के मामले में बीकानेर आईजी ने उसकी गिरफ्तारी पर 50000 रुपये का इनाम घोषित किया।

पहचान छुपाकर लिया पीजी का सहारा, फिर यूं खुला भेद

पंजाब पुलिस के एसएसपी हरमिंदर हंस के अनुसार दोनों आरोपी पिछले कुछ दिनों से फर्जी पहचान पत्र के जरिए एक पीजी में छुपे हुए थे। इस दौरान जांच में सामने आया है कि इनका संपर्क विदेश में बैठे गैंगस्टर अर्जू बिश्नोई से था, उसी के निर्देश पर दोनों शूटर काम करते थे। इसके अलावा दोनों बदमाशों की गिरफ्तारी के दौरान 32 बोर की पिस्टल और चार जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं। पुलिस अब इस गिरोह के नेटवर्क को लेकर बदमाशों से पूछताछ में जुट गई है।

पति ने दीवार में दे मारा पत्नी का सिर, मौत के बाद सीढ़ियों से गिरने की कहानी बनाई

अजमेर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। क्लॉक टावर थाना क्षेत्र में सोमवार को सीढ़ियों से गिरने से महिला की मौत होने का मामला हादसा नहीं बल्कि कत्ल है। क्लॉक टावर थाना पुलिस ने शव के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की तो मेडिकल ज्युरिस्ट ने चोटें देखकर हादसा ना होकर हत्या का संदेह जाहिर किया। पुलिस ने चश्मदीदों से गहनता से पड़ताल की तो सच सामने आ गया। घरेलू कलेश व नशे की झोंक में पति ने उसके साथ बेहरमी से मारपीट करते का सिर दीवार में दे मारा। हालत बिगड़ी तो उसको अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सक के उसको मृत घोषित करने पर आरोपी पति ने पत्नी के घर में सीढ़ियों से गिरने की मनघड़ंत कहानी बयां बना दी। पुलिस ने भाई की रिपोर्ट पर हत्या का मुकदमा दर्जकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पोस्टमार्टम में क्या सामने आया

पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बताया कि 4 अगस्त सुबह साढ़े 7 बजे क्लॉक टावर थाने को जेएलएन अस्पताल फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के मेडिकल ज्युरिष्ट ने सूचना दी कि पहाड़गंज की सीमा गुजराती(32) पत्नी लक्ष्मण गुजराती की सीढ़ियों से गिरने से मृत्यु हो गई है। सूचना पर थानाधिकारी विरेन्द्रसिंह शेखावत ने मोर्चरी पहुंच पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की। मेडिकल ज्युरिस्ट ने पोस्टमार्टम के दौरान मृतका के शरीर पर आई चोटों को संदेहास्पद बताया। पुलिस ने मृतका के परिजन से गहनता से पूछताछ की। लक्ष्मण के बड़े भाई सुरेश गुजराती ने पुलिस पड़ताल में पति लक्ष्मण की मारपीट में सीमा की मृत्युकारित होना कबूला। पुलिस ने सुरेश की रिपोर्ट पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया। पुलिस पड़ताल में लक्ष्मण गुजराती ने भी अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। सुरेश ने रिपोर्ट में बताया कि वह पेशे से टेम्पो चालक है। छोटा भाई लक्ष्मण व उसका परिवार साथ में रहते हैं। लक्ष्मण आदतन नशेड़ी है। आए दिन पत्नी के साथ में मारपीट करता रहता है। लक्ष्मण की पूर्व में शादी हो चुकी थी। पहली पत्नी की मृत्यु हो चुकी है। लक्ष्मण अभी सीमा के साथ लिव इन में रह रहा था। सीमा के पूर्व पति की भी मृत्यु हो चुकी है। उसके तीन बेटियां है। जो उसकी दादी के पास रहती हैं। सीमा पति की मृत्यु के बाद 5-6 साल से लक्ष्मण के साथ रह रही थी। उसके भाई के दाम्पत्य संबंधों से उनके दो साल की बेटी है। सीमा खुदको जोधपुर की रहने वाली बताती थी। उन्हें पीहर की जानकारी नहीं है।

राजस्थान पुलिस ने जुटाए साक्ष्य

एसपी ने बताया कि पुलिस ने प्रकरण में लक्ष्मण खटीक (40) को गिरफ्तार कर घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास की दुकानों व अभय कमांड सेन्टर के सीसी टीवी कैमरे देखते हुए रूटमैप बनाया। सीसीटीवी फुटेज के अलावा तकनीकी साक्ष्य जुटाए गए।

आंध्र प्रदेश के ठेकेदारों पर कार्रवाई नहीं कर रहे सीएम : कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी

आंध्र प्रदेश के कई ठेकेदारों ने लूटा जनता का पैसा

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर सीधा हमला बोलते हुए कालेश्वरम परियोजना में शामिल आंध्र प्रदेश के ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई न करने पर सवाल उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश के कई ठेकेदारों ने जनता का पैसा लूटा है, लेकिन रेवंत रेड्डी जाँच और कमीशन की आड़ में कार्रवाई में देरी कर रहे हैं। बुधवार को हैदराबाद स्थित अपने आवास पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, राजगोपाल रेड्डी ने कहा कि आंध्र प्रदेश के 20 से ज़्यादा ठेकेदार तेलंगाना के संसाधनों को लूट रहे हैं और जल्द ही उनका पर्दाफ़ाश करने का वादा किया। उन्होंने राज्य की संपत्ति को लूटने वाले किसी भी व्यक्ति के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाने की कसम खाई, चाहे वह ज़मीन, रेत या ठेकों के रूप में हो, चाहे वह किसी भी पार्टी से जुड़ा हो।

कांग्रेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए, मुनुगोड़े विधायक ने कहा कि पार्टी पूरे कार्यकाल तक सत्ता में रहेगी और रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री होंगे। हालाँकि, भविष्य के नेतृत्व का प्रश्न अभी भी खुला है। उन्होंने मंत्री पदों को तुरंत भरने और स्थानीय निकाय चुनाव कराने की माँग की। उन्होंने रेवंत रेड्डी को डिजिटल मीडिया सहित मीडिया का उपहास करने के प्रति भी आगाह किया, जो सत्ता में चाहे कोई भी हो, सम्मान का हकदार है। उन्होंने मुख्यमंत्री से विपक्ष को गाली देना और परेशान करना बंद करने और इसके बजाय तेलंगाना की जनता के लिए नतीजे लाने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार की गलतियों को उजागर नहीं किया गया, तो कांग्रेस पार्टी को इसके परिणाम भुगतने होंगे।

उन्होंने कहा, 'बातें कम, काम ज़्यादा करो।' उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि वह सिर्फ़ लोगों की भावनाओं को व्यक्त कर रहे थे और रचनात्मक सुझाव दे रहे थे।

डीजीपी डॉ. जितेंद्र ने पहली अर्धवार्षिक अपराध बैठक की समीक्षा की

हैदराबाद, 6 जलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक, डॉ. जितेंद्र ने मंगलवार को डीजीपी कार्यालय में पहली अर्धवार्षिक अपराध बैठक की समीक्षा की। यह बैठक सीआईडी द्वारा एडीजी चारु सिन्हा के नेतृत्व में आयोजित की गई थी, जिसमें एडीजी एलओ महेश भागवत, एडीजी पर्स अनिल कुमार, आईजी पी एंड एल एम. रमेश, राज्य भर के एसपी, एमजेड आईजी चंद्रशेखर रेड्डी और रेंज डीआईजी तफ़सीर इकबाल, साथ ही सीपी साइबराबाद अविनाश मोहंती और राचकोंडा सुधीर बाबू शामिल हुए। समीक्षा के दौरान, डीजीपी ने अपराध प्रवृत्तियों, कानून-व्यवस्था की स्थिति, प्रमुख मामलों की जाँच में प्रगति और शारीरिक अपराधों, संपत्ति अपराधों और महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध अपराधों से संबंधित प्रवर्तन कार्रवाई की समीक्षा की, जिसे एडीजी सीआईडी ने प्रस्तुत किया।मुख्य फोकस क्षेत्रों में सभी अपराधों में प्रत्येक ज़िले का प्रदर्शन, अपराध दर विश्लेषण, सज़ा दर में वृद्धि, समय पर आरोप पत्र दाखिल करना और अंतर-विभागीय समन्वय को मज़बूत करना शामिल था। डॉ. जितेंद्र ने वर्ष की पहली छमाही के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सभी अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। डीजीपी ने सभी इकाई अधिकारियों को आर्थिक अपराधों और संगठित अपराध पर ध्यान केंद्रित करने, दृश्यमान पुलिसिंग को बेहतर बनाने और जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाने के निर्देश दिए। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, और शी टीमों, एएचटीयू और भरोसा केंद्रों के प्रदर्शन पर विशेष ज़ोर दिया गया। डीजीपी ने अपराध मानचित्रण और प्रभावी अपराध नियंत्रण के लिए डेटा-आधारित पुलिसिंग के उपयोग पर ज़ोर दिया। उन्होंने सभी क्षेत्रीय अधिकारियों से पुलिस और जनता के बीच बेहतर विश्वास को बढ़ावा देने के लिए थाना स्तर पर जवाबदेही, पारदर्शिता और सेवा वितरण में सुधार करने का आह्वान किया। दिन की अंतिम प्रस्तुति टीजीसीएसबी की निदेशक शिखा गोयल ने दी।

2 दिन और ग्राहकों की डिमांड पर '100 प्रतिशत धमाका सेल'

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शिवराज ज्वेलर्स द्वारा आयोजित 100 प्रतिशत धमाका सेल, जो शुरूआत से ही ग्राहकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है, अब 2 दिन और आगे बढ़ा दी गई है। यह निर्णय ग्राहकों की जोरदार मांग, भारी भीड़ और सकारात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए लिया गया है।

ग्राहकों ने न सिर्फ भारी संख्या में शोरूम का दौरा किया, बल्कि उन्होंने ज्वेलरी के कलेक्शन, क्वालिटी और रेंज की जमकर तारीफ की। इतनी वैरायटी

और ट्रेंडी डिज़ाइन्स एक ही जगह पर देखना बेहद रोमांचक था, एक महिला ग्राहक ने बताया।

शादी-ब्याह के खरीदारों का भी खास आकर्षण

शादी और सगाई के लिए ज्वेलरी खरीदने वालों ने इस सेल को स्वर्ण अवसर माना। ब्राइडल नेकलेस सेट्स, पोल्की, डायमंड और ट्रेडिशनल राजस्थानी डिजाइन्स विशेष रूप से पसंद किए जा रहे हैं। हाथफूल, बाजूबंद, बोर, मांगटीका जैसे विवाह के विशेष आइटम्स की भी खूब डिमांड रही।

सुख पाने का एक ही मंत्र है दूसरों को दुख देना बंद करो

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत महोपाध्याय ललितप्रभ सागर ने कहा कि सुख पाने का एक ही मंत्र है दूसरों को दुख देना बंद करो।

खुद भी सुख से जियो और औरों के लिए भी सुख से जीने की व्यवस्था करो। जो तुम अपने लिए चाहते हो वही दूसरों के लिए चाहो। अहिंसा को जीवित करने की प्रेरणा देते हुए संतप्रवर ने कहा कि जहाँ अहिंसा इंसान को भगवान बनाती है वहीं हिंसा इंसान को शैतान। व्यक्ति परदों पर अहिंसा के संदेश लिखने की बजाय जीवन में अहिंसा लाए। हाथों में अहिंसा के बैनर रखना और पांवों में चमड़े के जूते पहनना कौन-सा धर्म है। चमड़े की वस्तुओं का उपयोग करने वाले भी उतने ही दोषी हैं जितना माँस खाने वाले। संतप्रवर ने मांसाहार का त्याग करने करवाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि जानवर बेजुबान तो होते हैं, पर बेजान नहीं। अगर हमारे शरीर में केवल पिन चुभ जाए तो हम कराह उठते हैं, सोचो जिन जीवों पर कटार चलती है उन्हें कितनी पीड़ा होती होगी? हमारा पेट कोई कब्रिस्तान नहीं है जो उसमें मरे जीवों को डाला जाए। जब शाकाहार के विकल्प मौजूद है तो फिर मांसाहार जैसा घृणित पाप क्यों किया जाए। उन्होंने कहा कि संडे हो या मंडे, कभी न खाओ अंडे। जो खाएगा अंडे, उसके ऊपर पड़ेंगे डंडे। जब हर कोई जीयो और जीने दो का नारा अपना लेगा तभी महावीर का सच्चे अर्थों में धरती पर अवतरण होगा। प्रवचन सुनते-सुनते लोगों की आत्मा हिल गई। कई भाइयों ने मंच पर आकर संतों से मांसाहार का आजीवन त्याग करने के संकल्प लिए।

वे एग्ज़िबिशन ग्राउंड में आयोजित पांच संकल्प जो बदल देंगे जीवन विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा आहार हो शाकाहार। जब मिल रही हैं खाने को रोटियाँ तो क्यों खाएँ जानवरों की बोटियाँ। मांसाहार करने से तन, मन और आत्मा निर्मल नहीं रह पाते। जो लोग शाकाहार करते हैं वे बुद्धि से प्रखर और तेजस्वी रहते हैं। अल्बर्ट आइंस्टीन, जॉर्ज बर्नार्ड शॉ, मार्टिन लूथर, महात्मा गाँधी, अब्दुल कलाम, नरेंद्र मोदी, अमिताभ बच्चन, आमिर खान, वीरेंद्र सहवाग जैसी सैकड़ों महान हस्तियाँ शाकाहारी हैं। अगर आप महावीर, राम, कृष्ण, बुद्ध और नानक के सच्चे अनुयायी हैं तो शाकाहार अपनाएँ और शाकाहार को विश्व में फैलाएँ। विश्व में शांति, अहिंसा और प्रेम की स्थापना के लिए, अपराधों को खत्म करने के लिए आहार का शुद्ध होना जरूरी है। अगर हम लेंगे अच्छा अन्न तो सदा रहेगा हमारा अच्छा मन, अच्छे मन से आएगा हमारे पास अच्छा धन और उसके सदुपयोग से देश होगा रोशन।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा द्वारा श्रावणी उपाकर्म की बैठक का आयोजन

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी ब्राह्मण सभा, द्वारा 9 अगस्त को वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर, मामड़ापल्ली (पहाड़ी शरीफ के पास) में आयोजित होने वाले श्रावणी उपाकर्म एवं पंचकुंडीय यज्ञ के संदर्भ में एक बैठक का आयोजन किया गया। यह पं. रामेश्वरलाल व्यास विद्यार्थी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

महासचिव रामदेव नागला ने उपस्थित सभी बंधुओं से इस महापर्व में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर पं. रामेश्वरलाल ने सनातन धर्म के महत्व के साथ-साथ श्रावणी उपाकर्म महोत्सव की संपूर्ण जानकारी प्रदान की। पं. रामेश्वरलाल ने कहा कि ब्राह्मणों के लिए श्रावणी उपाकर्म से बड़ा कोई पर्व नहीं है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि हैदराबाद में 20 से 25 हजार राजस्थानी विप्र बंधु हैं, लेकिन इस पर्व पर उपस्थिति बहुत कम है।

बैठक में सत्यनारायण ओझा, अनिल जायलवाल, श्याम पाण्डेय, घनश्याम तड़बा तिवारी, पारसमल उपाध्याय, गोविंद उपाध्याय, गोपाल पांडिया, अजय पांडिया, बाबूलाल कोलरिया, मनोहर ओझा, प्रदीप ओझा, ईश्वर पांडिया, जुगल किशोर पांडिया, मालावत और अन्य बंधु उपस्थित थे।

"पीएम किसान" की फर्जी एपीके फाइल के जरिए पीड़ित को 1.95 लाख रुपए का चूना

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के यूसुफगुडा निवासी 30 वर्षीय व्यक्ति 28 जुलाई, 2025 को एक अनजान नंबर से "पीएम किसान" नाम की एपीके फाइल वाला व्हाट्सएप संदेश प्राप्त करने के बाद साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो गया। लिंक पर क्लिक करने पर, ऐप डाउनलोड हो गया, जिसके बाद पीड़ित का फोन खराब होने लगा, ज़्यादा गरम होने लगा, बैटरी की समस्या होने लगी और बार-बार स्विच ऑफ होने लगा। कुछ ही देर बाद, पीड़ित के बैंक खाते से धोखाधड़ी से 1,95,000 की राशि डेबिट कर ली गई। हैकर ने पीड़ित के व्हाट्सएप पर भी नियंत्रण हासिल कर लिया और उसके संपर्कों को संदिग्ध संदेश भेजने लगा, जिससे उसके दोस्तों और परिवार के सदस्यों में चिंता फैल गई। यह महसूस करते हुए कि यह साइबर अपराधियों द्वारा किया गया एक फ़िशिंग हमला था, पीड़ित ने साइबर अपराध कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई और न्याय की गुहार लगाई, ताकि अन्य लोग इस तरह की धोखाधड़ी का शिकार न हों।

कांग्रेस का धरना राहुल गांधी और सोनिया गांधी की प्रशंसा के लिए : केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी

नई दिल्ली, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने आज राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर कांग्रेस पार्टी के धरने पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बुधवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित बैठक गांधी परिवार की प्रशंसा के लिए पर्याप्त थी और उन्होंने आगे कहा कि यह स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्य में राजनीतिक दबाव का सामना करने के लिए गांधी परिवार का आशीर्वाद प्राप्त करने के उद्देश्य से दिल्ली में बैठक की थी। "रेवंत रेड्डी के 31 मिनट के भाषण में 50 प्रतिशत से ज़्यादा समय कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी का नाम जपने में बीता। तेलंगाना के लोगों से वादा किया गया था कि पिछड़े वर्गों को आरक्षण दिया जाएगा। इसे पूरा करना कांग्रेस पार्टी की ज़िम्मेदारी है। इसके लिए उसे क़ानूनी और कानूनी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और ईमानदारी से काम करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हो पाता है, तो हम चुपचाप बैठकर नहीं देखेंगे।,"

वाईआरपी फाउंडेशन ने 40 मेधावी छात्रों को 9 लाख की छात्रवृत्ति दी

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वाईआरपी फाउंडेशन ने अपने संस्थापक और अध्यक्ष येलिशाला रवि प्रसाद के नेतृत्व में, वैष्णोई ग्रुप कॉर्पोरेट कार्यालय, माधापुर में एक छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन किया। 40 योग्य छात्रों को कुल नौ लाख रूपए की राशि प्रदान की गई।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य मानवाधिकार आयोग (एसएचआरसी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति डॉ. शमीम अख्तर और विशिष्ट अतिथि के रूप में एम. जगदीश्वर आईएएस (सेवानिवृत्त) की उपस्थिति रही।

छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं में एमबीबीएस, इंजीनियरिंग, हाई स्कूल और प्राथमिक शिक्षा सहित विविध शैक्षणिक क्षेत्र शामिल थे, जिनका चयन शैक्षणिक योग्यता और वित्तीय आवश्यकता के आधार पर किया गया था। इस पहल के साथ, वाईआरपी फाउंडेशन ने अब तेलंगाना और उसके बाहर 350 से अधिक छात्रों को सहायता प्रदान की है - जिनमें से कई डॉक्टर, इंजीनियर, पुलिस अधिकारी और सरकारी कर्मचारी बन गए हैं।

समारोह को संबोधित करते हुए, श्री रवि प्रसाद ने कहा कि शिक्षा परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली साधन है। जिन छात्रों का हम समर्थन करते हैं, उनसे मेरा एकमात्र अनुरोध है कि इसे 'आगे बढ़ाएँ' - जब भी संभव हो, ज़रूरतमंदों की मदद करें।

इस कार्यक्रम में येलिशला शरत चंद्र, येलिशला हेमा चंद्र, एडला कृष्ण रेड्डी, यम दयाकर, चाकिलम शेषगिरी राव और वाईआरपी फाउंडेशन टीम के अन्य समर्पित सदस्य।

सीएसआईआर-आईआईसीटी के वैज्ञानिक कांस्य पदक से हुए सम्मानित

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रामबाबू चेगोंडी को कार्बनिक रसायन विज्ञान में असीमित उत्प्रेरकता में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए वर्ष 2026 के लिए केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया कांस्य पदक से सम्मानित किया गया है।

सीआरएसआई द्वारा 1999 में स्थापित, सीआरएसआई कांस्य पदक से उन युवा शोधकर्ताओं को सम्मानित किया जाता है जिन्होंने रसायन विज्ञान की किसी भी शाखा में उत्कृष्ट योगदान दिया है। डॉ. चेगोंडी को 5-7 फरवरी, 2026 को डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले 36वें सीआरएसआई राष्ट्रीय रसायन विज्ञान संगोष्ठी में औपचारिक रूप से सीआरएसआई कांस्य पदक प्रदान किया जाएगा। डॉ. चेगोंडी का शोध नवीन उत्प्रेरक एनेंटियोसेलेक्टिव संश्लेषण पद्धतियों के विकास और जैविक रूप से सक्रिय अणुओं के संश्लेषण में उनके अनुप्रयोग पर केंद्रित है। डॉ. चेगोंडी ने हैदराबाद विश्वविद्यालय से एमएससी और सीएसआईआर-आईआईसीटी से कार्बनिक रसायन विज्ञान में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के कैनसस विश्वविद्यालय में पोस्टडॉक्टरल शोध किया।

गवर्नमेंट ब्वायज कालेज में जीने की कला कार्यशाला में प्रेक्षाध्यान कराती डा. गवेषणा की प्रेरणा से निर्मला बैद्। उन्होंने छात्रों से मैत्रीपूर्ण व्यवहार रखने और पर्यावरण को बचाने की अपील भी की। इस अवसर पर बडी संख्या में छात्र एवं कालेज स्टाफ भी मौजूद था।

तेयुप द्वारा रक्षाबंधन कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा रक्षाबंधन कार्यशाला का आयोजन बुधवार को प्रात 10:00 बजे आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वीश्री डॉ गवेषणा श्री जी ठाणा -4 के पावन सानिध्य में जैन तेरापंथ भवन ,डी वी कॉलोनी में संपन्न हुआ।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार साध्वीश्री डॉ गवेषणा श्री जी द्वारा नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ कार्यशाला प्रारंभ हुई। अध्यक्ष राहुल गोलछा ने सभी का स्वागत किया।

साध्वी श्री ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि आचार्य श्री तुलसी ने एक अहिंसात्मक तरीके से जीवन के हर संस्कार सम्पन्न करवाने हेतु जैन संस्कार विधि जैसा अवदान दिया जिससे हर मांगलिक कार्य आयोजित किया जा सकता है जैसे जन्म से लेकर मृत्यु तक के सभी संस्कार जैन संस्कार विधि से करवाए जा सकते हैं।

भारतीय संस्कृति की धरोहर यह भाई बहन का रिश्ता प्रेम, स्नेह व रक्षा का प्रतीक है। आज इस कार्यशाला में हम सेवा ,सहयोग व सामंजस्य इन तीन प्रकार की राखी बांधे।

तेयुप हैदराबाद के जैन संस्कारक ललित लूनिया एवं जिनेंद्र बैद ने जैन संस्कार विधि से रक्षा सूत्र बांधने की विधि, उसके महत्व को समझते हुए कार्यशाला का संचालन किया। साध्वी श्री द्वारा मंगल पाठ के उच्चारण के साथ कार्यक्रम सम्पन्न किया गया । मंच संचालन जिनेंद्र बैद द्वारा किया गया। तेयुप मंत्री नीरज सुराणा द्वारा संस्कारकों एवं कार्यशाला में सहभागी सभी श्रावक-श्राविका समाज का आभार ज्ञापन किया।

आज केबीआर पार्क में गणेश पूजा में प्रमोद सरायवाला प्रवीण अग्रवाल भोज रेड्डी, राजेंद्र कुमार अग्रवाल सुरेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल बलदेवा संध्या रानी अग्रवाल विजया रानी संतोष अग्रवाल अनिता रानी दुर्गा बाई अशोक लाखोटिया बाबूलाल केडिया श्रीनिवास गुप्ता विट्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले प्रमोद कुमार अग्रवाल सरायवाला सेसैया विजय कुमार अग्रवाल दीपक कुमार अग्रवाल सरायवाला प्रवीण कुमार अग्रवाल सुधाकर रेड्डी पिम्पति राहुल कुमार सिंघल भोज रेड्डी जनार्दन रेड्डी शामिल हुए।

दक्षिण मध्य रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं. एन/इ.29/टीआरडी/टेंडर/12/2025-26 दि.29-07-2025 PUB/0944

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, टेंडर नं. एन/इ.29/टीआरडी/टेंडर/12/2025-26, कार्य विवरणः पक्षियों की समस्या से बचने के लिए, बंदर विरोधी चढाई उपकरण या एन्टि क्लाइंबिंग डिवाइस तथा ट्रैक्शन इंस्टाल्लेशंस में उच्च घनत्व युक्त पोलिथिलीन मेश का प्रावधान- तत्संबंधित डिवीजन में ओएचइ संचरना या इनफ्रास्ट्रक्चर के लिए रिलाएबिलीटी का सुधार कार्य। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, अनुमानित लागतःरु. 94,72,929.85, बोली सुरक्षा राशिःरु. 1,89,500.00

बंद करने की तिथि व समयः 20-08-2025 के 11.00 बजे

टिप्पणीः यदि तत्संबंधित खोलने की तिथि को अवकाश घोषित होता है तो, निविदा को उसके अगले कार्य दिवस में खोला जायेगा। विस्तृत नियम शर्तों के विवरण हेतु हमारे साइटःwww.ireps.gov.in देखें।

विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/नांदेड

एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू-III/टेंडर नोटिस/जीएस/25-26 दि.4-8-2025 PUB/0945

निम्न कार्यों हेतु खुली निविदा प्रदर्शित की गयी है तथा निविदा के विवरण को पहले ही www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

क्रम सं.1, टेंडर नं. टी-202526-जीएस-02, एथारिटीः डिवाय. सीइ/जीएस/एनडी, विज्ञापित निविदा मूल्यःरु.50,00,000.00, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.1,00,000.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 04 (चार महिने), कार्य विवरणः तत्संबंधित एनडी यार्ड में जाम से राहत या तत्संबंधित डिकांगेशन सहित एमटीडीआय यार्ड में कोचिंग डिपो के विकास से जुडे कार्य हेतु डीपीआर को तैयार करना एवं टेक्नो-फिजीबिलीटी की स्टडी करना। निविदा प्रपत्र मूल्यःरु. शून्य

क्रम सं.1, टेंडर नं. टी-202526-जीएस-02, तत्समान स्वभाव का कार्यः जैसे गुप्त सर्वेक्षण/प्रारंभिक सर्वेक्षण/रेलवे के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण/राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं/राज्य राजमार्ग परियोजनाएं/सिंचाई परियोजनाएं।

उपरोक्त निविदा दि.26-08-2025 के 15.00 बजे बंद होगी।

उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति/नांदेड

एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू-III/टेंडर नोटिस/2025-26 दि.1-8-2025 PUB/0946

निम्न निविदा कार्यों को, इंडियन रेलवे ई-प्रोक्योरमेन्ट सिस्टम पर अपलोड किया गया है। निविदा के विवरण को पहले ही www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

क्रम सं.1, निविदा सं. टी-202526-3-046, एथारिटीः को-आर्ड., निविदा मूल्य रु. 1,84,74,335.78, पूर्व धरोहर राशि (पूधरा) रु.2,42,400.00, कार्य पूरा करने की अवधिः नौ महिने, कार्य विवरणः हिंगोलीः जल भण्डारण का सुधार एवं पानी की उपलब्धता हेतु ओएचटी (1.50 लाख लीटर), जीएलआर (2.00 लाख लीटर) तथा डीप बोरवेल का प्रावधान। निविदा प्रपत्र मूल्यःरु. शून्य

क्रम सं.2, निविदा सं. टी-202526-3-047, एथारिटीः को-आर्ड., निविदा मूल्य रु. 31,68,85,583.60 पूर्व धरोहर राशि (पूधरा) रु.17,34,400.00, कार्य पूरा करने की अवधिः अठारह महिने, कार्य विवरणः नान्देड डिवीजनः एडब्ल्यूबी-जे सेक्शन(एसआरडीइएन/डब्ल्यू/एनइडी) -85 किमी लम्बाई की बाड या फेन्सिंग (फेज-I) के लिए एनएचएआय एन्टिक्रैश बैरियर/डब्ल्यू-बीएम स्टील फेन्सिंग का इस्तेमाल करते हुए स्पीड 130 किमी प्रति घण्टा तथा उससे अधिक गति से संबंधित सेफ्टी फेन्सिंग/ट्रैक के चारों ओर बाउण्डरी वाल का प्रावधान (आयआरपीएसएम आयडी 11.04.16.24.3.53.001, एफवाय 2024-25)। निविदा प्रपत्र मूल्यःरु. शून्य

क्रम सं.3, निविदा सं. टी-202526-3-048, एथारिटीः को-आर्ड., निविदा मूल्य रु. 9,18,36,131.91 पूर्व धरोहर राशि (पूधरा) रु.6,09,200.00, कार्य पूरा करने की अवधिः बारह महिने, कार्य विवरणः (एसडब्ल्यू-I) परतूर स्टेशन पर सभी प्लाटफार्म्स की समस्त शेष लम्बाई को ढकने या कवर करने हेतु कवर ओवर प्लाटफार्म का विस्तार करना। (एसडब्ल्यू-II) सेलु स्टेशन पर सभी प्लाटफार्म्स की समस्त शेष लम्बाई को ढकने या कवर करने हेतु कवर ओवर प्लाटफार्म का विस्तार करना। निविदा प्रपत्र मूल्यःरु. शून्य

क्रम सं.4, निविदा सं. टी-202526-3-049, एथारिटीः को-आर्ड., निविदा मूल्य रु. 9,76,47,304.43 पूर्व धरोहर राशि (पूधरा) रु.6,38,200.00, कार्य पूरा करने की अवधिः बारह महिने, कार्य विवरणः (एसडब्ल्यू-I) रोटेगांव स्टेशन पर सभी प्लाटफार्म्स की समस्त शेष लम्बाई को ढकने या कवर करने हेतु कवर ओवर प्लाटफार्म का विस्तार करना। (एसडब्ल्यू-II) मानवत रोड स्टेशन पर सभी प्लाटफार्म्स की समस्त शेष लम्बाई को ढकने या कवर करने हेतु कवर ओवर प्लाटफार्म का विस्तार करना। निविदा प्रपत्र मूल्यःरु. शून्य

क्रम सं.1, निविदा सं. टी-202526-3-046, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु. 50 लाख मूल्य से अधिक) -कोई भी सिविल इंजिनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यो/ झोनल कार्यों को छोडकर)।

क्रम सं.2, निविदा सं. टी-202526-3-04%, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु. 50 लाख मूल्य से अधिक) -कोई भी स्टील आपूर्ति या स्टील सप्लाई, फैब्रिकेशन एवं इरेक्शन से जुडा कार्य या स्टील इंडस्ट्रीयल शेड या मेटल रूफ शीटींग सहित स्टील पीएफ शेल्टर कार्य या स्टील फेन्सिंग या डब्ल्यू-बीम स्टील क्रैश बैरियर्स कार्य।

क्रम सं.3 व 4 निविदा सं. टी-202526-3-048, टी-202526-3-049, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु. 50 लाख मूल्य से अधिक) -कोई भी फैब्रिकेशन/इरेक्शन/स्ट्रक्चरल स्टील वर्क्स लांचिंग से जुडा सिविल इंजिनियरिंग कार्य। टिप्पणीः तत्समान अनुभव हेतु रिइनफोर्समेंट स्टील क्रान्टीटी पर विचार नही किया जायेगा।

सभी उपरोक्त निविदाएं दि.25-08-2025 के 15.00 बजे बंद होंगी।

A1168 सीनि. डिइएन/को-आर्ड./नान्देड

निविदा नियम शर्ते /अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स http://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

इंग्लैंड में सीरीज बराबर करने के बाद टीम-इंडिया घर लौटी

वॉशिंगटन सुंदर इम्पैक्ट प्लेयर बने; गंभीर बोले- बहुत खुश हूं

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर की, लेकिन जीत के बाद टीम इंडिया ने कोई बड़ा जश्न नहीं मनाया। खिलाड़ियों ने सोमवार को मैच खत्म होने के बाद अपने परिवारों के साथ समय बिताया और अलग-अलग बैचों में भारत के लिए रवाना हो गए।

मोहम्मद सिराज समेत कई खिलाड़ी फ्लाइट से दुबई पहुंचे, जहां से वे अपने-अपने शहरों के लिए रवाना होंगे। कुछ खिलाड़ी इंग्लैंड में कुछ दिनों के लिए रुक गए हैं।

ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भारतीय मैनेजमेंट ने सीरीज का इम्पैक्ट प्लेयर मेडल दिया। वहीं हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, 'मैं टीम परफॉरमेंस से बहुत खुश हूं।'

अर्शदीप और प्रसिद्ध परिवार के साथ घूमने निकले

मैच खत्म होने के करीब चार घंटे बाद अर्शदीप और प्रसिद्ध कृष्णा को लंदन की सड़कों पर अपने परिवारों के साथ घूमते हुए देखा गया। कुलदीप यादव, जिन्हें सीरीज में मौका नहीं मिला, पूर्व खिलाड़ी पीयूष चावला के साथ नजर आए। बुमराह को पहले ही आराम के कारण टीम से रिलीज कर दिया गया था। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, कोई खास सेलिब्रेशन नहीं हुआ। सीरीज काफी लंबी और थकाऊ रही। खिलाड़ी अपने परिवारों के साथ या अकेले समय बिता रहे थे। ज्यादातर खिलाड़ी भारत लौट चुके हैं, कुछ छुट्टियां मना रहे हैं। अब टीम इंडिया की अगली चुनौती अगले महीने यूएई में एशिया कप होगी।

पांचवें टेस्ट में भारत की 6 रन से रोमांचक जीत के बाद वॉशिंगटन सुंदर को सीरीज का इम्पैक्ट प्लेयर चुना गया। इस दौड़ में मोहम्मद सिराज, शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा भी थे, लेकिन सुंदर के प्रदर्शन ने उन्हें सबसे आगे रखा।

सीरीज में सुंदर ने लगातार चार टेस्ट खेले। उन्होंने कुल 284 रन बनाए, जिसमें एक अर्धशतक और एक शानदार शतक शामिल था। गेंदबाजी में भी उन्होंने 7 विकेट लिए।

तीसरे टेस्ट में लॉर्ड्स पर उन्होंने बेन स्टोक्स, जो रूट और जेमी स्मिथ जैसे बड़े बल्लेबाजों को आउट किया और 4 विकेट झटके। मैनचेस्टर टेस्ट में उन्होंने जडेजा के साथ पांच सेशन तक बल्लेबाजी की और मैच ड्रॉ कराया। वहां उन्होंने नाबाद 101 रन बनाए। लंदन में आखिरी टेस्ट में सुंदर ने टी-20 जैसी बल्लेबाजी करते हुए 53 रन (46 गेंद) बनाए। उनकी पारी में 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे, जिससे भारत को दूसरी पारी में 396 रन तक पहुंचने में मदद मिली और इंग्लैंड के सामने 374 रन का बड़ा लक्ष्य खड़ा हुआ। ड्रेसिंग रूम में हुई मेडल सेरेमनी के दौरान रवींद्र जडेजा ने खुद सुंदर का नाम लिया और गले लगाकर उन्हें मेडल दिया।

सबने शानदार प्रदर्शन किया- कोच गौतम गंभीर

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है लड़कों ने यह जीत पूरी तरह से डिजर्व की। पूरी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। किसी एक का नाम लेना मुश्किल है, शुभमन, सिराज, सभी ने शानदार क्रिकेट खेला है।'

शुभमन की कप्तानी पर गंभीर बोले, 'उसने बेहतरीन काम किया है और आगे भी भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा करता रहेगा।'

ओवल टेस्ट के हीरो मोहम्मद सिराज अब आईसीसी रैंकिंग में चमके, जडेजा को हुआ बड़ा नुकसान

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी खत्म होने के बाद अब आईसीसी ने नई टेस्ट रैंकिंग जारी की है। जिसमें बड़े-बड़े बदलाव नजर आ रहे हैं। भारतीय सुपरस्टार जसप्रीत बुमराह अभी भी नंबर 1 पर नजर आ रहे हैं। वहीं इंग्लैंड के गस एटकिंसन को भी बड़ा फायदा हुआ है। इस नई रैंकिंग में सबसे ज्यादा फायदा केनिंग्टन ओवल टेस्ट के हीरो मोहम्मद सिराज को हुआ है। वहीं सुपरस्टार रवींद्र जडेजा को नई टेस्ट रैंकिंग में बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है।

मोहम्मद सिराज को आईसीसी रैंकिंग में हुआ बड़ा फायदा

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने केनिंग्टन ओवल टेस्ट में कुल 9 विकेट अपने नाम किए थे। जिसके कारण ही टीम इंडिया को शानदार जीत मिली थी। नई आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में मोहम्मद सिराज को अब 12 स्थान का फायदा मिला है। सिराज अब सीधे 27वें स्थान ने नंबर 15 पर पहुंच गए हैं। वहीं रवींद्र जडेजा को 3 स्थान का नुकसान हुआ है।

जिसके कारण ही वो अब 14वें स्थान ने नंबर 17 पर नजर आ रहे हैं। 2 नंबर के फायदे के साथ इंग्लैंड के गस एटकिंसन अब नंबर 11 पर नजर आ रहे हैं। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अच्छा किया था, जिसके कारण ही वो अब नंबर 4 पर नजर आ रहे हैं।

भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर के खिलाफ हैरी ब्रूक

लंदन, 6 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच अब टेस्ट सीरीज खत्म हो चुकी है। 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर रही। इस सीरीज में दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने जमकर रन बनाए। आखिरी मैच ओवल में खेला गया था, इस मैच में 3 शतक देखने को मिले थे। इंग्लैंड की तरफ से जो रूट और हैरी ब्रूक तो टीम इंडिया की तरफ से यशस्वी जायसवाल ने शतक लगाया था। वहीं इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने के चलते हैरी ब्रूक को दूसरा प्लेयर ऑफ द सीरीज खिलाड़ी चुना गया था और टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने हैरी ब्रूक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना था। हालांकि ब्रूक ने गंभीर के इस फैसले पर असहमति जताई है।

प्लेयर ऑफ द सीरीज बनने पर क्या बोले हैरी ब्रूक?

हैरी ब्रूक ने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर द्वारा उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने जाने को खारिज कर दिया और ब्रूक का मानना है कि यह सम्मान जो रूट को मिलना चाहिए था। ब्रूक ने कहा, "मैंने जो रूट जितने रन नहीं बनाए , इसलिए मुझे लगता है कि उन्हें मैन ऑफ द सीरीज या मैन ऑफ द समर होना चाहिए। वह कई सालों से मैन ऑफ द समर रहे हैं।"

जो रूट ने इस सीरीज में 537 रन बनाए थे और वे इंग्लैंड की तरफ से इस टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। इस दौरान उनके बल्ले से 3 शतक और 1 अर्धशतक निकला था। ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में भी जो रूट के बल्ले से शतक निकला था।

वहीं हैरी ब्रूक का प्रदर्शन भी इस सीरीज में कमाल का रहा, उन्होंने बल्लेबाजी करते हुए 53.44 की औसत से 481 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और 2 अर्धशतक निकले थे। आखिरी टेस्ट मैच में उन्होंने ओवल के मैदान पर 111 रनों की शानदार पारी खेली थी, लेकिन उनकी टीम जीत नहीं पाई थी।

आखिरी मैच में टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 6 रनों से शिकस्त दी थी। हैरी ब्रूक के अलावा टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल को इंग्लैंड के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना था। उन्होंने इस सीरीज में सबसे ज्यादा 754 रन बनाए थे।

विराट कोहली की एकेडमी से निकला घातक गेंदबाज

डेब्यू मैच में ही झटके 5 विकेट

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे सीजन के छठे मुकाबले में पुरानी दिल्ली 6 की टीम को हार का सामना करना पड़ा. लेकिन उनकी टीम के एक खिलाड़ी ने कमाल का प्रदर्शन किया और डेब्यू मैच में ही 5 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया.

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे सीजन की शुरुआत पुरानी दिल्ली 6 के लिए निराशाजनक रही. टीम को अपने पहले ही मैच में आउटर दिल्ली वॉरियर्स के खिलाफ 82 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा. हालांकि, इस मुकाबले में एक युवा खिलाड़ी ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया. युवा ऑलराउंडर उद्धव मोहन ने अपने डेब्यू मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट अपने नाम किए. उन्हें अपने पहले ही डीपीएल मैच में सुर्खियां बटोर लीं.

उद्धव मोहन का धमाकेदार प्रदर्शन

अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में उद्धव मोहन ने अपनी गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा. उन्होंने 4 ओवर की अपनी गेंदबाजी में केवल 26 रन देकर 5 अहम विकेट हासिल किए. उनकी तेज और सटीक गेंदबाजी ने आउटर दिल्ली वॉरियर्स के बल्लेबाजों को खासी परेशानी में डाला. हालांकि, टीम की ओर से बाकी खिलाड़ियों का साथ न मिलने के कारण पुरानी दिल्ली 6 यह मैच गंवा बैठी. उद्धव की गेंदबाजी के चलते ही पुरानी दिल्ली 6 ने आउटर दिल्ली वॉरियर्स को 148 रन पर ऑलआउट कर दिया. लेकिन इसके जवाब में पुरानी दिल्ली 6 की टीम 66 रन ही बना सकी.

विराट कोहली से खास कनेक्शन

उद्धव मोहन का नाम आज चर्चा में है, और इसका एक कारण उनका विराट कोहली से जुड़ा हुआ है. उधव वेस्ट दिल्ली क्रिकेट एकेडमी से ताल्लुक रखते हैं, जो भारतीय क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली की भी शुरुआती ट्रेनिंग का केंद्र रहा है. इस एकेडमी में कोहली ने अपने करियर की नींव रखी थी, और अब उद्धव भी उसी मिट्टी से निकले हीरे के रूप में सामने आए हैं. कोहली के कोच राजकुमार शर्मा के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग लेने वाले उद्धव की यह शुरुआत कई लोगों के लिए प्रेरणादायक है.

उद्धव मोहन ने हाल ही में भारत की अंडर-19 टीम के लिए भी जगह बनाई है, जहां वह अगले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए तैयार हैं. वहीं, दिल्ली प्रीमियर लीग के ऑक्शन के दौरान भी उद्धव काफी डिमांड में रहे थे. ऑक्शन के दौरान उद्धव मोहन को पुरानी दिल्ली 6 ने 6.60 लाख रुपये में खरीदा था.

क्रिकेटर यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक से हाईकोर्ट का इनकार

कोर्ट ने कहा- मामला नाबालिग से जुड़ा, स्टे नहीं दे सकते

जयपुर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। आईपीएल की चैंपियन टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के तेज गेंदबाज यश दयाल को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। नाबालिग से दुष्कर्म के एक गंभीर मामले में जयपुर की जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यश दयाल की गिरफ्तारी और पुलिस कार्रवाई पर रोक लगाने से स्पष्ट इनकार कर दिया।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि चूंकि मामला नाबालिग से संबंधित है, इसलिए इस स्तर पर स्टे देना उचित नहीं है। अदालत ने पुलिस से केस डायरी पेश करने का आदेश दिया और अगली सुनवाई 22 अगस्त, 2025 को निर्धारित की है। बताते चलें कि यश दयाल ने अपनी आपराधिक याचिका के जरिए गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की थी, जिस पर उनके वकील कुणाल जैमन ने पैरवी की। सुनवाई के दौरान कुणाल जैमन ने दावा किया कि यश दयाल को एक संगठित गिरोह द्वारा फंसाया जा रहा है, जो इस तरह के फर्जी मुकदमे दर्ज कर ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने अदालत को बताया कि गाजियाबाद में भी यश दयाल के खिलाफ एक लड़की ने रेप का मामला दर्ज कराया था, जिस पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी। हालांकि, इसके मात्र सात दिन बाद जयपुर में एक अन्य लड़की ने यश के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। वकील ने इसे साजिश का हिस्सा बताते हुए कहा कि यह गिरोह यश की छवि खराब करने और आर्थिक लाभ लेने के लिए सक्रिय है।

सांगानेर थाने के एसएचओ अनिल जैमन ने बताया कि पीड़िता जयपुर की रहने वाली है। पीड़िता करीब दो साल पहले क्रिकेट खेलने के दौरान यश दयाल के संपर्क में आई थी। आरोप है कि उस समय लड़की नाबालिग (17 वर्ष) थी और यश ने उसे क्रिकेट में करियर बनाने का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। एसएचओ के अनुसार, इस साल आईपीएल 2025 के दौरान जब यश जयपुर आए, तब उन्होंने सीतापुरा के एक होटल में लड़की को बुलाकर फिर से उसके साथ दुष्कर्म किया। चूंकि पहला अपराध तब हुआ जब पीड़िता नाबालिग थी, इसलिए पुलिस ने यश दयाल के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

एक दिन के लिए स्थगित हुआ चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट

चेन्नई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट को एक दिन के लिए स्थगित किया है और अब इसका आयोजन बुधवार के बजाए गुरुवार को होगा। आयोजकों को यह फैसला इसलिए लेना पड़ा क्योंकि जिस होटल में इसे होना है वहां आग लग गई। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय सहित कई दिग्गज खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह इस टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण है। भारतीय ग्रैंडमास्टर और टूर्नामेंट के निदेशक श्रीनाथ नारायण ने एक्स पर लिखा, 'पिछली रात होटल में आग लग गई जहां चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स होना था। सभी खिलाड़ी सुरक्षित हैं और उन्हें पास के एक अन्य होटल में भेजा गया है। टूर्नामेंट एक दिन के लिए स्थगित किया जाता है।' खिलाड़ियों को अंततः होटल वापस लाया गया, लेकिन सुरक्षा जांच के बाद टूर्नामेंट एक दिन बाद शुरू होगा। चेसबेस इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई के होटल हयात रीजेंसी के नौवें तल्ले पर आग लग गई जिस कारण पूरे होटल में धुआं छा गया और सभी को होटल से बाहर निकाला गया। इस दौरान वहां सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। टूर्नामेंट के आयोजकों ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि मैच का समय वही रहेगा, लेकिन अब कार्यक्रम से रेस्ट डे हटाया गया है। उन्होंने कहा, समय वही रहेगा और टूर्नामेंट 15 अगस्त को ही समाप्त होगा। बीच में एक दिन का विश्राम था और अब वह कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स की पुरस्कार राशि एक करोड़ रुपये है। इस प्रतियोगिता में भारत के नंबर एक खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी, अनुभवी विदित गुजराती और नीदरलैंड के अनीश गिरी जैसे नामी खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी एरिगेसी अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के अवॉन्डर लियांग के खिलाफ करेंगे। पहली बार इसमें मास्टर्स और चैलेंजर्स वर्ग में क्लासिकल राउंड रॉबिन प्रारूप में नौ से अधिक दौर खेले जाएंगे। इससे पहले दो सत्र में सात दौर ही खेले जाते थे। इसमें 19 ग्रैंडमास्टर्स भाग लेंगे और फिडे सर्किट अंक भी मिलेंगे जो 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह पाने के लिए अहम होंगे।

मैनचेस्टर के बाद ऋषभ पंत ने एक बार फिर जीता फैंस का दिल, इस लड़की की बदल दी जिंदगी!

बेंगलुरु, 6 अगस्त (एजेंसियां)। मैनचेस्टर टेस्ट में चोटिल होने के बाद भी ऋषभ पंत बल्लेबाजी करने उतरे थे। जिसके कारण ही उन्होंने सभी का दिल जीत लिया था। हालांकि आखिरी टेस्ट मैच पंत इंजरी के कारण नहीं खेल पाए थे। अब फिलहाल पंत रिहैब कर रहे हैं। इस बीच भारतीय टीम के सुपरस्टार विकेटकीपर ऋषभ पंत ने एक ऐसा काम कर दिया, जिससे उन्होंने सभी फैंस का दिल जीत लिया है। कर्नाटक की एक लड़की की जिंदगी अब पंत ने अपनी मदद से बदल दी है।

ऋषभ पंत ने फिर जीता फैंस का दिल

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत सिर्फ मैदान पर ही नहीं बल्कि उसके बाहर भी वो हीरो हैं। पंत ने कर्नाटक के बागलकोट जिले के रबाकवी गांव की मेधावी छात्रा ज्योति कनबूर मथ की आर्थिक मदद की है। ज्योति कनबूर मथ ने पीयूसी सेंकेड (क्लास 12) में 83% नंबर लाए थे, लेकिन वो जामकंडी के बीएलडीई कॉलेज में बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) में एडमिशन के लिए 40 हजार जमा नहीं कर पा रही थी। दरअसल ज्योति के पिता तीर्थय्या एक छोटी से चाय की दुकान चलाते हैं, जिसके कारण ही उनके पास एडमिशन कराने के पैसे नहीं थे। किसी तरह से कहानी ऋषभ पंत को पता चली तो उन्होंने बिना देर किए सीधे कॉलेज को फीस जमा कर दी है।

सोशल मीडिया पर छाए हैं पंत

जब से सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी मिली है, तभी से ऋषभ पंत की सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हो रही है। खुद ज्योति ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा, 'मैंने गलागली से पीयूसी की पढ़ाई पूरी की और बीसीए करने का सपना देखा, लेकिन हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। मैंने अनिल अन्ना से संपर्क किया, जिन्होंने अपने दोस्तों से संपर्क किया। उन्होंने ऋषभ पंत से संपर्क किया और उन्होंने मेरी मदद की। ईश्वर उन्हें अच्छी सेहत प्रदान करें। उनकी मदद मेरे लिए बहुत मायने रखती है।'

अंडर-19 एशियाई चैंपियनशिप में भारतीय महिला मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन, सात पदक पक्के

बैंकॉक, 6 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय मुक्केबाजों ने अंडर-19 और अंडर-22 एशियाई चैंपियनशिप में दमदार प्रदर्शन जारी रखा है। भारत की सात महिला मुक्केबाजों ने पदक पक्के कर लिए हैं। अंडर 19 वर्ग में यशिका (51 किलो), निशा (54 किलो), मुस्कान (57 किलो), विनी (60 किलो) , निशा (65 किलो) , आकांक्षा (70 किलो) और आरती कुमारी (75 किलो) सेमीफाइनल में पहुंच गईं।

भारत अंडर 22 वर्ग में एक दर्जन से अधिक पदक पक्के कर चुका है। यशिका ने उजबेकिस्तान की मुख्तसर अलीवा को 3-2 से हराया, जबकि निशा ने 54 किलोवर्ग में किर्गीस्तान की मिलाना शिखशाबेकोवा को रैफरी द्वारा मुकाबला रोके जाने (आरएससी) के आधार पर मात दी। मुस्कान ने उजबेकिस्तान की रूबिया रवशानोवा को सर्वसम्मति से लिए गए फैसले में हराया। विनी ने किर्गीस्तान की अदेलिया किजी को रैफरी द्वारा मुकाबला रोके जाने पर मात दी। निशा ने 65 किलोवर्ग में चीनी ताइपे की यू एन लि को तीन राउंड के बाद सर्वसम्मति से लिए गए फैसले पर हराया। आकांक्षा ने मंगोलिया की एनखगेरेल गेरेलमंख को पहले ही दौर में आरएससी पर हराया। आरती ने कजाखस्तान की जरीना टी को 4-1 से मात दी। सुमन कुमारी को 48 किलोवर्ग में उजबेकिस्तान की मफ्तुना मुसुरमोनोवा ने 3-2 से मात दी।

45 गेंदों में 0 रन, खेल शुरू होते ही हीरो बने राशिद खान

वॉर्नर-विलियमसन की टीम का काम तमाम

खेल डेस्क, 6 अगस्त (एजेंसियां)। द हंड्रेड के नए सीजन का आगाज राशिद खान की हीरोपंती के साथ हुआ है. 5 अगस्त को लंदन स्पिरिट और ओवल इन्विंसिबल के बीच मुकाबले के साथ द हण्ड्रेड का आगाज हुआ, जिसमें राशिद खान ने अपने नाम के मुताबिक कमाल किया. बल्लेबाजों को नाच नचा देने वाली राशिद खान की गेंदों का ही नतीजा रहा कि मेंस कैटेगरी में खेला द हण्ड्रेड का पहला मैच लो-स्कोरिंग रहा. इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि टीम में वॉर्नर-विलियमसन जैसे बल्लेबाजों के होने के बावजूद लंदन स्प्रिट ने 45 गेंदें बर्बाद की. मतलब, उन पर कोई रन ही नहीं बनाए. अब ऐसे में ओवल इन्विंसिबल को जो टारगेट मिला, वो इतना छोटा रहा कि उसे चेज करना उनके लिए आसान हो गया.

वॉर्नर-विलियमसन की टीम से 100 गेंदें भी नहीं खेली गई

पहले बैटिंग करने उतरी लंदन स्पिरिट का हाल इतना बुरा रहा कि 45 गेंदें तो उसने डॉट खेली हीं, उसके अलावा उससे अपनी इनिंग की पूरी 100 गेंदें भी नहीं खेली गई.

लंदन स्प्रिट की पारी सिर्फ 94 गेंदों में ही सिमट गई. इन 94 गेंदों में उसने सिर्फ 80 रन बनाए. लंदन स्प्रिट को डेविड वॉर्नर और केन विलियमसन से उम्मीदें थीं मगर उन दोनों की कहानी 9-9 रन से आगे नहीं बढ़ सकी. लंदन स्पिरिट की इस हाल के जिम्मेदार वैसे तो ओवल इन्विंसिबल के सारे गेंदबाज रहे. मगर राशिद खान और सैम करन की भूमिका इसमें कुछ ज्यादा रही.

खेल शुरू होते ही हीरो बने राशिद खान

द हण्ड्रेड के नए सीजन का खेल शुरू होते ही राशिद खान हीरो बन गए. ओपनिंग मैच में उन्होंने अपने कोटे की 20 गेंदों में जितने रन नहीं दिए, उससे ज्यादा गेंदें डॉट फेंकी. उन्होंने 20 गेंदों में सिर्फ 11 रन देकर 3 विकेट चटकाए. इस दौरान 15 गेंदें उन्होंने डॉट फेंकी. मतलब, उन पर कोई रन नहीं दिए.

राशिद खान की ही तरह सैम करन ने भी 3 विकेट चटकाए. उन्होंने 19 गेंदें फेंकी, जिस पर 18 रन देने के अलावा 10 गेंदें उन्होंने डॉट फेंकी. बेहरेनडॉर्फ ने 20 में से 7 गेंदें डॉट फेंकी और 17 रन देकर 1 विकेट लिया. जॉर्डन क्लार्क ने 10 गेंदों में 8 रन देकर 2 विकेट लिए. इस दौरान 6 गेंदें उनकी भी डॉट रहीं. टॉम करन ने 15 गेंदें डाली, जिसमें से 4 डॉट रहीं. नाथन स्वॉटर ने 5 गेंदों में 10 रन देकर 1 विकेट लिया. उन्होंने 1 गेंदें डॉट फेंकी. विल जैक्स ने भी 5 गेंदों में 2 डॉट फेंकी.

45 गेंदों में 0 रन! लंदन स्प्रिट की 6 विकेट से हार

कुल मिलाकर 45 गेंदें लंदन स्पिरिट ने डॉट खेली. मतलब उनपर कोई रन नहीं बना पाए. नतीजा, ये हुआ कि उन्होंने ओवल इन्विंसिबल के सामने 100 गेंदों में सिर्फ 81 रन बनाने का लक्ष्य रखा. ओवल इन्विंसिबल ने लंदन स्पिरिट से मिले इस टारगेट को 4 विकेट खोकर 69 गेंदों में चेज कर लिया.

इस तरह उन्होंने 6 विकेट से मुकाबला जीतकर द हण्ड्रेड के नए सीजन का धमाकेदार आगाज किया. ओवल इन्विंसिबल की इस शानदार जीत में प्लेयर ऑफ द मैच राशिद खान को चुना गया.

स्मिथ के बाद अब ओ'रूर्क भी जिम्बाब्वे सीरीज से बाहर

वेलिंग्टन, 6 अगस्त (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज विल ओ'रूर्क पीठ की चोट के कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। ओ'रूर्क को पहले टेस्ट के तीसरे दिन चोट लगी थी, जिसके बाद उन्हें आगे की मेडिकल जांच के लिए न्यूजीलैंड भेजा गया है। न्यूजीलैंड की टीम जिम्बाब्वे दौरे पर है, जहां दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है। कीवी टीम ने पहला टेस्ट 9 विकेट से जीता था। दूसरा टेस्ट 7 अगस्त से शुरू होगा।

ओ रूर्क से पहले नाथन स्मिथ बाहर हो चुके हैं

विल ओ'रूर्क से पहले तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नाथन स्मिथ भी पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो चुके हैं। उनकी जगह जकारी फॉल्क्स को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया था। अब ओ'रूर्क की चोट के कारण ऑकलैंड एसेस के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन लिस्टर को टीम में बुलाया गया है। लिस्टर को पहले बैकअप के तौर पर शामिल किया गया था। अब वह टीम के साथ बने रहेंगे।

गेंदबाजी कोच बोले- ओ'रूर्क टीम के लिए अहम

न्यूजीलैंड के गेंदबाजी कोच जैकब ओरम ने कहा,'हमें उम्मीद है कि यह चोट ज्यादा गंभीर नहीं है। विल हमारे लिए अगले छह से आठ महीनों और अगले साल के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि कई बड़े टेस्ट दौरे आने वाले हैं। हमें उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। हम उनके जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं।'

ओ'रूर्क ने पहले टेस्ट में लिए थे तीन विकेट

ओ'रूर्क ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 13 ओवर में कोई विकेट नहीं लिया, लेकिन दूसरी पारी में 10 ओवर में 28 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। हालांकि, पीठ की समस्या के कारण वह आगे नहीं खेल सके।

डिप्टी सीएम ने मधिरा निर्वाचन क्षेत्र में दो औद्योगिक पार्कों के लिए वित्तीय सहायता मांगी

भट्टी ने जीतन राम मांझी से मुलाकात की

नई दिल्ली, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने केंद्र सरकार से मधिरा निर्वाचन क्षेत्र में दो औद्योगिक पार्कों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का आग्रह किया है। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू, समाज कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण और सांसद मल्लू रवि के साथ बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी से मुलाकात की और इस संबंध में औपचारिक अनुरोध प्रस्तुत किया।

राज्य सरकार की ओर से, खम्मम जिले के येंडापल्ली (मधिरा मंडल) और रेमिदिचेरला (एरुपलेम मंडल) में एमएसएमई पार्क स्थापित करने के प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं। उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि इन पार्कों को क्रमशः 85 एकड़ और 60 एकड़ में विकसित करने की योजनाएँ तैयार की गई हैं। उन्होंने बताया कि ये स्थान राष्ट्रीय राजमार्ग 65 (हैदराबाद-विजयवाड़ा कॉरिडोर) के निकट होने के कारण रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं और आस-पास के कस्बों, रेलवे नेटवर्क और बंदरगाहों से इनकी उत्कृष्ट कनेक्टिविटी है। इन पार्कों के विकास से स्थानीय युवाओं, विशेषकर अनुसूचित जाति समुदायों के युवाओं को औद्योगिक अवसर प्राप्त होंगे। भट्टी ने कहा कि इन पार्कों को विभिन्न विनिर्माण क्षेत्रों को सहयोग देने के लिए डिज़ाइन किया जा रहा है और इनसे कम से कम 5,000 प्रत्यक्ष और 15,000 अप्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

तेलंगाना सरकार ने इन पार्कों के विकास हेतु वित्तीय सहायता हेतु एमएसएमई-सीडीपी (क्लस्टर विकास कार्यक्रम) के तहत परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करने हेतु केंद्र से पूर्व अनुमोदन मांगा है। उन्होंने आगे कहा कि तेलंगाना सरकार एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) क्षेत्र के विकास के लिए कदम उठा रही है और उसने राज्य में लघु और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए दो नए एमएसएमई पार्क स्थापित करने का निर्णय लिया है। एमएसएमई क्षेत्र समावेशी आर्थिक विकास का एक प्रमुख वाहक बन रहा है। भट्टी ने कहा कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक समर्पित एमएसएमई पार्क, यही राज्य सरकार का व्यापक दृष्टिकोण है।

बैठक के दौरान, मंत्रियों ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि तेलंगाना एमएसएमई-सीडीपी योजना के तहत केंद्रीय वित्तीय सहायता की उम्मीद कर रहा है। तेलंगाना सरकार ने एमएसएमई क्षेत्र को और मज़बूत करने के लिए एक प्रतिष्ठित योजना का मसौदा तैयार किया है। इसका उद्देश्य राज्य के 119 विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक में एक एमएसएमई पार्क स्थापित करना है।

भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि इन पार्कों में छोटे-छोटे फ़ुट वाले फ़ैक्टरी परिसर होंगे और ये छोटी औद्योगिक इकाइयों को सहयोग देने के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचा प्रदान करेंगे, जिससे एक अनुकूल औद्योगिक वातावरण का निर्माण होगा। वर्तमान में, एमएसएमई-सीडीपी योजना के तहत, तेलंगाना सरकार केंद्रीय एमएसएमई मंत्रालय के सहयोग से 25 परियोजनाओं को पहले ही क्रियान्वित कर रही है। इन प्रगतिशील पहलों के माध्यम से, उपमुख्यमंत्री और उद्योग मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि तेलंगाना भारत के 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में उभरेगा।

उस्मानसागर और हिमायतसागर जलाशयों में बढ़ा जल स्तर

फाइल फोटो

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले एक सप्ताह से हैदराबाद और आसपास के जिलों में हो रही लगातार और भारी बारिश के कारण जलस्रोतों में प्रचुर मात्रा में पानी भर गया है। शहर और उपनगरों में स्थित झीलों के अलावा, उस्मानसागर और हिमायतसागर के जुड़वां जलाशय में भी वर्षा जल का अच्छा प्रवाह दर्ज किया गया है।

पिछले एक सप्ताह में जलग्रहण क्षेत्रों में अच्छी बारिश होने के कारण दोनों जलाशयों में ताजा जल प्रवाह हुआ है और जल स्तर बढ़ गया है।

जल निकायों की निगरानी कर रहे हैदराबाद महानगर जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी) के अनुसार, बुधवार सुबह लगभग 8 बजे उस्मानसागर में जल स्तर 1,782 फीट दर्ज किया गया, जबकि इसका पूर्ण टैंक स्तर (एफटीएल) 1,790 फीट है।

ताज़ा पानी का प्रवाह लगभग 50 क्यूसेक होने का अनुमान है। इस बीच, हिमायतसागर का जलस्तर आज सुबह 1,762.35 फीट की ऊँचाई तक पहुँच गया, जबकि न्यूनतम जलस्तर 1,763.50 फीट है।

1,600 क्यूसेक पानी आने के कारण जलस्तर न्यूनतम जलस्तर से केवल एक फुट नीचे है। जल स्तर पर कड़ी नजर रखने वाले एचएमडब्ल्यूएसएसबी के अधिकारियों ने दोनों जलाशयों में जल स्तर में और वृद्धि होने पर संभावित परिदृश्यों से निपटने के लिए तैयारी कर ली है।

सट्टेबाजी ऐप मामले में विजय देवरकोंडा ईडी के समक्ष हुए पेश

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु अभिनेता विजय देवरकोंडा बुधवार को सट्टेबाजी ऐप मामले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए।

ईडी, जिसने हाल ही में सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देने वाली फिल्मी हस्तियों को नोटिस जारी किया था , ने विजय को भी नोटिस भेजकर उन्हें बशीरबाग स्थित ईडी जोनल कार्यालय में जांच टीम के समक्ष पेश होने को कहा है। ईडी अधिकारियों द्वारा पूछताछ के दौरान फिल्म अभिनेता से उनके वित्तीय लेनदेन और बैंक विवरण के बारे में पूछताछ किए जाने की संभावना है। गौरतलब है कि अभिनेता, जिन्होंने पहले एक सट्टेबाजी ऐप से संबंधित विज्ञापन में काम किया था, पर साइबराबाद पुलिस ने अन्य लोकप्रिय अभिनेताओं के साथ सट्टेबाजी को बढ़ावा देने के आरोप में मामला दर्ज किया था। ईडी ने एफआईआर के आधार पर मामले की समानांतर जांच शुरू की थी।

आरोप है कि फिल्मी हस्तियों द्वारा सट्टेबाजी ऐप्स के प्रचार से कई लोग आकर्षित हुए और उन्हें भारी वित्तीय नुकसान हुआ, यहां तक कि कुछ लोगों ने अपनी जान भी ले ली। ईडी अब तक 36 फिल्मी हस्तियों को नोटिस भेज चुका है। राणा दग्गुबाती को 23 जुलाई को पेश होने के लिए बुलाया गया था। हालाँकि, उन्होंने 11 अगस्त को फिर से पेश होने की अनुमति मांगी थी। ईडी ने मंचू लक्ष्मी को भी 13 अगस्त को जांच के लिए पेश होने का नोटिस भेजा है। वरिष्ठ अभिनेता प्रकाश राज पहले ही 30 जुलाई को ईडी अधिकारियों के समक्ष पेश हुए थे और मामले के संबंध में अपना बयान दर्ज कराया था।

एसटी आवासीय छात्रावास पर एसीबी का छापा

कल्याण अधिकारी हिरासत में

संगारेड्डी, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने बुधवार को नरसापुर मंडल के मोहम्मदाबाद स्थित एसटी आवासीय छात्रावास में तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई छात्रावास कल्याण अधिकारी रेखा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद की गई, जिन्हें एसीबी ने हिरासत में ले लिया था। एसीबी के डीएसपी मेदक के सुदर्शन ने कहा कि तलाशी अभियान जारी रहेगा।

प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना ने आंदोलन के लिए अपना जीवन समर्पित किया: आरवी कर्णन

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने कहा कि प्रोफेसर जयशंकर एक महान व्यक्ति थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन तेलंगाना आंदोलन और आत्मनिर्णय के लिए समर्पित कर दिया। बुधवार को आचार्य जयशंकर की जयंती के उपलक्ष्य में, जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन और अधिकारियों ने जीएचएमसी मुख्यालय में उनके चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर, आयुक्त ने आचार्य जयशंकर की सेवाओं को याद किया। जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने कहा कि आचार्य जयशंकर ने एक प्रोफेसर के रूप में छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए अपना जीवन पूरी तरह से तेलंगाना राज्य के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सेवाएँ अविस्मरणीय हैं। आयुक्त आरवी कर्णन ने कहा कि प्रोफेसर जयशंकर के आदर्शों और प्रेरणाओं को जारी रखना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त रघु प्रसाद, गीता राधिका, वेणु गोपाल, सीई रत्नाकर, लेखा परीक्षक वेंकटेश्वरलू, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी मोहम्मद मुर्तुजा, पीआरओ एम दशरथम और अन्य ने भाग लिया।

केटीआर ने प्रोफेसर जयशंकर को दी श्रद्धांजलि

तेलंगाना आंदोलन का वैचारिक प्रकाश स्तंभ बताया

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने बुधवार को प्रोफेसर के जयशंकर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें तेलंगाना आंदोलन का वैचारिक प्रकाश स्तंभ बताया।

दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने राज्यसभा सांसद के.आर. सुरेश रेड्डी, दिवाकोंडा दामोदर राव, वड्डीराजू रविचंद्र, पार्थसारथी रेड्डी और पूर्व सांसद बी. विनोद कुमार के साथ जयशंकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि प्रोफेसर जयशंकर ने तेलंगाना राज्य के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया और लक्ष्य पूरा होने तक बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के साथ संघर्ष किया। दिवंगत प्रोफेसर के साथ अपने संबंधों को याद करते हुए, रामा राव ने कहा कि जयशंकर तेलंगाना आंदोलन के दौरान चंद्रशेखर राव के साथ मजबूती से खड़े रहे और उनके आदर्श आज भी बीआरएस को प्रेरित करते हैं।

उन्होंने कहा, 'ऐसे समय में जब तेलंगाना के हितों से समझौता किया जा रहा है, जयशंकर सर की भावना और सिद्धांतों को कायम रखने की ज़रूरत है।' उन्होंने सभी तेलंगाना समर्थकों से राज्य के आत्मसम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहने तथा यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि तेलंगाना का मूल सपना धूमिल न हो।

सिलेंडर लीक से परिवार के तीन सदस्य झुलसे

संगारेड्डी, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। झारासंगम मंडल के येदकुलपल्ली गांव में बुधवार सुबह एक महिला जब अपने घर में खाना बना रही थी, तभी एलपीजी सिलेंडर लीक होने से आग लग गई, जिससे एक ही परिवार के तीन सदस्य झुलस गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, गोरेकानाटी शंकरम्मा नाम की एक बुज़ुर्ग महिला रसोई में थीं जब गैस रिसाव हुआ और अचानक आग लग गई। उनके दो बेटे, प्रभु और विट्ठल, उन्हें बचाने दौड़े, लेकिन इस दौरान वे भी झुलस हो गए। आग फैलने से पहले ही तीनों घर से भागने में कामयाब रहे। बाद में उन्हें इलाज के लिए ज़हीराबाद के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

इंदिरम्मा का घर न मिलने पर एक व्यक्ति ने दी आत्मदाह की धमकी

सिद्दीपेट, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। इंदिराम्मा आवास के आवंटन में अनियमितताएं बुधवार को फिर सामने आईं, जब नांगनूर मंडल के पलामकुला गांव में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अंतिम समय में मकान देने से इनकार किए जाने पर आत्मदाह का प्रयास किया।

श्रीकांत नाम का यह व्यक्ति व्यस्त सिद्दीपेट-हनमकोंडा रोड पर अपनी मोटरसाइकिल खड़ी करके सड़क पर बैठ गया, जिससे यातायात बाधित हो गया। पेट्रोल से भरी बोतल लिए हुए, उसने खुद को आग लगाने की धमकी दी और स्थानीय इंदिराम्मा आवास समिति, जिसमें कांग्रेसी नेता शामिल हैं, पर जानबूझकर उसे लाभार्थियों की सूची से बाहर करने का आरोप लगाया।

श्रीकांत ने कहा कि उन्हें शुरू में आवास योजना के लिए चुना गया था, लेकिन निहित स्वार्थों के चलते अंतिम चरण में उनका नाम हटा दिया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि सभी पात्रता मानदंड पूरे करने के बावजूद, समिति ने मनमाने ढंग से उन्हें आवंटन देने से इनकार कर दिया। स्थानीय लोग और अधिकारी मौके पर पहुँचे और श्रीकांत को यह कदम उठाने से रोका। उन्होंने उसके हाथ से पेट्रोल की बोतल छीन ली और मामला बिगड़ने से पहले उसे शांत किया।

बीआरएस ने बनकाचेरला परियोजना पर राज्यसभा में पेश किया स्थगन प्रस्ताव

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी ने बुधवार को राज्यसभा में आंध्र प्रदेश द्वारा शुरू की जा रही विवादास्पद गोदावरी-बनकाचेरला परियोजना पर तत्काल चर्चा की मांग करते हुए कार्यस्थगन प्रस्ताव पेश किया। पार्टी ने कहा कि यह परियोजना तेलंगाना के वाजिब हिस्से के पानी को हटा देगी और राज्य के किसानों के हितों को गंभीर रूप से नुकसान पहुँचाएगी। बीआरएस संसदीय दल के नेता के.आर. सुरेश रेड्डी और सांसद दिवाकोंडा दामोदर राव ने उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह को नोटिस देकर आग्रह किया कि इस मुद्दे पर चर्चा के लिए नियमित कार्यवाही रोक दी जाए। हालाँकि, प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया।

बीआरएस सांसदों ने कहा कि गोदावरी बेसिन पर बनाई जा रही यह परियोजना अंतर-राज्यीय जल-बंटवारे के मानदंडों का उल्लंघन करती है और तेलंगाना की जल सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है।

भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति ने नई संस्था की घोषणा की

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति (बीजीयूएस) ने अपने नए पदाधिकारियों और नई संस्था के चुनाव की घोषणा की। डॉ. रविनुतला शशिधर को उत्सव समिति का महासचिव चुना गया। उनके साथ, मंगलवार को सर्वसम्मति से एक नई नेतृत्व टीम का भी चुनाव किया गया। नई टीम आगामी गणेश चतुर्थी उत्सव के आयोजन और क्षेत्र में हिंदू संस्कृति और विरासत को बढ़ावा देने के समिति के मिशन को जारी रखने के लिए ज़िम्मेदार होगी। नए चुनाव में सर्वसम्मति से चुनाव के बाद जी. राघव रेड्डी - अध्यक्ष; वैकुंठम मेट्टू, बी. राजवर्धन रेड्डी और शशिकला - उपाध्यक्ष; डॉ. आर. शशिधर - महासचिव; के. महेंदर, जी. रमेश, एन. बुची रेड्डी, ए. भास्कर, बी. महिपाल रेड्डी - सचिव और श्रीराम व्यास - कोषाध्यक्ष चुने गए। इसी क्रम में भाग्य नगर उत्सव समिति के सलाहकार के रूप में करोड़ीमल अग्रवाल, नरसिंह पुरिया, रामाराजू, डॉ भागवत राव, माधवी लता को चुना गया है।

भाजपा ने तुम्माडीहट्टी में अलग परियोजना की मांग की

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कालेश्वरम परियोजना में भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच की मांग करते हुए, तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने आज इस क्षेत्र में सिंचाई के पानी की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तुम्माडीहट्टी में एक अलग परियोजना के निर्माण की वकालत की।

कोमरम भीम आसिफाबाद ज़िले के सिरपुर कागज़नगर में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, भाजपा प्रमुख ने कहा कि प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना के पुनर्गठन के बाद इस क्षेत्र में सिंचाई के पानी की भारी मांग है। उन्होंने कहा कि लगभग 2.5 लाख एकड़ ज़मीन को पानी उपलब्ध कराने के लिए एक अलग परियोजना की ज़रूरत है। उन्होंने आगे कहा कि यह परियोजना तुम्माडीहट्टी के पास वर्धा और वैनगंगा नदी के संगम पर बनाई जानी चाहिए जिससे सिंचाई के पानी की कमी दूर होगी।

राव ने राज्य कांग्रेस सरकार से परियोजना के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने और उसे केंद्र सरकार को मंज़ूरी के लिए भेजने को कहा। उन्होंने कहा कि डीपीआर जमा होते ही केंद्र सरकार हर तरह की सहायता प्रदान कर रही है। भाजपा ने किसानों को फ़ायदा पहुँचाने वाली परियोजनाओं का कभी विरोध नहीं किया। लेकिन पार्टी ने कालेश्वरम परियोजना में भ्रष्टाचार का विरोध किया और हमारे दावे सही साबित हुए हैं कि इसमें भारी भ्रष्टाचार हुआ था जिसमें बीआरएस नेता कथित रूप से शामिल थे, उन्होंने आरोप लगाया और केसीआर परिवार पर इस परियोजना को "एटीएम" की तरह इस्तेमाल करने और करोड़ों रुपये का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। भाजपा प्रमुख ने आगे आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने घटिया निर्माण गुणवत्ता के साथ जनता के करोड़ों रुपये बर्बाद किए, जिसके परिणामस्वरूप मेदिगड्डा बैराज क्षतिग्रस्त हो गया और अन्य बांधों में दरारें देखी गईं।

राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण, जिसने बांध स्थलों की निगरानी की थी, ने स्पष्ट रूप से डिजाइन की खामियां और गुणवत्ता की कमियां दिखाईं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने कालेश्वरम परियोजना के निर्माण से जुड़े कुछ अधिकारियों को ही गिरफ्तार किया है। राजनेताओं और ठेकेदारों को क्यों नहीं गिरफ्तार किया गया? क्या सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी और बीआरएस के बीच कोई सांठगांठ है, राव ने सवाल किया। राज्य भाजपा प्रमुख ने बीआरएस और कांग्रेस पार्टी के इन सभी पापों की सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा नियुक्त न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग ने केवल कुछ तथ्यों का खुलासा किया है। राज्य कांग्रेस सरकार की कार्यप्रणाली की आलोचना करते हुए, राव ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी प्रशासन को अधर में छोड़कर 50 बार दिल्ली आ चुके हैं और अब तक किसानों और जनता के लिए कुछ नहीं किया। कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों को एक ही सिक्के के दो पहलू बताते हुए, राव ने ज़ोर देकर कहा कि लोगों में स्पष्ट भावना है कि तेलंगाना में "डबल इंजन" वाली सरकार होनी चाहिए। "ऑपरेशन आकर्ष" पर एक सवाल के जवाब में, भाजपा प्रमुख ने कहा कि राजनेता स्वेच्छा से भाजपा से संपर्क कर रहे हैं और उनकी राय है कि तेलंगाना में भाजपा ही एकमात्र विकल्प है।

दिल्ली धरना बीसी अधिकारों की लड़ाई नहीं बल्कि महज़ राजनीतिक प्रदर्शन : डॉ. वकुलाभरणम

तेलंगाना बीसी कमीशन के पूर्व अध्यक्ष ने उठाए सवाल

हैदराबाद, 6 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीसी कमीशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वकुलाभरणम कृष्णमोहन राव ने बुधवार को सोमाजीगुड़ा में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि दिल्ली धरना बीसी अधिकारों की लड़ाई नहीं बल्कि महज़ राजनीतिक प्रदर्शन है।

उन्होंने कहा, अगर सरकार के पास वास्तविक नीयत होती तो वह विशेष रूप से याचिका दायर कर सुप्रीम कोर्ट से लंबित विधेयकों पर त्वरित निर्णय का रास्ता निकाल सकती थी। कानूनी रास्ता मौजूद होते हुए भी ऐसे नाटक क्यों? यह बीसी अधिकारों के लिए संघर्ष नहीं बल्कि पार्टी उच्च नेतृत्व की नजरों में आने का पब्लिसिटी स्टंट है। उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में तमिलनाडु फैसले के संदर्भ में राष्ट्रपति ने अनुच्छेद 143(1) के तहत 14 अहम सवाल सुप्रीम कोर्ट को भेजे हैं, जिससे साफ है कि कानूनी उपाय का रास्ता खुला हुआ है। फिर भी मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट जाने की बजाय जंतर-मंतर पर धरना देना चुना, जो जनता को गुमराह करने वाला राजनीतिक नाटक है।

उन्होंने सरकार के दोहरे रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा, अगर स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण लागू करने के लिए बुसानी डेडिकेटेड कमीशन की रिपोर्ट पर्याप्त थी तो मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने उसे प्राप्त करने के लिए समय क्यों नहीं निकाला? आखिरकार बुसानी कमीशन को अपनी रिपोर्ट बिना प्रचार के मुख्य सचिव को सौंपनी पड़ी। लेकिन जब जस्टिस सुधर्शन रेड्डी वर्किंग ग्रुप ने रिपोर्ट सौंपी तो मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और कई मंत्री उसे लेने एमसीआरएचआरडी तक गए। बुसानी कमीशन और जस्टिस रेड्डी समिति के साथ यह भेदभाव क्यों? यह रेवंत सरकार के बीसी विरोधी रवैये का साफ संकेत है। डॉ. वकुलाभरणम ने कहा, कालेश्वरम परियोजना की तथाकथित "व्यापक अध्ययन' रिपोर्ट तैयार करने में 16 महीने लगाए गए, लेकिन करोड़ों बीसी के भविष्य का निर्धारण करने की प्रक्रिया कुछ ही दिनों में पूरी कर दी गई। इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया के लिए नियुक्त आयोगों को समुचित समय तक नहीं दिया गया। उदाहरण के लिए, बुसानी कमीशन को अपनी रिपोर्ट देने के लिए मात्र एक माह की समयसीमा दी गई, जो सरकार के आदेश जीओ No.49 में स्पष्ट है।

क्या ये रिपोर्टें बिना व्यापक अध्ययन के पेश की गईं? ये रिपोर्टें कहां हैं? इन्हें सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? कालेश्वरम रिपोर्ट तो तत्काल जारी कर दी गई, लेकिन करोड़ों बीसी के जीवन से जुड़े अहम दस्तावेज क्यों छुपाए जा रहे हैं? जातिवार सर्वे रिपोर्ट कहां है? जस्टिस सुधर्शन रेड्डी समिति की रिपोर्ट कहां है? इन आयोगों की कानूनी वैधता क्या है? ये सब दिखाता है कि बीसी आरक्षण के नाम पर वास्तविक कदमों से ज्यादा राजनीतिक नाटक और दिखावा किया जा रहा है। करोड़ों की उम्मीदों और अधिकारों से जुड़े इस गंभीर मुद्दे में सरकार की यह लापरवाही अक्षम्य है। दिल्ली धरने पर उन्होंने टिप्पणी की, यह सिर्फ एआईसीसी का ध्यान खींचने के लिए किया गया पीआर अभ्यास था। बीसी आरक्षण की असली लड़ाई सुप्रीम कोर्ट में लड़ी जानी चाहिए, न कि रेवंत रेड्डी के दिल्ली प्रेजेंटेशन या मंचित धरनों से। बीसी के लिए वास्तविक न्याय केवल अदालतों से मिलेगा, राजनीतिक नाटकों से नहीं। इस अवसर पर राज्य बीसी एक्य वेदिका के अध्यक्ष नरसिंहा यादव, राष्ट्रीय बीसी अध्ययन मंच के संयोजक एम. मारुति प्रसाद और राज्य बीसी नेता अम्बटी सुधाकर, रमेश आदि उपस्थित रहे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.